@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 23 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 253 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चंदा कोचर दोषी करार: वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

मुंबई, (एजेंसी)। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई

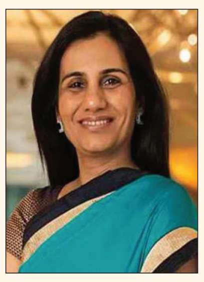

बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में नैतिकता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट मामला: फडणवीस सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट, 24 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2006 के मुंबई लोकल ट्रेन सीरियल बम धमाकों में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा 12 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अपील पर सुप्रीम कोर्ट 24 जुलाई को सुनवाई करेगा।

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि यह मामला अत्यंत गंभीर और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग करते हुए कहा, जज साहब, यह केस राज्य सरकार के लिए काफी अहम है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तारीख तय कर दी।

क्या है मामला?

दरअसल 11 जुलाई 2006 की शाम को मुंबई की लोकल ट्रेनों में मात्र 11 मिनट के भीतर 7 अलग-अलग स्थानों पर बम धमाके हुए थे। इन विस्फोटों में 189 लोगों की मौत और 827 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह देश के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में से एक था। इस केस में नवंबर 2006 में चार्जशीट दाखिल की गई। 2015 में ट्रायल कोर्ट (विशेष टाडा अदालत) ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसमें 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इसके बाद इन सभी ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

विमान हादसे में पायलट की भूमिका को लेकर भारतीय और विदेशी मीडिया में उठाए जा रहे सवाल बेबुनियाद - राम मोहन नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे की जांच को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने राज्य सभा में साफ किया कि हादसे की जांच पूरी तरह भारत में ही हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले ब्लैक बॉक्स में छोटी-सी गड़बड़ी भी आती थी तो उसे डिकोड करने के लिए निर्माता के पास विदेश भेजा जाता था। पहली बार भारत ने तय किया कि ब्लैक बॉक्स को पूरी तरह भारत में ही डिकोड किया जाएगा। मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि एयरक्राफ्ट एव ?सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब?यूरो ने ब्लैक बॉक्स से पूरे डेटा को डिकोड करने में कामयाबी हासिल की है, जो पहले बाहर से देखने पर लग रहा था कि खराब हो चुका है। ये जांच इंटरनेशनल प्रोटोकॉल के मुताबिक निष्पक्ष तरीके से चल रही है। उन्होंने ये भी कहा कि विमान हादसे में पायलट की भूमिका को लेकर भारतीय और विदेशी मीडिया में उठाए जा रहे सवाल बेबुनियाद हैं।

बिहार में एक अगस्त को आएगी ड्राफ्ट मतदाता सूची, करीब 50 लाख मतदाताओं पर संशय

पटना (एजेंसी)। (ईएमएस)। बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई) प्रक्रिया के तहत अब तक 97.30त्न मतदाताओं ने अपना विवरण जमा कर दिया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, सिर्फ 2.70त्न मतदाता ही ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक नाम जोड़ने या सुधार के लिए फॉर्म नहीं भरा है। चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि यह ड्राफ्ट मतदाता सूची एक अगस्त 2025 को प्रकाशित की जाएगी। 21 जुलाई 2025 तक की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव कर्मियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं की जांच की। इस दौरान पता चला कि, राज्य के 52.30 लाख मतदाता अपने पते पर मौजूद नहीं मिले। वहीं, 18.5 लाख मतदाता ऐसे पाए गए जिनकी मृत्यु हो चुकी है। जबकि 26 लाख लोगों ने अपना पता स्थायी रूप से बदल लिया है। लगभग 7.5 लाख मतदाता भी किसी न किसी वजह से अपने पते पर नहीं पाए गए। इस विशेष पुनरीक्षण का मकसद है कि मतदाता सूची को साफ और सही बनाया जाए ताकि कोई फर्जी नाम या दोहराव न हो। साथ ही जिन लोगों की मृत्यु हो गई है या जो कहीं और चले गए हैं, उनके नाम सूची से हटाए जा सकें।

कांवड़ियों की धार्मिक यात्रा को लेकर हिंदू आस्था पर हमला!

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। कांवड़ यात्रा—हिंदू धर्म की सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन तीर्थ यात्राओं में से एक — आज एक अनुचित और सुनियोजित हमले की शिकार है। हर वर्ष चार करोड़ से अधिक कांवड़िये (शिव भक्त) इस पवित्र यात्रा में भाग लेते हैं, जो सनातन धर्म की गहन भक्ति, अनुशासन और बलिदान का जीवंत उदाहरण है। फिर भी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया का एक वर्ग इस पवित्र परंपरा को बदनाम करने के अभियान में जुटा हुआ है और कुछ अलग-थलग घटनाओं के आधार पर पूरे शिव भक्त समुदाय को गलत रूप में पेश कर रहा है। कांवड़ यात्रा, जो सदियों से चली आ रही है, पौराणिक और ऐतिहासिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी है। प्राचीन

ग्रंथों के अनुसार, यह यात्रा श्रावण मास के दौरान गंगाजल (गंगा का पवित्र जल) भगवान शिव को अर्पित करने का प्रतीकात्मक कार्य है। भक्त नंगे पांव, केसरिया वस्त्रों में, बोल बम के जयघोष के साथ, कंधों पर सजे हुए कांवड़ लेकर सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करते हैं — वह भी तीव्र शारीरिक कठिनाइयों को सहते हुए। यह आत्म-नियंत्रण और भक्ति का प्रतीक है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान राम ने भी एक बार कांवड़िये के रूप में यह यात्रा की थी। भोगवादी और त्वरित संतुष्टि के इस युग में, कांवड़िये हमें धैर्य, बलिदान, श्रद्धा और अनुशासन जैसे मूल्यों की याद दिलाते हैं। इसकी पवित्रता के बावजूद, इस यात्रा को नकारात्मक रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है। कुछ खास टीवी चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कुछ अनुशासनहीन लोगों के वीडियो साझा कर रहे हैं और सभी कांवड़ियों को बदनाम कर रहे हैं। यह न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि यह भारत और पूरी दुनिया के करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर सीधा हमला है। साफ़ कहें तो- हर समाज में कुछ गलत तत्व हो सकते हैं, लेकिन उनके कार्य पूरे समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। चार करोड़ से अधिक शांतिप्रिय, उपवासधारी, नंगे पांव चलने वाले भक्तों को एक ही छवि में दिखाना गंभीर अनुचितता और दुर्भावना है। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, यह हिंदू आस्था और संस्कृति के जीवित और साँस लेते स्वरूप का प्रतीक है। हरिद्वार से गौमुख, सुलतानगंज से देवघर तक, कांवड़ियों के पदचिन्हों वाले मार्ग आध्यात्मिक पुनर्जागरण के जीवंत मार्ग बन चुके हैं, विशेषकर युवाओं के लिए जो इस यात्रा में श्रद्धा और विनम्रता से जुड़ रहे हैं। स्थानीय समुदाय, मंदिर, स्वयंसेवी संगठन और पुलिस बल भक्तों को भोजन, पानी, आश्रय और चिकित्सा सुविधा देकर उनका भरपूर सहयोग करते हैं। पूरी यात्रा आध्यात्मिक एकता का सामूहिक उत्सव बन जाती है।

शेष पृष्ठ 7 पर

199 करोड़ रुपये की आयकर मांग पर कांग्रेस को बड़ा झटका, ट्रिब्यूनल ने खारिज कर दी अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी को झटका देते हुए, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने वर्ष 2017-18 के लिए कर मांग के खिलाफ उसकी अपील खारिज कर दी। पार्टी ने आयकर विभाग के उस नोटिस का विरोध किया था जिसमें उसे 199 करोड़ रुपये से अधिक की आय पर कर चुकाने को कहा गया था। कांग्रेस का दावा था कि यह राशि दान से आई है और इसे कर से मुक्त रखा जाना चाहिए। हालाँकि, पार्टी निर्धारित तिथि तक अपना कर रिटर्न दाखिल करने में विफल रही। आयकर न्यायाधिकरण ने कर अधिकारियों के निर्णय को बरकरार रखते हुए कहा कि पार्टी को उस वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त दान पर आयकर का भुगतान करना होगा।

कांग्रेस पार्टी ने 2 फ़रवरी, 2019 को अपना आयकर दाखिल किया और आयकर अधिनियम की धारा 13ए के तहत 199.15 करोड़ रुपये की छूट का दावा करने के बाद शून्य आय घोषित की। हालाँकि, यह आयकर धारा 139 के तहत निर्धारित निर्धारण वर्ष 2018-19 के लिए 31 दिसंबर, 2018 की विस्तारित नियत तिथि के बाद दाखिल किया गया था। सितंबर 2019 में जाँच के दौरान, निर्धारण अधिकारी ने पाया कि पार्टी ने प्रति दानदाता 2,000 रुपये से अधिक 14.49 लाख रुपये नकद दान स्वीकार किए थे, जो धारा 13ए(डी) का उल्लंघन करता है, जिसके अनुसार वित्त अधिनियम 2017 में संशोधन के बाद ऐसे सभी दान बैंकिंग माध्यमों से प्राप्त किए जाने चाहिए।

मणिपुर में आपसी कलह में मारे गए 5 कुकी उग्रवादी

नई दिल्ली। मणिपुर के नोनी जिले के देवईजांग गांव में कुकी उग्रवादी संगठन के पांच सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, चिन कुकी मिजो आर्मी (सीकेएमए) के इन पांच सदस्यों की हत्या के पीछे के कारणों की अभी पता नहीं चला है। लेकिन संगठन के भीतर हुए विवाद को इसका कारण माना जा रहा है। सीकेएमए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गलतफहमियों और कुछ दुर्भावनापूर्ण इरादों के कारण हमारे पांच कार्यकर्ता मारे गए। यह हमारे संगठन और समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। 2008 में केंद्र सरकार के साथ हुए संघर्ष विराम समझौते पर सीकेएमए ने हस्ताक्षर नहीं किए थे। यह संगठन दो साल पहले अस्तित्व में आया था। असम के बिस्वनाथ जिले की एक अदालत ने मंगलवार को डायन हत्या के मामले में चार लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह घटना 10 साल पहले जुलाई 2015 में हुई थी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुमुद बरुआ ने चार आरोपियों को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। सरकारी वकील जाह्नवी कलिता ने बताया कि पीड़िता को भीमाजुली गांव में अंधविश्वास के चलते डायन बताकर बेरहमी से प्रताड़ित कर हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। लंबी सुनवाई के दौरान कुछ आरोपियों की मौत हो गई, जबकि कुछ को बरी कर दिया गया। गांववालों ने पीड़िता पर जादू-टोना करने का आरोप लगाकर उसका सर काट दिया था। इस घटना ने पूरे राज्य में आक्रोश पैदा हो गया था। ओडिशा के बरहामपुर में बाल यौन शोषण मामले में जमानत पर छूटे 27 वर्षीय व्यक्ति ने छात्रा का फिर यौन शोषण करने का प्रयास किया। उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। के नुआगांव थाना क्षेत्र का रहने वाला आरोपी पेशे से बढ़ई है। 14 वर्षीय लड़की के पिता ने सोमवार को बैद्यनाथपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

अंतरिक्ष से पृथ्वी पर कोई सीमा दिखाई नहीं देती: शुभांशु

नई दिल्ली%अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला को हाल ही में प्रकाशित एनसीईआरटी की कक्षा पांच की 'पर्यावरण अध्ययन' से जुड़ी नयी पाठ्यपुस्तक में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की इस पुस्तक में अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने के बारे में उनके प्रेरित करने वाले कथन को शामिल किया गया है। एनसीईआरटी ने इस बात को पर्यावरण अध्ययन से जुड़ी पांचवीं कक्षा की कि किताब के पृथ्वी, हमारा साझा घर में शामिल किया है। पीएम मोदी के साथ बातचीत के दौरान अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने के अपने पहले अनुभव को याद करते हुए शुक्ला ने कहा था, पृथ्वी को बाहर से देखने के बाद, मन में पहला विचार यह आया कि पृथ्वी पूरी तरह से एक दिखती है; बाहर से कोई सीमा दिखाई नहीं देती। ऐसा लगता है कि कोई सीमा नहीं है, कोई राज्य नहीं है, कोई देश नहीं है। हम सभी मानवता का हिस्सा हैं, और पृथ्वी हमारा एक घर है। भारतीय वायुसेना के 39 पायलट ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। एक्सिओम-4 मिशन के तहत यह एक वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ान थी, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और 'नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) द्वारा समर्थन प्राप्त था। पांचवीं कक्षा की यह किताब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एक बड़े शैक्षणिक बदलाव का हिस्सा है। यह विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण अध्ययन को एक ही साथ जोड़ती है जिसका उद्देश्य अवलोकन, अन्वेषण और नैतिक तर्क को बढ़ावा देना है। यह कहानियों, व्यावहारिक गतिविधियों और वास्तविक दुनिया के संबंधों के माध्यम से विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण के बारे में छात्रों को शिक्षित करती है।

दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाया

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 22 जुलाई। दिल्ली सरकार ने आज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने यह निर्णय लिया है। दिल्ली सरकार ने ग्रीन दिल्ली के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में फैसला लेते हुए 31 मार्च 2026 तक या नई ईवी नीति की अधिसूचना जारी होने तक, जो भी पहले संभव हो, ईवी नीति विस्तार का निर्णय लिया है। नई ईवी नीति बनाने के लिए भविष्य में सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श और समावेशी नीति निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। दिल्ली सरकार के ईवी नीति विस्तार का मकसद राजधानी में ईवी चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को और मजबूत बनाना, ईवी सब्सिडी की समीक्षा करना और ईवी बैटरी के ई-वेस्ट के निपटान के लिए जरूरी व्यवस्था विकसित करना है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि राजधानी के प्रत्येक नागरिकों को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए एक जरूरी, समावेशी और अधिक प्रभावी ईवी नीति तैयार करने के लिए व्यापक संवाद और जन भागीदारी बढ़ाने

की जरूरत है। इलेक्ट्रिक वाहन (श्वङ्क) नीति विस्तार परिवहन विभाग को दिल्ली के नागरिकों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों, शैक्षणिक विद्वानों, पर्यावरण समूहों के साथ सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं समेत सभी हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श करने का अतिरिक्त समय और अवसर प्रदान करेगा। जिसका मुख्य उद्देश्य ईवी चार्जिंग ढांचे को मजबूत बनाना, वर्तमान प्रोत्साहनों और ईवी सब्सिडी की समीक्षा करना, प्रभावी ई-वेस्ट और ईवी बैटरी के निपटान के लिए जरूरी व्यवस्था स्थापित करना है। साथ ही राजधानी दिल्ली में तेजी से विकसित हो रहे ईवी इकोसिस्टम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भूमिकाओं को स्पष्ट तौर से परिभाषित करना है। दिल्ली सरकार राजधानी में स्वच्छ वायु और पर्यावरण-अनुकूल हरित परिवहन प्रणाली कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है। नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के साथ ही 'ग्रीन दिल्ली और क्लीन दिल्ली' के विजन पूरा होगा। प्रस्तावित नीति में कई नए प्रावधान भी शामिल होंगे, जो ईवी वाहनों को अपनाने की गति बढ़ाने के साथ चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने को प्रोत्साहित करेंगे और पर्यावरणीय जवाबदेही को भी सुनिश्चित करेंगे। दिल्ली सरकार का यह दूरदर्शी फैसला दिल्ली के नागरिकों को सशक्त बनाने के साथ राजधानी दिल्ली को ईवी-कैप्टिल बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है, जिसके चलते स्वच्छ हवा और हरित भविष्य की दिशा में दिल्ली की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

शेष पृष्ठ 7 पर

दिल्ली सरकार की पहल पर दिल्ली में तीन दिवसीय तीज महोत्सव-2025 का आयोजन

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली; 22 जुलाई। दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक समृद्धि और सामुदायिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजधानी में 25 जुलाई से 27 जुलाई 2025 तक दिल्ली हाट, पीतमपुरा में एक भव्य तीज महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस तीन दिवसीय उत्सव का उद्घाटन 25 जुलाई की शाम को करेंगी। माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने इस महोत्सव में भाग लेने के लिए दिल्ली की महिलाओं से हार्दिक आह्वान किया है। इसी क्रम में दिल्ली सरकार में पर्यटन एवं कला मंत्री कपिल मिश्रा ने आज दिल्ली सचिवालय में तीज महोत्सव-2025 की तैयारियों को लेकर चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (ष्टञ्जढ्ढ) संस्था के साथ एक अहम

बैठक की। इस बैठक में कई प्रसिद्ध महिला उद्यमियों और सोशल मीडिया की महिला इन्फ्लुएंसरों ने भाग लिया और उत्सव को अधिक समावेशी, आकर्षक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए अपने रचनात्मक सुझाव दिए। इस मौके पर कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में सरकार तीज महोत्सव को परंपरा, रचनात्मकता और नारी शक्ति का भव्य उत्सव बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उत्सव दिल्ली की महिलाओं, उनकी संस्कृति और उनके जज़्बे को समर्पित है। सभी के लिए इसे सुलभ और समावेशी बनाने के उद्देश्य से तीनों दिन इस आयोजन में प्रवेश पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा। यह पहल दिल्ली सरकार की उस व्यापक सोच का हिस्सा है, जिसके तहत महिलाओं को सांस्कृतिक भागीदारी और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। इस आयोजन में दर्शकों को 100 से अधिक स्टॉल देखने को मिलेंगे, जिनमें 80 स्टॉल पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा को समर्पित होंगे और 25 स्टॉल देशभर के पारंपरिक व्यंजनों की विविधता प्रस्तुत करेंगे। मेहंदी डिज़ाइनिंग, बिंदी सजावट और रंगोली जैसी पारंपरिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से महिलाओं और युवतियों को रचनात्मकता दिखाने का अवसर मिलेगा। बच्चों के लिए विशेष किड्स ज़ोन की व्यवस्था की गई है जिसमें स्टोरी टेलिंग, मैजिक शो, शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियां होंगी ताकि परिवार के सभी सदस्य इस महोत्सव में आनंदपूर्वक भाग ले सकें। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने अंत में कहा, दिल्ली की पहचान अब केवल एक प्रशासनिक राजधानी के रूप में नहीं बल्कि सांस्कृतिक और पारिवारिक पर्यटन स्थल के रूप में भी स्थापित हो रही है।

शेष पृष्ठ 7 पर

खैबर पख्तूनख्वा सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी ने हासिल की छह सीटें

- प्रांतीय विधानसभा के 145 सदस्यों के मतदान से संपन्न हुआ चुनाव

पेशावर (एजेंसी)। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए सीनेट चुनाव में पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने जबरदस्त जीत दर्ज की है। 11 में से छह सीटें पीटीआई ने जीतीं, जबकि विपक्षी दलों को पांच सीटें मिलीं। यह चुनाव प्रांतीय विधानसभा के 145 सदस्यों के मतदान से संपन्न हुआ। सात सामान्य सीटों पर हुए चुनाव में पीटीआई ने चार सीटें जीतीं। मुराद सईद, फैसल जावेद, मिर्जा अफरीदी और नूरुल हक कादरी ने पीटीआई के लिए सफलता सुनिश्चित की। विपक्षी दलों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज के नियाज अहमद, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के तल्हा महमूद और जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम के अता–उल–हक ने तीन सामान्य सीटें जीतीं। महिला आरक्षित सीटों पर भी पीटीआई ने अपना दबदबा कायम रखा। पार्टी की रुबीना नाज ने महिला आरक्षित सीट पर जीत दर्ज की, वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की रुबीना खालिद ने दूसरी महिला आरक्षित सीट जीती। इससे पीटीआई ने कुल छह सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि विपक्षी दलों को पांच सीटें मिली हैं। प्रांतीय चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि मतदान पूरी निष्पक्षता और शांति के साथ संपन्न हुआ। सभी 145 प्रांतीय सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस चुनाव परिणाम से स्पष्ट होता है कि खैबर पख्तूनख्वा में इमरान खान की पार्टी का प्रभाव मजबूत बना हुआ है। यह जीत पीटीआई के लिए बड़े राजनीतिक फायदे लेकर आ सकती है, खासकर आगामी राष्ट्रीय और प्रांतीय चुनावों की तैयारी के लिहाज से। विपक्षी दलों के लिए यह चुनौती बनी रहेगी कि वे अपने आधार को और मजबूत करें। कुल मिलाकर खैबर पख्तूनख्वा के इस सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी ने अपनी स्थिति मज़बूत कर दिखाई है, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव डाल सकती है।

मधुमक्खियों को बचाने सरकार के विरोध में खड़े हुए 10 लाख लोग

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में मधुमक्खियों को बचाने के लिए 10 लाख लोगों ने सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है। दरअसल, सरकार मधुमक्खियों को मारने वाले कीटनाशक एसेटामिप्रिड को मंजूरी देने वाला नया कानून ला रही है। लाखों लोगों ने इस कानून को वापस लेने की मांग करते हुए एक ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर किए। यह कीटनाशक 2018 से फ्रांस में प्रतिबंधित है, लेकिन अब डुपलोंब कानून के तहत इसे फिर से अनुमति देने का रास्ता खोला गया है। गौरतलब है कि जून के अंत में कानून पारित होने से पहले पूरे फ्रांस में किसान, पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक सड़कों पर उतरकर इसका विरोध कर चुके हैं। यह याचिका 23 वर्षीय मास्टर्स छात्रा एलेनोर पैटेरी ने 10 जुलाई को शुरू की थी, जो खुद को卐पर्यावरणीय विशेषज्ञ卐 बताती हैं। याचिका को फिल्म कलाकारों, वामपंथी सांसदों और नागरिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। शनिवार और रविवार के बीच ही इसमें 5 लाख से ज्यादा हस्ताक्षर जुटाए गए। विरोध करने वालों का कहना है कि यह कानून पर्यावरण, जैव विविधता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और जलवायु नीति के खिलाफ सीधी चोट है। इन लोगों के मुताबिक, एसेटामिप्रिड 卐बी–कीलर卐यानी मधुमक्खियों का हत्यारा है, जबकि वैज्ञानिकों का कहना है कि इसके इंसानों पर असर को लेकर भी गंभीर चिंता है, हालांकि इस पर व्यापक शोध अभी नहीं हुआ है। वहीं, इस कानून के समर्थकों का कहना है कि किसान पहले से ही अत्यधिक नियमों से दबे हुए हैं और यह कानून उनकी समस्याओं को कम करने में मदद करेगा। विशेष रूप से बीट और हेज़लनट की खेती करने वाले किसानों को कीट नियंत्रण के लिए इसका विकल्प नहीं मिल रहा है। फ्रांस की नेशनल असेंबली की स्पीकर याएल ब्रॉन–पिवे ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह कानून को वापस नहीं लेंगी क्योंकि यह 卐हमारे कुछ किसानों को बचा सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि 5 लाख हस्ताक्षरों के आंकड़े को पार करने पर इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस जरूर हो सकती है, लेकिन कानून को पलटना संभव नहीं होगा क्योंकि यह पहले ही संसद से पारित हो चुका है।

जर्मनी में जन्म दर पिछले दो दशकों में सबसे न्यूनतम स्तर पर

-यह देश के आर्थिक और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर खतरा

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी जनसांख्यिकीय चुनौती का सामना कर रहा है, जो देश की सामाजिक संरचना से लेकर आर्थिक भविष्य तक को प्रभावित कर सकती है। ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक 2024 में जर्मनी की कुल प्रजनन दर 1.35 बच्चे प्रति महिला पर आ गई है, जो पिछले दो दशकों का सबसे न्यूनतम स्तर है। यह देश के आर्थिक और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर संकेत है। 2024 में कुल 6,77,117 बच्चों का जन्म हुआ, जो 2023 की तुलना में 15,872 कम हैं। इसमें 2 फीसदी की गिरावट आई है, हालांकि यह गिरावट 2022 और 2023 की तुलना में थोड़ी धीमी है, जब जन्म दर में क्रमश- 8फीसदी और 7फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। जन्म दर में यह गिरावट पूरे देश में समान नहीं है। पूर्वी जर्मनी का थुरिंगिया राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जहां जन्म दर में 7फीसदी की गिरावट आई और यह घटकर 1.24 तक पहुंच गई। इसके विपरीत दक्षिण–पश्चिमी राज्य बाडेन–वुर्टेमबर्ग में यह गिरावट केवल 1फीसदी रही और जन्म दर 1.39 रही। यह अंतर जर्मनी के क्षेत्रीय सामाजिक और आर्थिक ढांचे की असमानताओं को उजागर करता है। 2024 में माताओं की औसत आयु 31.8 वर्ष और पिताओं की 34.7 वर्ष रही, जो 2021 से स्थिर बनी हुई है। पहली बार माता–पिता बनने वालों की औसत आयु भी बढ़कर क्रमश: 30.4 और 33.3 वर्ष हो गई है, जिससे यह साफ होता है कि युवा अब बच्चे पैदा करने में देरी कर रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जन्म दर में गिरावट के पीछे महामारी, यूक्रेन युद्ध, महंगाई और जलवायु परिवर्तन जैसे कई जटिल कारण हैं, जिन्होंने लोगों के जीवन की प्राथमिकताओं को बदल दिया है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता आज: जेलेंस्की और पुतिन के बीच सहमति को लेकर संशय

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्ति को लेकर दो बार बैठकें हो चुकी हैं। नतीजा जहां का तहां है। अब तीसरी बार नए दौर की बैठक बुधवार को इस्तांबुल में होने जा रही है। नतीजा क्या होगा ये कोई नहीं जानता। यह वार्ता इस्तांबुल में पहले हुई दो दौर की बैठकों के बाद हो रही है। बता दें कि दोनों ही बैठकों में युद्ध खत्म करने को लेकर कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को अपने संबोधन के दौरान यह जानकारी दी थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि आज मैंने यूक्रेनी सुरक्षा परिषद प्रमुख] रुसतेम उमेरोव के साथ कैदियों की अदला-बदली और रूस के साथ तुर्की में होने वाली आगामी बैठक की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उमेरोव ने बताया कि यह बैठक बुधवार को प्रस्तावित है।

बता दें इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन क अल्टीमेटम दिया था कि यूक्रेन के साथ वो युद्धविराम कर लें। हालांकि रूस की ओर से जवाब आया था कि उन्हें धमकियों की परवाह नहीं है। किसी तरह पुतिन शांतिवार्ता के लिए तैयार तो हैं लेकिन उन्होंने पहले ही साफ कर दिया है - हम इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं लेकिन अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेंगे। हालांकि रूस की मीडिया ने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से दावा किया है कि यह वार्ता गुरुवार को आयोजित की जाएगी। इससे पहले सोमवार को क्रेमलिन ने पुष्टि की कि एक और दौर की वार्ता की योजना बनाई जा रही है, लेकिन अभी सटीक तारीखों की सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है।

जेलेंस्की ने वार्ता का प्रस्ताव शनिवार को रखा था, जब रूस के हवाई हमलों से एक बार फिर यूक्रेन के कई हिस्सों में तबाही मची थी। इसके बाद ही क्रेमलिन ने उम्मीदों पर लगाम लगाते हुए कहा कि 'इस वार्ता से पहले अभी भी बहुत सारा कूटनीतिक कार्य बाकी है। जहां यह वार्ता रूस-यूक्रेन संघर्ष में संभावित समाधान की एक नई उम्मीद के रूप में देखी जा रही है, वहीं रूस का रुख बता रहा है कि वो किसी सकारात्मक निर्णय की ओर जाने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं ले रहा है। वो बात अलग है कि वार्ता से पहले ही पश्चिमी देशों ने रूस को और अधिक प्रतिबंधों की धमकी दे रखी है।

थॉमस बैरक का बेरूत दौरा..लेबनान की संप्रभुता तथा शांति प्रक्रिया को लेकर दिया बयान

वाशिंगटन। अमेरिकी विशेष दूत थॉमस बैरक ने बेरूत का दौरा किया और लेबनान की संप्रभुता तथा शांति प्रक्रिया को बनाए रखने में अमेरिका के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका इजरायल को किसी बात के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बैरक ने कहा कि अमेरिका की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वह इजरायल को बाध्य करे, लेकिन वह अपने कूटनीतिक प्रयासों से संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बैरक ने स्वीकार किया कि लेबनान और इजरायल के बीच हुआ सीजफायर समझौता प्रभावी नहीं हो पाया, और इसकी विफलता के कारणों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास जारी हैं। बैरक ने कहा कि हिजबुल्लाह का निरस्त्रीकरण पूरी तरह से एक आंतरिक मामला है, लेकिन वॉशिंगटन इस दिशा में लेबनानी सरकार के साथ काम करने को तैयार है। लेबनान का ज्ञापन- लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी राजदूत को एक मसौदा ज्ञापन सौंपा, जिसमें 27 नवंबर 2024 से इजरायल के साथ प्रभावी हुए युद्धविराम के बाद लेबनान की प्रतिबद्धताओं का विवरण दिया गया है। इसमें लेबनान की पूरी भू–भाग पर राज्य की संप्रभुता लागू करने और हथियारों के स्वामित्व को केवल लेबनानी सेना तक सीमित रखने की मंशा दोहराई गई है। अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के बावजूद, इजरायली सेना ने समय–समय पर लेबनान में हमले किए हैं, यह दावा करते हुए कि ये हमले हिजबुल्लाह के खतरों को खत्म करने के लिए किए गए। इजरायल ने 18 फरवरी तक पूरी तरह वापसी की समय–सीमा के बावजूद लेबनानी सीमा क्षेत्र में पांच प्रमुख ठिकानों पर अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है।

बड़ी चाल की आहट: अगस्त में हर बार बीजिंग से गायब हो जाते शी जिनपिंग?

बीजिंग (एजेंसी)। हर साल अगस्त महीने में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग राजधानी बीजिंग से गायब हो जाते हैं। इस वार भी वे गायब होने वाले हैं।माना जा रहा है कि वो समुद्री रिसॉर्ट बेदाईहे में पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। लेकिन अंतरराष्ट्रीय हलकों में उनके हर साल के इस तरह गायब हो जाने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाती हैं, क्या ये एक सामान्य परंपरा है, या उनकी सत्ता पर खतरे की आहट? बीजिंग से करीब तीन घंटे की दूरी पर स्थित बेदाईहे, सिर्फ छुट्टियां मनाने की जगह नहीं, चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियां यहां तय होती हैं। माओत्से तुंग के समय से ही पार्टी के शीर्ष नेता यहां हर गर्मी में जुटते हैं। लेकिन इस बार माहौल अलग है।

हर साल अगस्त में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता बेदाईहे रिट्रीट में सीक्रेट समर मीटिंग में जाते हैं, लेकिन इस बार बहुत कुछ अलग है। ताइवान के साथ तनाव चरम पर है तो अमेरिका से निपटना भी है। घर में बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर है। रियल स्टेट ढहने की कगार पर है। ऐसी हालत में राष्ट्रपति का अचानक ओझल हो जाना असामान्य माना जा रहा है। 2023 में भी इसी समय शी अचानक सार्वजनिक मंचों से दूर हुए थे, जिसके कुछ ही हफ्तों बाद चीन ने अपने रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को बर्खास्त कर दिया था। इस बार भी कोई पलटवार तो नहीं? 2025 में चीन घरेलू आर्थिक संकट, युवाओं में बेरोजगारी, संपत्ति बाजार की गिरावट और वैश्विक दबावों का सामना कर रहा है। इसके साथ ही, शी जिनपिंग के करीबी सहयोगियों के हटाए जाने या गायब होने की खबरों ने भी हलचल मचा दी है। पिछले वर्ष पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग और रक्षा मंत्री ली शांगफु को अचानक पदों से हटाना और उनकी लंबी चुप्पी ने यह सवाल खड़ा कर दिया था कि पार्टी के भीतर कुछ उथल-पुथल चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, शी, जिन्होंने 2022 में तीसरा कार्यकाल लेकर खुद को सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित किया है, अब शायद फंसते दिख रहे हैं।

ईरान के अड़ियल तेवर पर भड़का अमेरिका, ट्रंप ने कहा- जरुरत पड़ी तो करेंगे हमला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के अड़ियल तेवरों से अमेरिका काफी खफा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि ईरान का रवैया नहीं सुधरा और जरुरत पड़ी तो हमला करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ईरान दोबारा परमाणु हथियार बना रहा है और उन्होंने भविष्य में ईरान पर और हमलों की धमकी दी है। अमेरिका पहले ही 21 जून को ईरान के प्रमुख न्यूक्लियर सेंटर्स को अपने सबसे घातक बंकर बर्स्टर बम से निशाना बना चुका है, जिससे ईरान के परमाणु हथियार बनाने की मंशा को तगड़ा झटका लगा था। इसके एक महीने बाद एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को ये धमकी दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण न करे, क्योंकि उनके अनुसार हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों ने ईरान की साइट्स को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री ने एक कार्यक्रम में ये बात कही थी कि फिलहाल परमाणु कार्यक्रम को इसलिए रोका गया है क्योंकि नुकसान बेहद गंभीर है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि संवर्धन कार्यक्रम को नहीं छोड़ सकते क्योंकि यह हमारे अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धि है। उन्होंने इसे ईरान के राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा। डोनाल्ड ट्रंप का ये बयान तब दिया है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने माना कि अमेरिका के जून में किए गए सैन्य हमलों से ईरान की परमाणु सुविधाएं बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं और यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह से रुक गया है। हालांकि इसके साथ ही अराघची ने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो ईरान इसे फिर से करेगा।

ईरान के विदेश मंत्री के इस बयान के बाद भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा- ईरान के विदेश मंत्री, अब्बास अराघची, ईरान के परमाणु स्थलों पर कहा कि 'नुकसान बहुत ज्यादा है, वे नष्ट हो गए हैं' बिल्कुल वैसा ही, जैसा मैंने कहा था और जरूरत पड़ने पर हम फिर से ऐसा करेंगे!

ट्रंप के करीबी की चेतावनी : भारत, चीन और ब्राजील पर इतने टैरिफ लगाएंगे कि इकोनॉमी क्रैश हो जाएगी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और प्रभावशाली सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भारत, चीन और ब्राजील को रूस के साथ व्यापारिक संबंधों को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर इन देशों ने रूस से तेल की खरीद बंद नहीं की, तो अमेरिका भारी टैरिफ लगाकर इनकी अर्थव्यवस्थाओं को तबाह कर देगा। एक इंटरव्यू के दौरान सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, कि अगर आप रूस से सस्ता तेल खरीदते रहेंगे, तो यह युद्ध कभी नहीं रुकेगा। हम आप पर इतना टैरिफ लगाएंगे कि आपकी इकोनॉमी क्रैश हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप प्रशासन इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि रूस से तेल आयात करने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। ग्राहम ने यह भी कहा कि भारत, चीन और ब्राजील रूस से करीब 80फीसदी तेल आयात कर रहे हैं, जिससे पुतिन को यूक्रेन युद्ध में आर्थिक मदद मिल रही है। उन्होंने इन देशों पर यह आरोप भी लगाया कि इनकी वजह से यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच रहा है।

पुतिन पर तीखा हमला– ग्राहम ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी जमकर लताड़ा। उन्होंने कहा, कि पुतिन उन देशों पर कब्जा करना चाहते हैं जिन पर उनका कोई अधिकार नहीं। उन्होंने यूक्रेन के साथ किया गया वादा तोड़ा, जिसके तहत यूक्रेन ने 1700 परमाणु हथियार त्याग दिए थे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अमेरिका यूक्रेन को इतने हथियार देगा कि वह मजबूती से पुतिन का मुकाबला कर सके। ग्राहम की यह चेतावनी आर्थिक दबाव के जरिए कूटनीतिक दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है। हालांकि भारत सहित कई देश इसे राष्ट्रीय हित का मामला मानते हैं और ऐसे अमेरिकी रुख को एकतरफा और दबाव की राजनीति कह सकते हैं। आने वाले समय में यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अहम भूमिका निभा सकता है।

पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता का दुरुपयोग: कश्मीर और ओआईसी का एजेंडा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मिलने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छवि चमकाने और भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ने में लगा है। इसके तहत पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को नए सिरे से उठाने की तैयारी में है, साथ ही मुस्लिम देशों के संगठन (ओआईसी) को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर मजबूत करने की भी कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है। इसी हफ्ते पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय खुली बहस होने वाली है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों के शांतिपूर्ण समाधान पर चर्चा होगी। इस दौरान पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाने की तैयारी में है। 1 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने बयान जारी कर कश्मीर विवाद का हल ढूंढने की बात कही थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पाकिस्तान के इस कदम का मजबूती से जवाब देगा।

इसके अलावा, पाकिस्तान एक और मुहिम में लगा हुआ है, जिसके तहत वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) को संयुक्त राष्ट्र में मजबूत करना चाहता है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री डार की अध्यक्षता में होने वाली एक अन्य बैठक में ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी पर चर्चा होगी। ओआईसी , जिसकी स्थापना 1969 में हुई थी और जिसमें 57 सदस्य देश हैं, कश्मीर मुद्दे पर लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी करता रहा है, खासकर 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद।

भारत ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र के बीच इस तरह की साझेदारी को लेकर सहज नहीं है, क्योंकि ओआईसी का भारत के प्रति पूर्व का रवैया ठीक नहीं रहा है। माना जा रहा है कि भारत सुरक्षा परिषद में इस मुद्दे को उठाएगा। नवंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ओआईसी के साथ अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, मानवाधिकार, आतंकवाद विरोधी और मानवीय मुद्दों पर सहयोग का संकल्प लिया था।

मुल्ला मुनीर की पाकिस्तानी राजनीति में बढ़ती सक्रियता... भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में इन दिनों जनरल असीम मुनीर के सेना प्रमुख के रूप में बढ़ते दबदबे और संभावित राजनीतिक हसरतों को लेकर अटकलें तेज़ हैं, जिससे भारत के लिए कुछ चिंताएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल में पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट होना कोई नई बात नहीं है, और देश के इतिहास का लगभग आधा हिस्सा सैन्य शासन के अधीन रहा है। वर्तमान में, मुल्ला मुनीर के राजनीतिक नेतृत्व को दरकिनार कर फ्रंट सीट हथियाने की खबरें इन अटकलों को बढ़ावा दे रही हैं कि वहां सत्ता पर कब्जा कर सकते हैं।

हाल के दिनों में जनरल मुनीर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, जबकि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ अभी तक ट्रंप से नहीं मिल सके हैं। मुल्ला मुनीर अब प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के बिना ही श्रीलंका और इंडोनेशिया की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वे इन देशों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने वाले है। यह दिखाता हैं कि उन्हें पाकिस्तान में वास्तविक निर्णय लेने वाले नेतृत्व के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वहीं जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर उन्हें जेल में कुछ होता है, तब इसके लिए जनरल मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

बात दें कि मुनीर हाल ही में फील्ड मार्शल बने हैं, जो पाकिस्तान के इतिहास में अयूब खान के बाद इस पद को पाने वाले दूसरे सैन्य प्रमुख हैं। अयूब खान देश के पहले तानाशाह बने थे, जिससे मुनीर के अगले अयूब खान बनने की चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। इस घटनाक्रम के बीच प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने चुप्पी तोड़कर कहा है कि जनरल मुनीर की राष्ट्रपति बनने की कोई योजना या इच्छा नहीं है। हालाँकि, पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए इस बयान पर कितना भरोसा किया जा सकता है, यह एक सवाल है। पाकिस्तान में हर दिन बदलते हालातों के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान प्रधानमंत्री शरीफ को नहीं, बल्कि मुनीर से ही पीछे हटने के लिए कहा था, जो दर्शाता है कि अमेरिका भी पाकिस्तान में उन्हें अहम मानता है।

भारत के लिए चिंता का कारण

अगर पाकिस्तान में सैन्य शासन प्रभावी होता है या सेना का दबदबा बढ़ता है, तब यह भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। सैन्य-प्रभुत्व वाला पाकिस्तान आमतौर पर भारत के लिए अच्छी खबर नहीं होती है, क्योंकि सैन्य नेतृत्व अक्सर भारत के प्रति अधिक आक्रामक रुख अपनाता है। क्योंकि जनरल मुनीर को ही पहलगाम आतंकी हमले के पीछे का मास्टरमाइंड माना जाता है।

नॉर्डिक द्वीप की अंदरुनी हलचलों से लगातार होता है ज्वालामुखी विस्फोट

लंदन (एजेंसी)। उत्तर अटलांटिक में बसा नॉर्डिक द्वीप देश लगातार ज्वालामुखी विस्फोटों का गवाह बनता आ रहा है। इसका कारण इसकी अनोखी भौगोलिक स्थिति है। आइसलैंड को अक्सर 'आग और बर्फ की भूमि' कहा जाता है। यह नाम इसके ज्वालामुखी गतिविधियों से पूरी तरह मेल खाता है। आइसलैंड मध्य-अटलांटिक रिज पर स्थित है, जहां दो बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें उत्तरी अमेरिकी और यूरेशियन लगातार एक-दूसरे से दूर खिसक रही हैं। इस डायवर्जेंट प्लेट बॉउंड्री की वजह से पृथ्वी के अंदर का मैग्मा सतह की ओर उठता है और नई पपड़ी बनाता है। इसी प्रक्रिया के चलते यहां बार-बार ज्वालामुखी फटते हैं।

हाल ही में रेक्जेनेस प्रायद्वीप पर ऐसा ही एक विस्फोट हुआ, जो 2021 से अब तक का 12वां विस्फोट है। यह विस्फोट सुबह 3¬54 बजे हुआ, जब मैग्मा ने धरती की पपड़ी को चीरते हुए 700 से 1,000 मीटर लंबी दरार बना दी, जिससे लावा बाहर निकलने लगा। हालांकि यह अपेक्षाकृत छोटा विस्फोट था और इससे किसी बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं हुआ। आइसलैंड के ज्वालामुखी विस्फोटों की एक और प्रमुख वजह इसका एक स्थायी हॉटस्पॉट पर स्थित होना है। यह हॉटस्पॉट पृथ्वी के भीतर मेंटल का एक गर्म भाग है जो ऊपर की ओर उठता है। जब टेक्टोनिक प्लेटें इसके ऊपर से गुजरती हैं तो ज्वालामुखियों की श्रृंखलाएं बनती हैं। आइसलैंड में यह हॉटस्पॉट और टेक्टोनिक गतिविधि मिलकर विस्फोटों की तीव्रता और आवृत्ति दोनों बढ़ा देते हैं।

इसके अलावा, आइसलैंड की सतह पर मौजूद ग्लेशियर भी एक अहम भूमिका निभाते हैं। जब ज्वालामुखी बर्फ के नीचे फटते हैं तो गर्म लावा और ठंडी बर्फ की टक्कर से बेहद खतरनाक विस्फोट होते हैं। इससे राख, गैस और पिघली बर्फ से बनी विनाशकारी बाढ़ यानी 'जोकुलहाप्स' उत्पन्न हो सकती है। इतिहास की बात करें तो आइसलैंड में 9वीं शताब्दी से ज्वालामुखी गतिविधियां रिकॉर्ड की जा रही हैं। 1783 का लाकी विस्फोट और 2010 का एजफ्याल्लाजोकुल विस्फोट न केवल देश पर बल्कि पूरे यूरोप और वैश्विक हवाई यातायात पर असर डाल चुके हैं।

खास बात यह है कि रेक्जेनेस प्रायद्वीप लगभग 800 वर्षों तक शांत था, लेकिन 2021 से यहां फिर से गतिविधि शुरू हो गई है। दिसंबर 2023 के बाद से यह नौवां विस्फोट हो चुका है, जिनमें से अधिकांश एक जैसे पैटर्न पर हुए हैं भूकंपीय झटके, मैग्मा का ऊपर उठना, दरार का खुलना और चमकते लावे का प्रवाह। इन प्राकृतिक घटनाओं के अपने खतरे हैं, जैसे हवाई उड़ानों पर असर

और बुनियादी ढांचे को नुकसान, लेकिन यह आइसलैंड के लिए अवसर भी लेकर आते हैं। भूमिगत गर्मी से जियोथर्मल ऊर्जा का दोहन यहां बड़े पैमाने पर होता है, जिससे देश की लगभग 25प्रतिशत बिजली और 90 प्रतिशत घरों की हीटिंग जरूरतें पूरी होती हैं।

सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश की नदियों को मिल रहा पुनर्जीवन

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 22 जुलाई। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भूली–बिसरी नदियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। वर्षों से सूखी, गाद से भरी और अतिक्रमण की शिकार नदियां अब फिर से लबालब बहने लगी हैं। यह परिवर्तन सिर्फ नदियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे हरियाली, पर्यावरण और ग्रामीणों की खुशहाली का नया दौर शुरू हुआ है। प्रदेश की 82 नदियों के किनारे अब तक दो करोड़ 14 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है।पर्यावरण, स्वच्छता और जल संरक्षण की दिशा में यह ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। नदी किनारे पौधरोपण में जालौन जिला पहले स्थान पर है, जहां 31 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। 24 लाख से अधिक पौधे नदी किनारे रोपकर झांसी जिला दूसरे स्थान, जबकि हमीरपुर नदी किनारे पौधरोपण में तीसरे स्थान पर रहा, जहां 16 लाख से अधिक पौधे रोपे गए। पौधरोपण का यह महा अभियान तीव्र गति से लगातार चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देशों के तहत हर जिले में छोटी नदियों का कायाकल्प युद्धस्तर पर किया जा रहा है। यह कार्य राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की सक्रियता से संभव हो पाया है। मनरेगा योजना के तहत

नदियों से जुड़े तालाबों की खुदाई भी कराई जा रही है। वन विभाग के सहयोग से जिला गंगा समितियों द्वारा नदियों के दोनों किनारों पर बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है। नदी पुनर्जीवन का यह बदलाव केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जन सहयोग, राजनीतिक संकल्प और प्रशासनिक तत्परता के सामूहिक समन्वय से संभव हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और जनभावनाओं के अनुरूप योजनाएं अब धरातल पर साकार हो रही हैं। नदियों के पुनर्जीवन से जहां हरियाली बढ़ी है, वहीं किसानों के खेतों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल भी मिलने लगा है। इससे कृषि उत्पादन में इजाफा हुआ है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार आया है। इसके साथ ही नदियों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर भी सुधरा है। यह अभियान न केवल नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य की नींव रखने जैसा है। इस प्रकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नदियों के पुनरुद्धार का यह महाअभियान उत्तर प्रदेश को एक बार फिर %हरित प्रदेश% की ओर अग्रसर कर रहा है। यह पर्यावरणीय जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान की मिसाल बनता जा रहा है। गंगा, यमुना, गोमती, सरयू, तमसा, मंदाकिनी, राप्ती, बेतवा, घाघरा समेत छोटी बड़ी कुल 82 नदियों के किनारे पौधरोपण किया जा रहा है। इनमें हर जिले में एक-एक पुनर्जीवित की जा रही ईशन, नून, पीली नदी आदि नदियां भी शामिल हैं।

धामी ने सचिवालय में आयोजित उद्योग विभाग की गेमचेंजर योजनाओं की समीक्षा की

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित उद्योग विभाग की गेमचेंजर योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त निवेश प्रस्तावों की ग्राउंडिंग की दिशा में और अधिक तेजी से कार्य किया जाय। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में निवेश को बढावा देने के लिए निवेशकों की सुविधाओं और सहूलियतों का पूरा ध्यान रखा जाय। मुख्यमंत्री ने उच्चाधिकारियों को राज्य में निवेश करने वाले शीर्ष पचास निवेशकों से व्यक्तिगत रूप से नियमित संपर्क बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि निवेशकों की सुविधा हेतु निवेश मित्रों की तैनाती की जाय। मुख्यमंत्री ने ई? ऑफ डूइंग बि?नेस, उद्यम रजिस्ट्रेशन से लेकर जमीन आवंटन तक की प्रक्रिया की निरंतर मॉनिटरिंग करने तथा सिंगल विंडो सिस्टम को अधिक सरल बनाने के निर्देश भी दिए । मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम स्वरोजगार योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या में और अधिक वृद्धि की जाय। राज्य में यह योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इस योजना से अभी तक लगभग पैंतीस हजार लोग लाभान्वित हो चुके हैं। राज्य में लाई गई सभी नई नीतियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ

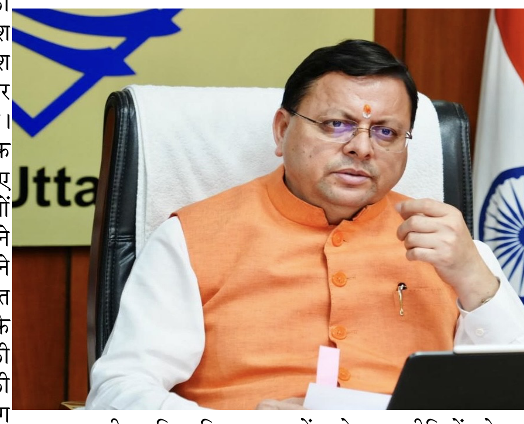

ही अधिकाधिक युवाओं को इन नीतियों से लाभान्वित करने का प्रयास किया जाय। एक्सपोर्ट पॉलिसी के तहत राज्य के उत्पादों को बढावा देने के साथ ही निर्यात से जु? लोगों को भी प्रोत्साहन दिया जाय। मुख्यमंत्री ने पर्वतीय जिलों में हैंडलूम, होमस्टे और एग्रो-बेस्ड लघु उद्योगों को प्राथमिकता देने के साथ ही स्टार्टअप पॉलिसी को उद्योग विभाग के साथ जो?कर यूथ इनक्यूबेशन सेंटर खोले जाने के भी निर्देश दिए। बैठक में सचिव उद्योग श्री विनय शंकर पाण्डेय ने बताया कि अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रीयल कॉरीडोर के तहत खुरपिया फार्म में 1002 एक? क्षेत्रफल में विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाओं से युक्त इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग कलस्टर के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन के लिए एसपीवी का गठन हो चुका है। 1265 करो? रूपये की लागत की इस परियोजना के बन जाने से लगभग 22 हजार लोगों को रोजगार मिल सकेगा। इस परियोजना के लिए केन्द्र सरकार के द्वारा रू. 207 करो? की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। उद्यमिता को बढावा देने के लिए हरिद्वार में 280 यूनिट्स, पंतनगर में 18 यूनिट्स और सेलाकुई में 12 यूनिट्स की क्षमता वाली फ्लैटेड फैक्टरी निर्माण का कार्य प्रगति पर है। बैठक में अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष श्री विश्वास डाबर, मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, श्री आर.मीनाक्षी सुंदरम एवं उद्योग विभाग के

ब्रजवासियों को बेघर करने के विरोध में श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. ए. पी. सिंह करेंगे सर्वोच्च न्यायालय में ब्रजवासियों की ओर से पक्ष प्रस्तुत विगत दिनों माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के आधार पर वृंदावन में स्थित श्री बांके बिहारी जी मंदिर कॉरिडोर के पुनर्निर्माण की अनुमति दी गई थी जिसको अब 100 के करीब ब्रज वासियों ने सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वरिष्ठ वकील डॉ. ए पी सिंह जी के द्वारा पुनर्विचार याचिका के माध्यम से चुनौती दी है। जाने माने वरिष्ठ वकील डॉ. सिंह ने राधा कृष्ण भवन, ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर, श्री धाम वृंदावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के अनुपालन में जो कार्यवाही की जा रही है, उससे वृंदावन की प्राचीन कुंज गलियों को ध्वस्त कर वहाँ पीढ़ियों से रह रहे ब्रजवासियों को जबरन बेघर किया जा रहा है। वरिष्ठ वकील डॉ. ए पी सिंह ने कहा कि इस निर्माण कार्य के क्रियान्वयन में संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत नागरिकों को प्राप्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार और धार्मिक संस्थाओं के स्वशासन के अधिकारों का खुलेआम स्पष्ट रूप से उल्लंघन हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर प्रतिपादित Essential Religious Practices Doctrine के अनुसार, यदि कोई परंपरा किसी धर्म की अनिवार्य धार्मिक प्रथा का हिस्सा है, तो उसे छेड़ना संविधान विरोधी गंभीर कृत्य माना जाएगा। बिहारी जी कॉरिडोर मंदिर अधिग्रहण के विरोध में 100 के करीब स्थानीय बृजवासियों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई है इसी के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं के सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वरिष्ठ वकील डॉ. ए पी सिंह जी ने श्री धाम वृंदावन आगमन पर आज मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश

सरकार को चेताया इस याचिका की विधिक पैरवी देश के प्रख्यात अधिवक्ता डॉ. ए. पी. सिंह द्वारा की जाएगी, जो पूर्व में भी कई संवेदनशील एवं जनहित के प्रकरणों में राष्ट्र की आवाज बन चुके हैं। याचिकाकर्ता पंडित सोहन लाल मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि यह वही कुंज गलियाँ हैं जो श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की साक्षी रही हैं। नारायणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य रामानुज मनीष भारद्वाज एवं रुक्मणी रमन गोस्वामी ने अपने संयुक्त संबोधन में कहा कि श्री धाम वृंदावन की यह गलियाँ केवल ईंट-पत्थर की नहीं, अपितु ब्रजधाम की आध्यात्मिक आत्मा हैं, जिनमें पीढ़ियों से रहने वाले ब्रजवासी निस्वार्थ भाव से श्री बांके बिहारी जी की सेवा करते आ रहे हैं। याचिकाकर्ता राकेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि इन गलियों ने मुग़ल काल में भी मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखा था। इस जनविरोधी कार्यवाही के विरोध में सैकड़ो ब्रजवासियों ने पंडित सोहन लाल मिश्र की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा पुनर्विचार याचिका के माध्यम से खटखटाया है। आज राधा कृष्ण भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में समस्त ब्रजवासी याचिकाकर्ता, सुप्रीम कोर्ट से गीता चौहान, एड. एचएन सिंह, पंडित प्रमोद दीक्षित, दीपक पाराशर, जिला प्रमुख, सुमित मिश्र, जिला महासचिव, किशोर मिश्र, गौतम जी, नारी शक्ति प्रमुख शीतल आचार्य, नारी शक्ति महासचिव, डॉ. जमुना शर्मा, धर्मवीर सिंह सहित अनेक धार्मिक और सामाजिक संगठनो के पदाधिकारी भी शामिल हुए। पत्रकार वार्ता में शामिल हुए अन्य वक्ताओं ने भी संयुक्त रूप से अपनी मांगों में कहा कि निर्माण कार्यों में ब्रज की आत्मा को सुरक्षित रखा जाए। कुंज गलियों का विध्वंस रोका जाए। ब्रजवासियों का पुनर्वास नहीं, उनका मूल अधिकार और संस्कृति बहाल की जाए। संविधान में निहित धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए।

नपा की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार रादौर प्रदेश में नौवें स्थान पर

रादौर/यमुनानगर, 22 जुलाई- रादौर के एसडीएम नरेन्द्र कुमार ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में कड़ी मेहनत करने पर सफाई शाखा के कर्मचारियों और सफाई मित्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य में और बेहतर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका रादौर का लक्ष्य लगातार देश में सबसे स्वच्छ शहरों में शीर्ष स्थान हासिल करना है। इसके लिए हमें और मेहनत व लगन से कार्य करने की आवश्यकता है। एसडीएम ने बताया कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जारी किए गए स्वच्छ सर्वेक्षण परिणाम में रादौर नगरपालिका को प्रदेश में नौवां व राष्ट्रीय स्तर पर 324वां रैंक हासिल हुआ है, जबकि गत वर्ष यह रैंक प्रदेश में 171 और राष्ट्रीय स्तर पर 1789 था। कस्बे की स्वच्छता स्थिति में हुए सुधार पर नपा पार्षदों व कस्बे के लोगों ने खुशी जाहिर की है। साथ ही उम्मीद जताई है कि भविष्य में यह रैंक पहले तीन स्थानों में शामिल होगा। नपा चेयरमैन रजनीश मेहता ने बताया कि उनका प्रयास है कि भविष्य में इस रैंकिंग में और सुधार हो सके। जिसके लिए वह निरंतर कस्बे की सफाई व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करेंगे। कस्बे की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए नपा रादौर जल्द ही खुद की मशीन की खरीद करने जा रही है। नगर पालिका के सचिव सुरेंद्र मलिक ने बताया कि शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से हर वर्ष आबादी के आधार पर स्वच्छता सर्वेक्षण करवाया जाता है। जिसके आधार पर रैंकिंग दी जाती है। इस सर्वेक्षण में कस्बे की सफाई व्यवस्था, सभी घरों में शौचालय, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति व कचरा निपटान की स्थिति का आंकलन किया जाता है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी

यमुनानगर, 22 जुलाई- जिलाधीश पार्थ गुप्ता ने बताया कि नदी, नहर व तालाबों में नहाते समय डूबने से प्रतिवर्ष कई व्यक्तियों विशेषतौर पर युवाओं व बच्चों की मृत्यु हो जाती है। विशेष तौर पर गर्मी व बरसात के मौसम में नदी, नहर व तालाबों में नहाने वालों की संख्या अधिक बढ़ जाती है जिससे प्रशासन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

NAME CHANGE
I, AMARJEET S/O JAGJOT SINGH R/O H.No-51,SHYAM ENCLAVE,DINDAR PUR, NAJAFGARH,DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO AMARJEET SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, RENU DEVI W/O SUPAN PRAKASH DAGAR R/O H.NO-285,POLE NO-56/D, BHAJAN THOLA, MALIK PUR, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110073, HAVE CHANGED MY NAME TO RENU DAGAR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, HEENA HANS W/O VISHAL HANS R/O NO 431 SECTOR 15 ESCORTS NAGAR FARIDABAD HARAYANA 121007 I HAVE CHANGED MY NAME TO HEENA TANEJA

NAME CHANGE
It is for general information that I MANPREET KAUR SANDHU alias MANPREET KAUR RAJDEEP SINGH SANDHU D/o RAJDEEP SINGH SANDHU and Ex. Wife of RAJEESH TS, R/o Flat No. 2151, Tower Eternia Mahagun Moderne, Sector 78, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301 declare that I got divorce from my husband Vide Court Decree Case No. HMA/306/2023 dated 16.11.2023. Further, I have changed the name of mine MANPREET KAUR SANDHU alias MANPREET KAUR RAJDEEP SINGH SANDHU and my minor Son namely EKLAVYA RAJEESH aged 10 years and minor Daughter namely SAMAIRA RAJEESH aged 6 Years. We shall hereafter be known as MANPREET KAUR SANDHU, ARJUN SANDHU and SAMAIRA SANDHU respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No. 15671273W Rank- HAV Name RENJITH M UNNITHAN, S/o P S MURALEEDHARAN UNNITHAN R/o MURUKALAYAM (HOUSE), VILL-CHERIYANAD PO-CHENGANNUR, ALAPPUZHA, KERALA, PIN-689511 have changed my minor daughter's name from NETRA RENJITH to NETHRA RENJITH for all future purposes. Vide Affidavit Dated 22/07/2025 Before Notary Public New Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Gayatri Kumari & Mr. Vijay Kumar Singh** is purchasing the Property Bearing No.A-115, area measuring 50 sq. yards i.e.41.8 sq. meters, Carved out of Khasra No.236, Situated at Village-Bindapur, Colony Known as Jeewan Park, Block-A, Uttam Nagar, New Delhi-110059 from Mr. Naveen (For 40% Share), Mr. Lakhan (For 40% Share) & Mrs. Poonam (For 20% Share) who is the owner of the property vide GPA, ATS & WILL dated 20.03.2025and Intend to mortgage the said property with **SMFG India Home Finance Company Ltd..** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, ARVIND GUPTA S/O KALA RAM residing at H NO-224, GALI NO-7, PADAM NAGAR, KISHAN GANJ, DELHI-110007. have changed my name to ARVIND KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Kunal Bharti S/O Dharmendra Kumar Mishra, R/O E-206, Type-3, Thyagraj Nagar, VTC: Lodhi Road, PO-Lodhi Road, Sub District: New Delhi, District: Central Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110003, have changed my name and shall hereafter be known as KUNAL MISHRA.

NAME CHANGE
I, Pramod Kumar Jaiswal S/O Radhey Shyam Jaiswal R/o Plot No.53, Kh.No.125/13,Phase No.3, Swarn Park, Mundka, Delhi-110041, have changed my name to Pramod Kumar permanently.

NAME CHANGE
I, Shadaf Mirza W/O Intazar Ali R/o House No.469, Block P-4, Sultan Puri, Delhi-110086, have changed my name to Sh1adaf permanently.

NAME CHANGE
I, Ashok s/o Subhash Chander R/O C-3/33, 1st Floor, Janak Puri, Delhi-110058, have changed my name to Ashok Sharma permanently.

NAME CHANGE
I, B D BHARDWAJ (Old D.O.B-06.05.1956) have changed my name & dob BISHNI DEVI (07.03.1955).I, VINOD KUMAR BHARDWAJ have changed my name VINOD BHARDWAJ.I, VISHAL KUMAR (Old D.O.B-08.04.1983) have changed my name & dob SUDARSHAN BHARDWAJ (08.04.1984).I, POONAM have changed my name DIMPAL KUMARI.We all are family members and are W/S/D of Bhim Sen Bhardwaj & all R/o- Vill-Singhwin, P.O.-Pathiliar,Teh-Barsar,Dist. Hamirpur,H.P. -174305. And all changes done for all purposes.

NAME CHANGE
I, LAKSHMI DEVI Mother of No. 15677588W Rank-HAV Name-KAMAL SINGH Presently residing at VILL-KHALILPURI (179), PO-MAJRA SHEORAJ, TEH+DIST-REWARI, HARYANA-123401, have changed my name from LAKSHMI DEVI to LAKSHMI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/05/1959 vide Affidavit dated 22/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Priyanka Devi W/o Dilip Kumar Yadav R/o T 26- 1505, 15th Floor, Tower-26, Nirala Estate Pvt. Ltd., Techzone -4, Phase-2, Bishrakh, PO: I.a. Surajpur Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201306 have changed the name of my minor Son Xerxes Yadav aged 13 years and he shall hereafter be known as ANANT YADAV.

NAME CHANGE
I hitherto known as Kritika Sharma D/O Hriday Narayan Sharma R/O D-12/6, Shiv Shakti Apartment, Sector-71, Janta Flat, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Kritteka Sharma.

NAME CHANGE
I hitherto known as Khushi D/O Manveer Singh R/O Budh Nagar, Loni Dehat, PO Loni, Dist Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavana.

NAME CHANGE
I hitherto known as NIZAM KHAN Alias WASIM KHAN S/O MD SAFI R/O HOUSE NO. 105, 2ND FLOOR, E-BLOCK, SECTOR-72, CHHAJRASI, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201307, have changed my name and shall hereafter be known as WASIM KHAN.

NAME CHANGE
I, SURAJ KUMAR PANT S/o LATE JAI DUTT PANT, R/o House No. E-178, 20 Foota Road, West Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi-110094, have changed the name of my minor son SAUMYA PANT aged 15 years and he shall hereafter be known as SAUMMY PANT, for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती कमला और श्री देश राज, निवासी मकान नंबर 25, मंडी रोड, तुलसी होम, जवाहर कॉलोनी, मांडी, नई दिल्ली-110047, अपने बेटे ओम प्रकाश और बहू श्रीमती सोनिया को अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, व अपने सभी सबंध उनके गलत आचरण, गलत व्यवहार व आज्ञाहीन होने के कारण समाप्त कर दिये है, यदि कोई भी व्यक्ति उनके साथ किसी भी प्रकार का कोई भी व्यवहार या लेन देन करता है, तो मेरे उपरोक्त मुवक्किल की किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं होगी, वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा ।
VINOD YADAV Advocate
LL.M, D/1449/06
Ch. No. 606, Lawyers' Chamber Block
Saket Courts Complex
New Delhi-110017
M : 9999561580
Email: advocatevinodyadav@gmail.com

NAME CHANGE
I, MOHD ASHFAQUE KHAN S/O MD TAYAB KAHN residing at D-51/2, FIRST FLOOR, ABUL FAZAL ENCLACE-PART-2, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR DELHI 110053. have changed my name to ASHFAQUE KHAN for all future purposes

NAME CHANGE
I, Ramesh Kumar, S/O Amrit Lal R/O B-319 Nehru Vihar, Civil Lines, North Delhi, Delhi-110054, Have change the name of my minor son namely Aditya aged 13 years and he shall hereafter be known as Aditya Kumar.

NAME CHANGE
I hitherto known as Taro Devi alias Tara Rani D/O Karta Ram W/O: Sunehra Singh,R/O C-A/6A, Block - C-A, Bhagwati Garden Extn., Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, have changed my name and shall hereafter be known asTARO DEVI.

NAME CHANGE
I SEEMA W/O RAMESH KUMAR GROVER H NO-8226/5 1ST FLOOR MULTANI DHANDA PAHAR GANJ SWAMI RAM TIRTH NAGAR NEW DELHI CENTRAL DELHI 110055 Have changed my name to SIMMI RANI

NAME CHANGE
I RAMESH GROVER S/O PARMA NAND GROVER H NO-822/6 5, MULTANI DHANDA PAHAR GANJ SWAMI RAM TIRTH NAGAR NEW DELHI CENTRAL DELHI 110055 Have changed my name to RAMESH KUMAR GROVER

NAME CHANGE
I RAVI BHAT S/O NATH JI BHAT 14-C POCKET-B, MAYUR VIHAR PHASE II, PATPAR GANJ, EAST DELHI, DELHI 110091 Have changed my name to RAVI JI BHAT

NAME CHANGE
I USHA W/O RAVI JI BHAT 14-C POCKET-B, MAYUR VIHAR PHASE II, PATPAR GANJ, EAST DELHI, DELHI 110091 Have changed my name to USHA KOUL BHAT

NAME CHANGE
I GAURA TIWARI W/O NARENDRA TIWARI R/O A-62 KALADHAM KNOWLEDGE PARK-II, GREATER NOIDA,UTTAR PRADESH-201308 HAVE CHANGE MY NAME TO GAURA MRINALINI TIWARI FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, Arjun Kumar s/o Sanjay Kumar R/O H.No.287, Block No.17, Trilok Puri, Delhi-110091, have changed my name to Arjun Chauhan permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Jaga Ram S/O Kalu Ram, R/O H N-A-81, Metro Vihar Phase-1, Holambi Kalan, DIST: North West Delhi, Delhi-110082, declare that name of mine has been wrongly written as Jagga Ram in my minor son namely Mahesh aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is JAGA RAM, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Manan Singhal** is the owner of Built-up Land admeasuring 621.92 Sq. yards, out of khasra no. 513, situated at Village Sunpura, Pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. vide Sale Deed registered as doc. no. 56043, book no.1,vol. no. 25813 Page no. 211 to 222, on 26.12.2023, SRO- Dadri, Gautam Budh Nagar and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENT ,MS. NISHA YADAV , WIFE OF SUNIL KUMAR YADAV, RESIDING AT D-33,34, NIRMAL VIHAR, NANGLOI ROAD, NAJAFGARH, SOUTH WEST, DELHI, 110043, HEREBY DISOWNED HER SONS, MR. NEERAJ S/O SUNIL KUMAR, AGED 22 YRS AND MR. YATIN YADAV S/O SUNIL KUMAR , AGED 23 YRS DUE TO CONTINOUS MISCONDUCT, MISBEHAVIOR , AND UNACCEPTABLE ACTION SONS OF MY CLIENT, WHICH HAVE CAUSED IMMENSE MENTAL HARASSMENT , DISTURBANCE , AND DISRESPECT TO HER FAMILY. BEHAVIOR OF HER SONS HAS MADE IT IMPOSSIBLE TO MAINTAIN A PEACEFUL AND RESPECTFUL RELATIONSHIP, AND THEREFORE, SHE HAVE DECIDED TO DISOWN HER SONS FROM ALL HER MOVABLE AND IMMOVABLE ASSETS AND PROPERTIES. THEY SHALL HAVE NO RIGHTS, CLAIMS, OR CONNECTION WITH HER PROPERTIES IN FUTURE.ANYONE DEALING WITH THEM IN HER NAME SHALL DO SO AT HIS OWN RISK, AND MY CLIENT SHALL NOT BE HELD RESPONSIBLE FOR ANY OF THEIR ACTION OR OBLIGATIONS. THE GENERAL PUBLIC IS HEREBY WARNED NOT TO DEAL WITH THEM IN RESPECT OF ANY PROPERTY OR FINANCIAL MATTER IN NAME OF MY CLIENT. ANY PERSON DOING SO SHALL DO IT AT HIS OWN RISK AND COST.
PRADEEP YADAV, ADVOCATE
Chamber No.628, Lawer's Chamber Block, Dwarka District Courts, Dwarka, New Delhi-110075
Mob.: 8527065171

NAME CHANGE
I, Dalbir S/o Sh. Shamsher Singh R/o B-415, Dhansa Road, New Gopal Nagar, Najafgarh, South West Delhi, New Delhi-110043. have changed my name from Dalbir to Dalbir Singh for all purposes in future.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Shakti Arora D/O Gauri Shankar Ex Wife of Vikash Sharma R/O B-2 Kh-764/1, 764/2 ,Ist flr Wing -1, Royal View Appartment, Parul Gas Agency, Lal Dora Burari North Delhi, Delhi -110084, declare that I got divorce from my ex husband vide Court decree HMA No. 278/2024 dated 28.03.2024 Further I have changed the name of my minor Son namely Ved Prakash Sharma aged 13 years and he shall hereafter be known as Ved Prakash Arora

NAME CHANGE
I, No. 15787924A Rank-L/HAV Name-ZAREKAR ADINATH NAVNATH residing at ZAREKAR WASTI, DONGARGAN, AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-414601, have changed my father's name from ZAREKAR NAVNATH to NAVNATH APPADEV ZAREKAR for all future purposes vide Affidavit dated 22/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Roopesh S/O LALARAM GUPTA,R/O RZ CD-75A, GALI NO.13, NEAR SANT PUBLIC SCHOOL, MAHAVIR ENCLAVE, Dabri, PO: Palam Village, DIST: South West Delhi,Delhi - 110045 have changed the name of my minor son namely KANHA Gupta KANHA Gupta aged 8 years and he shall hereafter be known as his YUG GUPTA.

NAME CHANGE
I, RAJEEV KUMAR AGGARWAL S/o SHIV CHARAN AGGARWAL R/o HOUSE NO-5, KH NO-19/26, GALI NO-20, B-BLOCK, KAUSHIK ENCLAVE, BURARI, NORTH DELHI, DELHI-110084, have changed my name from RAJEEV KUMAR AGGARWAL to RAJEEV AGGARWAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MEENAKSHI AGRAWAL W/o RAJEEV AGGARWAL R/o HOUSE NO-5, KH NO-19/26, GALI NO-20, B-BLOCK, KAUSHIK ENCLAVE, BURARI, NORTH DELHI, DELHI-110084, have changed my name from MEENAKSHI AGRAWAL to MEENAKSHI AGGARWAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No-13999480L Rank-HAV/PTR Name-BIJU G Presently residing at THUNDU THARAYIL, EDAKKUNNAM, CHARUMMOOD PO, NOORNAD, ALAPPUZHA, KERALA-690505, have changed my father's name from GANGADHARAN to GANGADHARAN C K for all future purposes vide Affidavit dated 22/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-13999480L Rank-HAV/PTR Name-BIJU G Presently residing at THUNDU THARAYIL, EDAKKUNNAM, CHARUMMOOD PO, NOORNAD, ALAPPUZHA, KERALA-690505, in my service records my father's (GANGADHARAN C K) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1950 instead of his correct date of birth as 20/07/1944 vide Affidavit dated 22/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-13999480L Rank-HAV/PTR Name-BIJU G Presently residing at THUNDU THARAYIL, EDAKKUNNAM, CHARUMMOOD PO, NOORNAD, ALAPPUZHA, KERALA-690505, in my service records my mother's (VALSALA) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1955 instead of her correct date of birth as 25/11/1957 vide Affidavit dated 22/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMA Wife of SHANKAR PAL Presently residing at WZ-681-B, GALI NO-1, RAJ NAGAR PART-1, NEAR NIRANKARI BHAWAN, PALAM COLONY, PALAMVILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, have changed my name from RAMA to RAMA DEVI vide Affidavit dated 22/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PAWAN KUMAR S/o SURENDER KUMAR R/o H.No. 288, Begum Pur Village, Nithari, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of my wife has been wrongly written as REENA TANWAR in my minor son namely AYAAN aged 16 years in his 10th class Educational Documents and his Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-2209-003454291. The actual name of my wife is REENA RAI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Raeesa W/O Mobinul Haq Permanent resident of Naraura , Kanpur Nagar, Palhepur , Kanpur Nagar, Uttar Pradesh -209401, Presently residing at H. No A-38, Village Gijhore Sector -53 Noida G B Nagar UP. -201301, declare that name of mine has been wrongly written as Raeesa Beegam in my minor Son namely Ikrarul Haq aged 14 years in his School record. The actual name of mine is Raeesa

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल मो. अनीस पुत्र श्री रमजान शाहजाह नगर कॉलोनी, मेरठ उत्तर प्रदेश में स्थित खसरा नंबर 3245 में से 50 वर्ग गज यानी 41.80 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट का मालिक है। सेल डीड दिनांक 04.10.2024 के आधार पर, एसआर- I, मेरठ के कार्यालय में डॉक नंबर 12194, वॉल्यूम नंबर 16003, बुक नंबर 1, पेज नंबर 351-364, दिनांक 04.10.2024 के तहत विधिवत पंजीकृत, आज तक और अपना मूल सेल डीड दिनांक 16.09.2020 खो गया है, जो कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है। एसआर-II, मेरठ, दस्तावेज़ संख्या 5358, खंड संख्या 10330, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 259-278, दिनांक 16.09.2020। इसे श्री अबरार पुत्र श्री अनीस के पक्ष में निष्पादित किया गया था, और ऑनलाइन एफआईआर संदर्भ संख्या ड्ड एलएआर संख्या 20250000511543 दिनांक 21.07.2025 अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- राज नगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल बरमा नंद गोयल फ्रीहोल्ड आवासीय कुल क्षेत्रफल (13183.5 वर्ग फुट) गाटा संख्या-348 स्थित गांव मांझा जमथरा महल अंतर परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला-अयोध्या उत्तर प्रदेश के मालिक हैं, जो विक्रय पत्र दिनांक-29-04-2024 बही नंबर-1 जिल्द नंबर-11132 पृष्ठ संख्या-17/40 दस्तावेज़ संख्या-5320 के आधार पर आज तक है और है। उसका मूल विक्रय पत्र दिनांक-19-03-2021 बही नंबर-1 जिल्द नंबर-9109 पृष्ठ संख्या-207/236 दस्तावेज़ संख्या-3287 पर खो गया/गुम हो गया, इसे अभय प्रताप सिंह पुत्र धीरेंद्र कुमार सिंह के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा झंडेवालान नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री धीर सिंह और कानन यादव, लोहेया नगर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित संपत्ति संख्या ष्ट-213, जीडीए के स्वामी हैं। इस संपत्ति के मूल स्वामी श्री रोशन लाल लूथरा थे, जिन्हें यह संपत्ति 11.03.1983 को निष्पादित लीज़ डीड और 02.11.1998 को निष्पादित फ्रीहोल्ड डीड के माध्यम से जीडीए द्वारा प्रदान की गई थी। बाद में, श्री रोशन लाल लूथरा ने उक्त संपत्ति को श्रीमती सोना देवी और श्री अंचल पाल सिंह को विक्रय विलेख दिनांक 02.11.1998 के माध्यम से बेचा। तत्पश्चात, श्रीमती सोना देवी और श्री अंचल पाल सिंह ने दिनांक 08.12.2003 को दो अलग-अलग वसीयतें श्री धीर सिंह के पक्ष में निष्पादित कीं। दुर्भाग्यवश, श्रीमती सोना देवी और श्री अंचल पाल सिंह दोनों का निधन हो चुका है। श्री धीर सिंह और मास्टर कानन यादव के नाम जीडीए अभिलेखों में परिवर्तन पत्र संख्या 92 दिनांक 24.04.2023 के माध्यम से दर्ज कर दिए गए हैं। फलस्वरूप, श्री धीर सिंह और मास्टर कानन यादव अब उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं, जो कि किसी भी प्रकार के मुकदमेबाजी, बोझ़, देयता, गिरवी या दावे से मुक्त है। वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक, ओखला शाखा, नई दिल्ली के माध्यम से वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I,Girraj s/o Ranbir Singh r/o H.no 58 village fathepur billouch ballabgarh Haryana have change my name to GIRRAJ singh for all future purposes

NAME CHANGE
I, SUNAINA DEVI Mother of JC-344588L Rank-NB SUB Name-AMIT KUMAR TIWARI residing at VPO-PHAGWARA, DIST-KAPURTHALA, PUNJAB-144401, have changed my name from SUNAINA DEVI to SUNENA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 22/07/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Krishan Pal S/o Mr. Kali Charan is the owner of Freehold Residential Property Bearing no. RZ-F-40, land area measuring 82 Sq. Yards, out of Rectangle No. 25, Killa No. 9/1, situated in the area of Village Dabri, Delhi State, Delhi. by virtue of Regd. GPA (Blood Relation) dated 16.06.2025, duly registered in SR. IX, as doc no.2025/16/IV/1762, vol no.2767, book no.4, page no.83-92, dated 16.06.2025. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold to be Mr. Arjun Singh Chauhan & Mrs. Shashi Kanta and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री नंद जुनेजा और श्री सभय जुनेजा संपत्ति संख्या ष्ठ-8, क्षेत्रफल 233 वर्ग गज, जो कि ग्राम बसई दरापुर स्थित कॉलोनी बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है, के मालिक हैं। उक्त संपत्ति की मूल मालकिन श्रीमती संजोगता चड्ढा थीं, जिन्होंने उक्त संपत्ति श्री अरविंद गोयल और श्री अशोक गोयल को बिक्री विलेख दिनांक 19.03.1991 के माध्यम से बेची थी। तत्पश्चात श्री अरविंद गोयल और श्री अशोक गोयल ने उक्त संपत्ति को श्री इंदरजीत धीमान और श्रीमती नीरू धीमान को बिक्री विलेख, जो कि 15.01.1993 को पंजीकृत हुआ था, के माध्यम से विक्रय कर दी। बाद में, श्री इंदरजीत धीमान ने अपनी ½ अविभाजित हिस्सेदारी श्री मोहन सिंह को बिक्री विलेख दिनांक 20.10.1993 द्वारा बेची, और श्रीमती नीरू धीमान ने अपनी ½ अविभाजित हिस्सेदारी श्री एस. कुलवंत सिंह को बिक्री विलेख दिनांक 20.10.1993 द्वारा बेची। इसके पश्चात, श्री मोहन सिंह ने अपनी ½ अविभाजित हिस्सेदारी श्रीमती मीनू जुनेजा को बिक्री विलेख दिनांक 12.09.1997 द्वारा स्थानांतरित की, और श्री एस. कुलवंत सिंह ने अपनी ½ अविभाजित हिस्सेदारी श्री नंद जुनेजा को बिक्री विलेख दिनांक 12.09.1997 द्वारा स्थानांतरित की। दुर्भाग्यवश, श्रीमती मीनू जुनेजा का देहांत 28.09.2005 को हो गया, और उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी बचे- श्री नंद जुनेजा (पति), श्रीमती पूजा जुनेजा (पुत्री), श्रीमती आकांक्षा जुनेजा (पुत्री), और श्री सभय जुनेजा (पुत्र)। श्रीमती पूजा जुनेजा और श्रीमती आकांक्षा जुनेजा ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी अपने पिता श्री नंद जुनेजा के पक्ष में परित्याग विलेख दिनांक 23.07.2007 द्वारा परित्यक्त कर दी। इस प्रकार, उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी अब श्री नंद जुनेजा और श्री सभय जुनेजा हैं। कृपया ध्यान दें कि दस्तावेजों की श्रृंखला में श्रीमती मीनू जुनेजा के नाम का उत्तरजीवी प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पारस कुकड़ेजा हत्याकांड मामले में मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

हिसार। शहर के कैंप चौक के पास स्थित होटल के मैनेजर पारस हत्याकांड मामले में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल की ओर से सुभाष ढींगड़ा ने मुख्यमंत्री को पूरे मामले से अवगत करवाते हुए उनसे पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने व परिवार के सदस्य को रोजगार, आर्थिक सहायता व आवास की सरकारी मदद देने के लिए मांग पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पारस कुकड़ेजा हत्याकांड पर दुख जताते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की व हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। समाज की ओर से प्रतिनिधिमंडल में शामिल मनोहर मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष ढींगड़ा, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी सहकारिता प्रकोष्ठ हरीश चौधरी, निगम पार्षद राजेश अरोड़ा, कमल हांडा, सुभाष कुकडेजा, दर्शन खुराना, जितेंद्र भारती, डॉ. संजय मुंजाल, वीएल शर्मा व सुरेंद्र बजाज ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के हिसार पहुंचने के बाद 21 सदस्यीय कमेटी गठित की जाएगी, जो आगामी रुपरेखा तय करेगी।

जिला कारागार में तीन अंडरट्रायल बंदियों को किया अंडरगोन

जींद। जिला कारागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मोनिका के समक्ष दो मामले विचाराधीन रखे गए। जिसमें से तीन बंदियों को अंडरगोन किया गया। अगर विचाराधीन बंदी पर और कोई मुकदमा ना हो तो तीनों कैदियों को रिहा करने का आदेश पारित किया गया। सीजेएम मोनिका ने जिला जेल का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों व हवालातियों को उनके केसों में आ रही मुश्किलों को सुना व समस्याओं के समाधान संबंधी जानकारी दी। इसके अलावा सीजेएम ने जेल में बंद कैदियों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को अपने केस की पैरवी करने के लिए वकील की जरूरत है, तो वह मुफ्त कानूनी सेवाएं के लिए प्राधिकरण के अधीन वकील की सेवाएं ले सकते हैं। इस संबंध में जेल प्रशासन के माध्यम से या न्याय रक्षक के माध्यम से लिख कर दरखास्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में भेजनी होती है। उन्होंने बताया कि नालसा हैल्पलाइन नंबर 15100 पर किसी भी प्रकार की कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आगामी 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय जींद व उपमंडल न्यायालय नरवाना व सफीदों में आयोजित की जाएगी।

मेयर ने किया नगर निगम की ई-दिशा केन्द्र का निरीक्षण

हिसार। मेयर प्रवीण पोपली ने नगर निगम कार्यालय में स्थित ई-दिशा केन्द्र का किया निरीक्षण किया। इस दौरान सचिव संजय शर्मा मौजूद रहे। आगामी 31 जुलाई तक वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रॉपर्टी टैक्स भरने पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है जिसको लेकर शहरवासियों द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने वालों की संख्या बढ़ गई है। निरीक्षण के दौरान प्रवीण पोपली ने ई-दिशा केन्द्र में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने के लिए, एक और केस काउंटर बनाने के निर्देश दिए। इस प्रकार अब दो काउंटरों पर नकदी जमा होगी। इसके साथ बढ़ती भीड़ को देखते हुए टोकन व्यवस्था शुरू की गई है। टोकन के अनुसार शहरवासी अपना प्रॉपर्टी टैक्स आसानी से जमा करवा सकेंगे। इसके साथ ही एक काउंटर पर बिल निकालने की सुविधा होगी और एक काउंटर सीनियर सिटीजन के लिए है। मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स से सम्बन्धित कार्यों में कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके है। मेयर बताया कि इसके साथ-साथ नगर निगम के हर प्रकार के कार्यों को तीव्रता से किया जा रहा है। मेयर प्रवीण पोपली ने शहरवासियों से अपील की है कि शहरवासी समय पर प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाकर सरकार द्वारा दी गई छूट का लाभ उठाएं।

स्वच्छता रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सफाई योद्धा सम्मानित

सोनीपत। स्वच्छता रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सोनीपत नगर निगम के स्वच्छता प्रहरियों को सम्मानित किया गया। मेयर राजीव जैन ने मुख्य द्वार पर गुलाब का फूल देकर उनका स्वागत किया। मंच पर विधायक पवन खरखौदा, जिला उपायुक्त सुशील सारवान एवं आयुक्त नगर निगम हर्षित कुमार ने प्रशस्ति पत्र और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। बाद में अधिकारियों और कर्मचारियों ने बिना प्लास्टिक बर्तन उपयोग किए मिलकर सहभोज किया। राजीव जैन ने कहा कि 38वें स्थान को बरकरार रखते हुए और ऊंची रैंक हासिल करना अब आपके हाथ में है। उपायुक्त सुशील सारवान ने प्रशंसा करते हुए कहा कि कर्तव्यनिष्ठ से काम करना हर अधिकारी-कर्मचारी का फर्ज है और यह आप लोगों ने मिसाल बनाकर दिखाया। आयुक्त हर्षित कुमार ने कहा कि हम सब एक परिवार की तरह शहर को अपना घर समझेंगे और स्वच्छता की ओर अधिक ध्यान देंगे। विधायक पवन खरखौदा ने बात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के सपने से जोड़ा और कहा कि यह सपना हमें अपनी आदत में बसाना है। सम्मानित स्वच्छता प्रहरियों में सतेंद्र दहिया, साहब सिंह, जोगिन्दर, कृष्ण, सुंदर मलिक, रितु राठी, मुख्य सुपरवाइजर अनिल, योगेश, सुपरवाइजर विक्की से शामिल थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सड़क तंत्र सुदृढ़ीकरण को लेकर की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में सड़क तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अंतर्राज्यीय सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हरियाणा में प्रवेश करने वाली सभी सड़कें दुरुस्त होनी चाहिए, ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री प्रदेश में सड़कों के नवीनीकरण व मरम्मत से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की मरम्मत एवं विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए और गुणवत्ता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सड़कों को गड्ढ़ा-मुक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित की जा रही मोबाइल ऐप की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि हर विभाग अपनी सभी सड़कों को शत-प्रतिशत चिह्नित कर जल्द से जल्द ऐप पर अपलोड करना सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिए कि मोबाइल ऐप सरल होनी चाहिए ताकि आमजन उसका आसानी से उपयोग कर सके। इस एप्लीकेशन में आमजन प्रदेश में क्षतिग्रस्त सड़कों या सड़कों में गड्ढों की शिकायत दर्ज कर सकेंगे, इससे त्वरित निपटान सुनिश्चित करते हुए सड़कों का सुधार किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक यश गर्ग और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश कुमार आहुजा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य सूचना आयोग के जुर्माने का भुगतान नहीं कर रहे हैं सरकारी अधिकारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के अधिकारी राज्य के सूचना आयोग के लगाए जा रहे जुर्माने का भुगतान नहीं कर रहे हैं। करीब दो हजार मामलों में प्रशासनिक अधिकारियों से लगभग पौने दो करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया जाना है। प्रशासनिक अधिकारी आयोग को मासिक आधार पर आदेशों के क्रियान्वयन की रिपोर्ट भी नहीं दे रहे हैं। इस पर राज्य सूचना आयोग ने हरियाणा सरकार से आपत्ति दर्ज कराई है। राज्य सूचना आयोग की रिपोर्ट को आधार बनाकर हरियाणा के मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से सोमवार को सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों तथा बोर्ड एवं निगमों के साथ विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे मासिक रिपोर्ट नियमित रूप से भेजना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव कार्यालय ने प्रशासनिक अधिकारियों को 282 पेज की जो सूची भेजी गई है, उसमें 1952 केसों का विस्तार से जिक्र है और साथ ही सुनवाई की पूरी डिटेल के अलावा जुर्माने की राशि दर्ज की गई है। यह राशि एक करोड़ 72 लाख 33 हजार 833 है, जिसकी वसूली कराने के आदेश मुख्य सचिव कार्यालय ने जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से प्रशासनिक अधिकारियों को जो परिपत्र भेजा गया है, उसके साथ सभी 1952 मामलों की पूरी डिटेल लगाई गई है, जिनमें राज्य सूचना आयोग ने जुर्माना लगाया हुआ है। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से प्रशासनिक अधिकारियों के साथ राज्य सूचना आयोग के रजिस्ट्रार राजकुमार तंवर का नंबर साझा किया गया है और कहा गया है कि किसी बारे में कोई जानकारी प्राप्त करने के लिए उनसे बातचीत की जा सकती है।

तेल में मिलावट की शिकायत के बाद पेट्रोल पंप पर पहुंची जांच टीम

एजेंसी

हिसार। जिले के कस्बा बरवाला स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने निरीक्षण करके पंप पर दिए जा रहे पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता जांची। इस संबंध में किसी उपभोक्ता ने विभाग को ऑनलाइन माध्यम से शिकायत भेजकर उक्त पेट्रोल पंप पर तेल में पानी की मिलावट का आरोप लगाया था। उपभोक्ता की शिकायत की जांच के लिए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक अमित शेखावत के नेतृत्व में टीम उक्त पंप पर पहुंची। उनके साथ विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पेट्रोल पंप पर पहुंचकर पंप की मशीनों से निकलने वाले तेल की गुणवत्ता की जांच की। इसके साथ ही मापक यंत्रों के जरिए तेल की मात्रा की भी जांच की गई। डीएफएससी अमित शेखावत ने बताया कि विभाग को एक उपभोक्ता की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी कि उसने पेट्रोल डलवाया था, जिसमें

पानी की मिलावट थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर पेट्रोल पंप पर मौजूद मैनेजर और स्टाफ की उपस्थिति में विस्तृत जांच की।

जांच के दौरान पंप पर लगे नोजल से निकाले गए तेल के नमूनों की जांच की गई। साथ ही अंडरग्राउंड टैंक में रखे तेल में भी किसी तरह की मिलावट की संभावना को परखा गया। हालांकि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई और सब कुछ सामान्य पाया गया। डीएफएससी ने बताया कि विभाग ग्राहकों की शिकायतों को गंभीरता से लेता है और समय-समय पर पेट्रोल पंपों की जांच की जाती है, ताकि उपभोक्ताओं को गुणवत्ता युक्त ईंधन उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की औचक जांच जारी रहेगी।

सीईटी परीक्षा में हरियाणा से संबंधित होंगे 25 फीसदी सवाल

एजेंसी

चंडीगढ़। सीईटी-2025 की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने परीक्षा के पैटर्न को लेकर चल रहे सवालों पर स्थिति साफ करते हुए कहा है कि 25 प्रतिशत सवाल हरियाणा के संबंधित होंगे, जबकि 75 प्रतिशत सवाल अन्य विषयों से संबंधित होंगे, जिसमें कंप्यूटर विषय के प्रश्न भी शामिल होंगे।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोमवार की शाम यू-टयूब चैनल पर लाइव होकर सीईटी के अभ्यर्थियों के सवालों के जवाब दिए। आयोग ने कुछ दिन पहले गूगल शीट के माध्यम से प्रदेश के युवाओं से परीक्षा के संबंध में सवाल पूछे थे। सीईटी परीक्षा आगामी 26 व 27 जुलाई को होने जा रही है। इसके लिए साढ़े 13 लाख युवाओं ने आवेदन किया है। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने बताया कि परीक्षा शुरू होने से पहले परीक्षक प्रश्न पत्रों का बंडल

परीक्षार्थियों को दिखाएंगे। हॉल के अंदर मौजूद कोई भी दो विद्यार्थी सील की जांच करके पूरे ब्यौरे के साथ अपने हस्ताक्षर करेंगे उसके बाद ही उसे खोलकर वितरित किया जाएगा। हिम्मत सिंह ने परीक्षा में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों का आह्वान किया कि वह अपने एडमिट कार्ड का कलर प्रिंट लें और परीक्षा देते समय सरकार से जारी अतिरिक्त पहचान पत्र लेकर जाएं। परीक्षार्थियों के सवालों के जवाब में उन्होंने साफ किया कि वह किसी प्रकार का पेन, पेंसिल आदि न लेकर जाएं। यह सभी सामग्री आयोग की ओर से परीक्षा केंद्र के भीतर उपलब्ध कराया जाएगा। आयोग के चेयरमैन सिंह ने बताया कि परीक्षा के पहले बायोमैट्रिक हाजिरी प्रक्रिया तथा अन्य जांच का काम पूरा कर लिया जाएगा। आयोग चेयरमैन ने बताया कि पिछ्ली परीक्षा के मुकाबले इस बार ओएमआर खाली मिलेगी। अभ्यर्थी को शीट पर रोल नंबर, पिता का नाम व अन्य विवरण खुद ही भरना होगा। ओएमआर शीट के तीन सैट होंगे। ओरिजनल कॉपी तथा कमिशन कॉपी इनविजिलेटर के पास जमा हो जाएगा, जबकि कैंडिडेट कॉपी अभ्यर्थी अपने साथ ले जा सकता है।

गुरुग्राम जिला में 145 केंद्रों पर 26 व 27 जुलाई को दो-दो सत्रों में होगी सीईटी परीक्षा

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप सी के पदों की भर्ती के लिए आगामी 26-27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी परीक्षा के लिए गुरुग्राम जिला में 107 शिक्षण संस्थाओं में 145 परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। दोनों दिन चार अलग-अलग सत्रों में आयोजित होने वाली परीक्षा के एक सत्र में 36,372 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था होगी। जिला प्रशासन द्वारा जिला में नकल रहित व पारदर्शी तरीके से परीक्षा संपन्न कराने व परीक्षार्थियों की सुविधा से जुड़े आवश्यक इंतजामों को लेकर तैयारियां निरंतर जारी है। उपायुक्त अजय कुमार ने सोमवार की शाम लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में परीक्षा से जुड़ी तैयारियों की अधिकारियों की बैठक में समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिला के सभी एसडीएम अपने-अपने एरिया में परीक्षा को लेकर सभी आवश्यक इंतजामों की उपलब्धता सुनिश्चित

करेंगे। डीसी ने कहा कि परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों के लिए परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए कलस्टर बनाकर परीक्षा केंद्रों तक अभ्यर्थियों को समय रहते पहुंचाया जाए। जिला में 26 व 27 जुलाई को पहले सत्र की परीक्षा सुबह 10 से 11:45 बजे तक तथा दूसरी दोपहर बाद 03:15 बजे से शाम पांच बजे तक होगी। इन परीक्षा केंद्रों में प्रवेश हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा निर्धारित समय के अनुसार होगा।

गुरुग्राम वाले युवाओं के परीक्षा केंद्र फरीदाबाद जिले में

डीसी ने बताया कि गुरुग्राम जिला से परीक्षा के लिए आवेदन करने वालों को परीक्षा केंद्र फरीदाबाद जिले में होंगे। फरीदाबाद जिले के लिए 26 और 27 जुलाई की सुबह गुरुग्राम बस स्टैंड से चार बजे से, जबकि सोहना और पटौदी बस स्टैंड से पांच बजे से बस सेवा आरंभ होगी। इसके अतिरिक्त नए गुरुग्राम एरिया से भी बस सेवा फरीदाबाद के लिए आरंभ होगी। वहीं बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए जिला के भीतर शटल सेवा ताऊ देवी लाल स्टेडियम, सेक्टर-29 स्थित जिमखाना क्लब के समीप से, मानेसर में आईएमटी चौक के पास से बसें उपलब्ध होंगी। वहीं फरीदाबाद जिला में एनआईटी व बल्लभगढ़ बस स्टैंड तथा सेक्टर 12 में लोकल बस सेवा उपलब्ध होंगी। बैठक में इस अवसर पर एडीसी वत्सल वशिष्ठ, परिवहन विभाग के महाप्रबंधक भारत भूषण गोगिया, गुरुग्राम के एसडीएम परमजीत चहल, बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला, पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाच, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव, हिपा की संयुक्त निदेशक ज्योति, टीएम रोडवेज रितु शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी इंदू बोकन व एमवीओ हरेंद्र वीर आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में 137 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 137 नवचयनित चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्तिपत्र जारी कर दिये हैं। इन सभी को राज्य के विभिन्न जिलों में नियुक्त किया गया है। अभ्यर्थियों को यह नियुक्ति पत्र बायोमेट्रिक और दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी किए गए हैं। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने नवनियुक्त डॉक्टरों को बधाई देते हुए कहा कि योग्य और समर्पित चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति से न केवल ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार होगा, बल्कि मौजूदा चिकित्सा कर्मचारियों पर बोझ भी कम होगा। यह कदम प्रत्येक नागरिक को समय पर, समान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करने की हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री राव ने कहा कि यह भर्ती अभियान लंबे समय से लंबित रिक्तियों को भरने की योजना का हिस्सा है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) या सिविल अस्पताल पर्याप्त चिकित्सा कर्मचारियों के बिना संचालित न हो। उन्होंने बताया कि राज्यभर के सभी सिविल सर्जनों को ईमेल के माध्यम से नियुक्ति पत्र भेजे गए हैं, जहां से चयनित उम्मीदवार इन्हें प्राप्त कर सकते हैं। इन नवनियुक्तों को नारनौल, अंबाला शहर, भिवानी, सोनीपत, जींद, हिसार, पानीपत, करनाल, सिरसा, कुरुक्षेत्र, कैथल, झज्जर, फतेहाबाद, चरखी दादरी, यमुनानगर आदि जिलों के जिला नागरिक अस्पतालों (डीसीएच) में नियुक्त किया गया हैं। मंत्री ने पारदर्शी और कुशल नियुक्ति प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा के निरंतर प्रयासों की भी सराहना की।

नांगल चौधरी में 352 करोड़ से बनेंगे पांच वॉटर वर्क्सः अभय सिंह

एजेंसी

नारनौल। नांगल चौधरी हलके की पेयजल की बढ़ती माँग को देखते हुए हरियाणा सरकार ने एक महत्वाकांक्षी पेयजल आपूर्ति योजना बनाई है। 352 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाली यह योजना मुख्य रूप से नहरी पानी पर आधारित होगी। इस योजना के अंतर्गत पाँच अलग-अलग जगह पर विशाल वॉटर वर्क्स का निर्माण किया जाएगा जो सिरोही बहाली, मोहनपुर, आसरावास, नांगल दर्गु एवं मुसनोता गावों में बनाए जाएंगे। इसकी जानकारी देते हुए पूर्व सिंचाई मंत्री डा अभय सिंह यादव ने बताया कि नांगल चौधरी क्षेत्र में पेयजल की समस्या को देखते हुए नहरी पानी आधारित एक योजना 2014 से पहले बनाई गई थी। जिसके अंतर्गत लहरोदा वॉटर वर्क्स से नांगल चौधरी हलके के गांवों में पेयजल आपूर्ति हो रही है, परंतु फिर भी नांगल चौधरी क्षेत्र में पर्याप्त पानी की सप्लाई नहीं हो पायी। इसका मूल कारण यह रहा कि लहरोदा जल भंडार से नारनौल शहर सहित नारनौल एवं नांगल चौधरी दोनों हलकों को सप्लाई दी जाती है। लहरोदा जल भंडार की सीमित भंडारण क्षमता के कारण नांगल

चौधरी के सुदूर स्थित गांवों में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है । इसलिए वर्ष 2024 के प्रारंभ में ही यह महत्वाकांक्षी योजना जन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से तैयार करवाई गई थी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत नहर के कच्चे पानी की सप्लाई नारनौल के पास नहर से बड़ी पाइप लाइन द्वारा लाई जाएगी तथा इन पांचों जल भंडारों में नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। तदोपरांत जल संशोधन प्रक्रिया द्वारा उसे साफ़ करके पेयजल के रूप में समस्त क्षेत्र में सप्लाई किया जाएगा। इस तरह से इस नई व्यवस्था के अनुसार लहरोदा जल भंडार पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। रास्ते में बार-बार बूस्टिंग में आने वाली समस्याओं से भी निदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना को भविष्योंन्मुखी बनाया गया है अतः अगले 20 साल की आबादी को ध्यान में रखकर यह योजना तैयार की गई है। इस योजना के पूरी होने उपरांत हर गांव में आवश्यकतानुसार पर्याप्त पेयजल की सप्लाई की जा सकेगी । विशेषकर बायल, गोलवा, ढाणी रावता एवं रोपड़ सराय आदि ऊंचाई पर स्थित गावों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एक वॉटर वर्कस मुसनोता और ढाणी रावता के बीच में ऊंचाई वाले क्षेत्र में बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना के टेंडर अगले महीने तक होने की संभावना है तथा टेंडर होने उपरांत इसकी प्रक्रिया लगातार आगे बढती रहेगी। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा और जन स्वास्थ्य मंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया है।

पानीपत में सोनीपत, जींद व अन्य प्रदेशों के परीक्षार्थी देंगे सीईटी की परीक्षा

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में होने वाली सीईटी की परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली है।यों कजिला उपायुक्त ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि परीक्षार्थियों के साथ हो अतिथि जैसा व्यवहार। उपायुक्त ने जिले के 649 दिव्यांग परीक्षार्थियों को परीक्षा केद्र तक लाने ले जाने के लिए भी डयूटी, कार्ड जारी किए है। परीक्षा के लिए बनाए 29 केन्द्र में करीब 28 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षा। उपायुक्त ने बताया कि पानीपत जिले के अभ्यर्थियों को सोनीपत जिले में परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए हरियाणा रोडवेज की ओर से पर्याप्त संख्या में विशेष बसों का संचालन किया जाएगा, जिनकी समय-सारणी व रूट चार्ट तैयार किया जा रहा है। यह जानकारी प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे परीक्षार्थी समय पर केंद्र पर पहुंच सकें। उपायुक्त ने बताया कि जिला में एक समर्पित हेल्प डेस्क की स्थापना की जाएगी, जो परीक्षा से एक दिन पहले और परीक्षा के दोनों दिनों में सुबह से शाम तक सक्रिय रहेगी। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन, बस सुविधा, परीक्षा केंद्र की जानकारी, गूगल मैप लोकेशन, और किसी भी प्रकार की सहायता तत्काल प्रदान की जाएगी। डीसी ने निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन पर बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए थ्री व्हीलर, बस, ई-रिक्शा, ईको की रहेगी सुविधा, जिला प्रशासन द्वारा जलपान की व्यवस्था की जाएगी।

152डी पर जल्द लगेगा बाघोत कटः स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर 152डी पर बाघोत कट हर हाल में बनेगा। हरियाणा सरकार ने कट खोलने के लिए फाइल केंद्र को भेजी है। इस कार्य को जल्द से जल्द सिरे चढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव बाघोत, स्याणा और सेहलंग जनसभाओं को संबोधित कर रही थी। इस दौरान उन्होंने तीनों गांवों में विकास कार्य करवाने के लिए 10-10 लाख रुपये की भी घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यहां के लोगों की मांग पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बाघोत मार्ग को स्टेट हाईवे का दर्जा दिलवाया। यह क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पहले यह एमडीआर यानी जिला की मुख्य सड़क थी। यहां पर कट लगाने के लिए स्टेट हाईवे होना जरूरी था। अब इस मार्ग को स्टेट हाईवे का दर्जा मिल चुका है। अब आगे की कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार चहुंमुखी विकास को प्रतिबद्ध है। हमने जो कहा है वह करके दिखाया है। स्वास्थ्य मंत्री के कार्यक्रमों की शुरुआत बाघोत गांव

से हुई, जहां उन्होंने प्रसिद्ध शिवधाम मंदिर में जल अर्पण कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर नागरिकों ने उनका भव्य स्वागत किया और लड्डुओं से तोल कर सम्मानित किया। इस अवसर पर गांव के सरपंच ने मांग पत्र सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि बाघोत में पंचायत समिति की ओर से 45 लाख रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। स्याणा गांव में भी स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का पुष्प मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

PUBLIC NOTICE

I, Jugnu D/o Rajender Singh R/o Sai Kiryana Store,Ward No-3, Near Delhi Bypass, Prem Nagar, Charkhi Dadri City, Charkhi Dadri HSG-II, Haryana-127306 hereby undertake that I Jugnu want to change my name to Jayveer and gender as male. I Jugnu henceforth be known as Jayveer S/o Rajender Singh

कुरुक्षेत्र में 23 जुलाई से अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता और कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि भारत की विविधता में एकता सबसे बड़ी ताकत है। इसी कड़ी में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के विजन को साकार करने और सांस्कृतिक सदभावना को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार 23 से 25 जुलाई 2025 तक कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतरराज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम आयोजित करेगी। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में 24 राज्यों के करीब 600 युवा भाग लेगें और जिसमें विभिन्न समुदायों की संस्कृति का आदान प्रदान होगा। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें ग्रुप फोग डांस, ग्रुप सांग, सांस्कृतिक गतिविधियां आदि रहेंगी। खेल मंत्री गौतम ने कहा कि 31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 140वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं के लिए प्रतिभा दिखाने के लिए बहुत बड़ा मंच होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से एक प्रदेश दूसरे प्रदेश की संस्कृति और कला से रूबरू होगा। इस दौरान विभिन्न समुदायों के बीच एक, समानता और भाईचारे के मूल्यों को बढ़ावा मिलेगा। मौजूदा समय में हरियाणा की कला एवं संस्कृति और खेलों के प्रभाव से अन्य कई राज्य प्रेरित हैं। मंत्री गौतम ने कहा कि इस कार्यक्रम का उदेदश्य राष्ट्र निर्माण व सदभाव के लिए प्रतिबद्ध सशक्त युवा तैयार करने है। यह केवल एक आयोजन नहीं बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व, विकास, नेतृत्व क्षमता का निर्माण और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर है।

NAME CHANGE

It is for general information that I, KALYAN SINGH GUSAIN S/o JOT SINGH GUSAIN, R/o 437, Bank Colony, Near Purani Chungi Rajpur Road, kandoli, PO-Kandoli, PO: Dehradun G.P. Dehradun, Uttarakhand-248001 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as KALYAN SINGH and SOBTI DEVI in my PPO No. 231840204222. The actual name of mine and my wife are KALYAN SINGH GUSAIN and SAVETRI DEVI respectively.

एलआईसी ने बढ़ाई एसबीआई में हिस्सेदारी

- क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए 25,000 करोड़

नई दिल्ली।

भारतीय सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए एसबीआई में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के तहत एलआईसी ने एसबीआई में 0.28 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है, जिससे उसकी कुल हिस्सेदारी अब 9.49 प्रतिशत हो गई है। एलआईसी के पास अब एसबीआई के 87.58 करोड़ शेयर हैं, जबकि इससे पहले वह 81.46 करोड़ शेयर (9.21 प्रतिशत हिस्सेदारी) का मालिक था। एलआईसी ने यह निवेश 817 प्रति शेयर की दर से किया है और कुल राशि बैंक को ट्रांसफर कर दी गई है। वहीं एसबीआई ने क्यूआईपी के जरिए कुल 25,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने इस प्रक्रिया में 30.59 करोड़ शेयर 817 प्रति शेयर की कीमत पर जारी किए। एसबीआई ने बताया कि इस फंड का उपयोग लोन ग्रोथ को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और कॉमन इक्विटी टियर-1 कैपिटल को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। क्यूआईपी को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एसबीआई ने छह निवेश बैंकों की मदद ली। इसके अलावा एसबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 में प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए लगभग 3 बिलियन डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) जुटाने को मंजूरी दी है। जून में शेयरधारकों ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी।

सेबी ने डब्बा कारोबार को बताया अवैध

- निवेशकों को सतर्क रहने की दी गई सलाह

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बार फिर डब्बा कारोबार को अवैध करार देते हुए निवेशकों को इससे दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में जारी किए गए बयान में सेबी ने कहा कि डब्बा कारोबार न केवल गैरकानूनी है, बल्कि यह निवेशकों के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम भी उत्पन्न करता है। डब्बा कारोबार दरअसल एक अवैध लेन-देन प्रणाली है, जिसमें ट्रेडिंग औपचारिक शेयर बाजार के बाहर होती है।

इसमें न तो असली शेयर खरीदे जाते हैं और न ही ब्रोकर सेबी द्वारा पंजीकृत होता है। यह कारोबार पूरी तरह नियामकीय निगरानी से बाहर होता है और निवेशक के पैसे के दुरुपयोग की पूरी आशंका होती है। सेबी ने कहा कि ऐसी गतिविधियां प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956, सेबी अधिनियम, 1992 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। हाल ही में एक समाचार पत्र में छपे डब्बा कारोबार को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए सेबी ने एनएसई के साथ मिलकर कई कदम उठाए हैं। संबंधित समाचार पत्र को नोटिस भेजा गया है और साइबर पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। सेबी ने भारतीय विज्ञापन मानक परिषद से भी हस्तक्षेप करने को कहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी निवेशकों को चेताते हुए केवल सेबी-पंजीकृत ब्रोकर और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से ही ट्रेडिंग करने की सलाह दी है। सेबी ने कहा है कि वह निवेशकों की सुरक्षा के लिए सख्त नियामकीय और कानूनी कदम उठाता रहेगा।

वित्त वर्ष 2025 में बैंकों की नियुक्तियों में भारी गिरावट

- एआई और डिजिटल टैलेंट पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025 के दौरान देश के प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों द्वारा की गई नई नियुक्तियों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यह गिरावट खासकर खुदरा बैंकिंग से जुड़े क्षेत्रों में अधिक स्पष्ट रही है। नियुक्तियों में आई इस सुस्ती के पीछे कारोबार वृद्धि की धीमी गति, शाखाओं के सीमित विस्तार और बेहतर एट्रिशन रेट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में 49,713 लोगों को नियुक्त किया, जो पिछले वर्ष की 89,115 और वित्त वर्ष 2023 की 85,000 से अधिक नियुक्तियों की तुलना में काफी कम है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की भर्तियां भी गिरकर 1,770 रह गईं, जबकि 2024 में यह संख्या 10,661 और 2023 में 8,595 थी। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक ऐक्सिस बैंक ने भी इस वर्ष केवल 31,674 नियुक्तियां कीं, जो पिछले वर्ष की 40,724 से कम है। टीमलीज सर्विसेज के मुख्य कार्याधिकारी (स्टाफिंग) के अनुसार इस गिरावट के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक की सख्त मौद्रिक नीति एक बड़ा कारण रही है। उन्होंने बताया कि पर्सनल लोन, होम लोन, वाहन ऋण और गोल्ड लोन जैसे क्षेत्रों में ग्रोथ धीमी रही है, जिसके चलते बैंक नई भर्तियों के प्रति सतर्क हो गए हैं। एचडीएफसी बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि 2025 को सुदृढ़ीकरण का वर्ष माना गया। बैंक ने एआई के जरिए भर्ती प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाने, प्रतिभाओं की दक्षता बढ़ाने और लागत कम करने पर जोर दिया। इसके साथ ही रोजगार के लिए तैयार मॉडल को भी बढ़ावा दिया गया ताकि नई प्रतिभाओं को पहले दिन से सक्षम बनाने के लिए तैयार किया जा सके। 2025 के अंत तक बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 2,14,521 रही।

सिंजेन्टा भारत के जरिये वैश्विक जैविक बाजार का नेतृत्व करने की तैयारी में

कंपनी की जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार करने की योजना

मुंबई।

स्विट्जरलैंड की प्रमुख फसल संरक्षण कंपनी सिंजेन्टा ने आने वाले वर्षों में दुनिया की अग्रणी जैविक कंपनी बनने की उम्मीद जताई है। कंपनी के वैश्विक अध्यक्ष स्टीवन हॉकिन्स ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत उनके लिए एक महत्वपूर्ण और संभावनाओं से भरा बाजार है, हालांकि यहां की नियामक अनिश्चितता कृषि नवाचारों के विस्तार में बड़ी चुनौती बनी हुई है। हॉकिन्स के अनुसार फसल संरक्षण उद्योग में नई तकनीकों की मंजूरी और उपयोग में देरी किसानों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार हो ताकि नवाचारों को बढ़ावा मिल सके। सिंजेन्टा इस वर्ष भारत में कई नई जैविक और रासायनिक उत्पादों को लॉन्च करने जा रही है, जिनमें प्रमुख है 'टाइमिरियम', जो एक नया निमेटोसाइड और कवकनाशी है। इससे पहले कंपनी ने 'एडेपिडिन' (फफूंदनाशक) और 'प्लिनाजोलिन' (कीटनाशक) बाजार में उतारे हैं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर सफलता मिली है। कंपनी को 2025 में भारत में मध्यम स्तर की वृद्धि की उम्मीद है, जो महंगाई और मानसून की स्थिति पर निर्भर करेगी। हॉकिन्स ने यह भी बताया कि भारत की बाजार संरचना अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों की तुलना में अधिक संतुलित है, जिससे वितरण में कम समस्याएं होती हैं। सिंजेन्टा ने हाल ही में तेलंगाना में एक बीज स्वास्थ्य प्रयोगशाला स्थापित की है और वह भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत स्थानीय निवेश को भी बढ़ावा दे रही है।

चंदा कोचर दोषी करार: वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

- चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन किया

मुंबई।

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में नैतिकता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

भारतीय रुपया मंगलवार को सात पैसे की गिरावट के साथ ही 86.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे की बढ़त के साथ 86.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर शुल्क की अंतिम स्थिति को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार के लिए चिंता का विषय बनी है, जिससे मुद्राओं का कारोबार सीमित दायरे में हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.26 पर खुला जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह 86.29 प्रति डॉलर के स्तर को छू गया था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.29 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 97.88 पर आ गया।

एसबीआई ने अनिल अंबानी और आरकाम को किया फ्रॉड घोषित

- 3,000 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और इसके पूर्व प्रमोटर अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित कर दिया है। यह जानकारी संसद में दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि 13 जून 2025 को एसबीआई ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट गाइडलाइंस और अपनी आंतरिक नीति के तहत यह कदम उठाया। बैंक ने 24 जून को आरबीआई को इसकी रिपोर्ट दी और अब मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की प्रक्रिया में है। एसबीआई के अनुसार आरकॉम पर 2,227.64 करोड़ का फंड आधारित लोन बकाया है। इसके अलावा 786.52 करोड़ की गैर-फंड आधारित बैंक गारंटी भी जारी की गई थी। इस तरह बैंक की कुल एक्सपोजर 3,014.16 करोड़ के करीब है, जिसे अब धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आरकॉम ने 30 जून 2025 को यह स्वीकार किया कि उसे एसबीआई से 23 जून को एक पत्र मिला, जिसमें फ्रॉड घोषित किए जाने की जानकारी दी गई थी। यह मामला न केवल बैंकिंग क्षेत्र के लिए चेतावनी है, बल्कि बड़े कॉरपोरेट घरानों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है।

भारत में विमानन कंपनियों पर सुरक्षा से ज्यादा प्रचार खर्च करने का आरोप: सर्वेक्षण

-सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया

मुंबई। लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए अखिल भारतीय ऑनलाइन सर्वेक्षण में करीब 76 प्रतिशत यात्रियों ने माना है कि भारत की कई विमानन कंपनियां यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की तुलना में प्रचार-प्रसार पर अधिक खर्च कर रही हैं। सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया, जिनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि पिछले तीन वर्षों में 64 प्रतिशत यात्रियों ने उड़ान के दौरान किसी न किसी प्रकार की कठिनाई का सामना किया है। इनमें उड़ान भरते या उतरते समय जटिल परिस्थितियां और तकनीकी समस्याएं शामिल हैं। हाल के दिनों में एयर इंडिया की बोइंग 787-8 विमान की अहमदाबाद से लंदन की उड़ान के तुरंत बाद दुर्घटना, जिसमें 241 यात्रियों सहित कुल 260 लोगों की मौत हुई, ने देश में विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा, कोच्चि-मुंबई उड़ान का रनवे से बाहर निकलना, दिल्ली-कोलकाता उड़ान का तकनीकी खराबी के कारण रद्द होना, गोवा से इंडिगो की उड़ान में लैंडिंग गियर की समस्या, तथा स्पाइसजेट की उड़ान में खिड़की का फ्रेम टूटना जैसी घटनाओं ने यात्रियों में भय और असुरक्षा की भावना को बढ़ावा दिया है। सर्वेक्षण में सुरक्षा और प्रचार खर्च के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर 43 प्रतिशत ने माना कि सभी विमानन कंपनियां प्रचार पर अधिक खर्च करती हैं, जबकि 33 प्रतिशत ने कहा कि कुछ कंपनियां ऐसा करती हैं। केवल 11 प्रतिशत ने कहा कि कोई भी ऐसा नहीं करता।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामूली गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 13.53 अंकों की हल्की गिरावट के साथ ही 82,186.81 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 29.80 अंक नीचे आकर 25,060.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए जबकि बची हुई 17 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से केवल 16 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आकर बंद हुए बंद हुए जबकि शेष 33 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये।

एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमैटो) के शेयर सबसे ज्यादा 10.56 फीसदी बढ़कर बंद हुए, वहीं टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.04 फीसदी की गिरावट रही।

आज टाइटन के शेयरों में 1.08 फीसदी, बीईएल 0.72 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.66फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.65 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.39 फीसदी व, बजाज फाइनेंस में 0.36 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 1.72 फीसदी, एसबीआई 1.12 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.08 फीसदी, एलएंडटी 1.07 फीसदी, आईटीसी 0.96 फीसदी, इंफोसिस 0.92 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी गिरा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स स्थिर रहा।

बाजार में गिरावट के ये कारण भी रहे

आज धातु के अलावा अन्य सभी सेक्टर गिरावट पर बंद हुए, जिनमें आईटी, ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया और रियल्टी 0.5-1 फीसदी नीचे रहे। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जुलाई 2025 में भारतीय शेयर बाजार में नेट बिकवाल बन गए, जो लगातार तीन महीनों के निवेश के बाद एक विराम था। यह बदलाव एफपीआई ने वित्त वर्ष 26 की सकारात्मक शुरुआत के बाद आया है, जिसमें अप्रैल, मई और जून में 38,673 करोड़ रुपये का संचयी शुद्ध निवेश हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत रही। सुबह बीएसई सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,527.43 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 25,166 अंक पर खुला। मंगलवार को बाजार खुलते ही बीएसई पर 10 फीसदी चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी जून तिमाही नतीजे जारी करने के बाद आई है। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को तेजी देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट में सोमवार को आई बढ़त से प्रेरित थी। अमेरिका के प्रमुख इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। निवेशक टैरिफ संबंधी चिंताओं के बावजूद कॉर्पोरेट आय के बारे में आशावादी बने रहे। जापान में सप्ताहांत में हुए चुनावों के बाद बाज़ारों के फिर से खुलने पर शेयर बाज़ारों में तेज़ी देखी गई।

इसमें सत्तारूढ़ दल ने उच्च सदन में अपना बहुमत खो दिया था। जापान का निक्केई इंडेक्स 1 प्रतिशत ऊपर था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स 0.60 प्रतिशत बढ़ा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.05 फीसदी की बढ़त हुई। वहीं, एसएंडपी 500 बेंचमार्क में 0.12 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट सोमवार को दिन के कारोबार में मजबूत तेज़ी के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए।

वर्धा में जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने 43 मेगावाट सौर क्षमता जोड़ी

नई दिल्ली। जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के वर्धा स्थित अपनी परियोजना में 43 मेगावाट अतिरिक्त सौर क्षमता जोड़ने की घोषणा की। यह विस्तार 129 मेगावाट की हाइब्रिड विद्युत परियोजना का हिस्सा है, जिसकी कुल सौर क्षमता अब 103 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। कंपनी अपनी अनुषंगी संस्था, जुनिपर ग्रीन पावर फाइव प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को बिजली की आपूर्ति कर रही है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं में कंपनी के योगदान को दर्शाती है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी भारत की एक अग्रणी स्वतंत्र नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी है, जो सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं के विकास, निर्माण और संचालन पर केंद्रित है। यह विस्तार राज्य की ऊर्जा जरूरतों को हरित विकल्पों से पूरा करने में मदद करेगा।

सोने की कीमत में बीते 6 वर्षों में 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी!

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीते छह वर्षों में सोने की कीमतों में करीब 200 प्रतिशत की तेजी आई है। मई 2019 से जून 2025 तक 10 ग्राम सोने की कीमत 30,000 से बढ़कर लगभग 1,00,000 के करीब पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने बताया कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, लेकिन मौजूदा उच्च स्तर से आगे बढ़ने के लिए बाजार को नए महत्वपूर्ण कारकों की जरूरत है। फिलहाल कीमतों में स्थिरता या कंसोलिडेशन की संभावना बनी हुई है। सोना-चांदी के दामों में तेजी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन भी जारी रही। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा जारी ताजा कीमतों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 790 बढ़कर 98,896 प्रति 10 ग्राम हो गई, जबकि 22 कैरेट सोना 90,589 और 18 कैरेट सोना 74,172 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी की कीमत 765 की बढ़ोतरी के साथ 1,13,465 प्रति किलो हो गई है। चांदी ने हाल ही में 14 जुलाई को 1,13,867 प्रति किलो का रिकॉर्ड तोड़ा था। ल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी के वायदा अनुबंध की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। सोने के अगस्त 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.67 प्रतिशत बढ़कर 98,685 और चांदी के सितंबर 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,14,001 हो गई। अंतराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल देखा गया। कॉमेक्स पर सोना 0.71 प्रतिशत बढ़कर 3,382.10 प्रति औंस और चांदी 1.16 प्रतिशत बढ़कर 38.91 प्रति औंस पर पहुंच गई। इस तरह, सोना-चांदी दोनों की कीमतें उच्च स्तर पर बनी हुई हैं, लेकिन आगे की तेजी के लिए नए आर्थिक या राजनीतिक कारकों का उभरना आवश्यक है।

चीन में एप्पल को पछाड़ हुआवे बना नंबर-1 ब्रांड

मुंबई।

चीन के स्मार्टफोन बाजार में 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कुल बिक्री में 2.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट पिछले साल की समान अवधि की तुलना में है। इस दौरान अमेरिकी कंपनी एप्पल की बिक्री में 1.6 फीसदी की कमी आई है, जबकि घरेलू ब्रांड हुआवे ने 17.6 फीसदी की तेज वृद्धि दर्ज की। अब हुआवे 18.1 फीसदी मार्केट शेयर के साथ चीन की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन गई है। हुआवे की मेटे सीरीज और उन्नत 5जी फोन्स ने बाजार में उसकी पकड़ मजबूत की है। साथ ही राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में उसे सरकार और उपभोक्ताओं से व्यापक समर्थन मिल रहा है। दूसरी ओर एप्पल को अब स्थानीय ब्रांड्स से कड़ी टक्कर मिल रही है, खासकर प्रीमियम सेगमेंट में। शिओमी और हुआवे जैसे ब्रांड तेजी से आईफोन की जगह ले रहे हैं, जिससे एप्पल की चीन में स्थिति चुनौतीपूर्ण होती जा रही है।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ ने लॉन्च किए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स फंड

न्यू फंड ऑफर 21 जुलाई से शुरू होकर 4 अगस्त को बंद होगा

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्युचुअल फंड ने निवेशकों के लिए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स फंड्स लॉन्च किए हैं बीएसई 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड और बीएसई 500 क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड। इन दोनों योजनाओं का न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 21 जुलाई 2025 से शुरू होकर 4 अगस्त 2025 को बंद होगा। मोमेंटम इंडेक्स फंड उन 50 कंपनियों में निवेश करेगा जो बीएसई 500 इंडेक्स में शामिल हैं और जिनके शेयर हाल के महीनों में सबसे तेज़ी से बढ़े हैं। इसका मकसद तेजी से बढ़ते सेक्टर्स में अवसर तलाशना है। वहीं, क्वालिटी इंडेक्स फंड बीएसई 500 की उन कंपनियों में निवेश करेगा जिनकी बैलेंस शीट मजबूत है, रिटर्न ऑन इक्विटी अच्छा है और कर्ज़ कम है। यह फंड बाजार में गिरावट के समय भी स्थिरता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दोनों योजनाओं में न्यूनतम निवेश 500 से शुरू किया जा सकता है, और आगे निवेश 100 के गुणक में किया जा सकता है। एसआईपी की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसकी न्यूनतम राशि 500 प्रति माह या सप्ताह है। दोनों फंड्स का प्रबंधन प्रिया श्रीधर करेंगी।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

प्रहलाद सबनानी

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं।

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के यूनफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है।

भारत में वर्ष 2016 के पहिले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरूआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ओनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है।

भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुद्दढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं।

भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

संपादकीय

प्रभावित होती शिक्षा

वैश्विक रिपोर्ट का अनुमान है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों की स्कूली शिक्षा में डेढ़ साल तक की कमी आ सकती है। हाल के दशकों में हुई शिक्षा उपलब्धियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। गर्मी, जंगलों की आग, तूफान, बाढ, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढता स्तर शिक्षा परिणामों को प्रभावित करता है। यूनिस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार व शिक्षा निगरानी एवं मूल्यांकन परियोजना और कनाडाई विविद्यालय द्वारा संकलित रिपोर्ट के अनुसार बीते बीस वर्षो में चरम मौसम की घटनाओं के कारण कम से कम 75% समय स्कूल बंद रहे, जिससे पचास लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। बता रहे हैं, औसत से दो डिग्री अधिक तापमान का सामना करने वाले बच्चे औसत तापमान वाले बच्चों की तुलना में डेढ़ वर्ष कम शिक्षा प्राप्त कर पाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में चरम मौसम की घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित दस देशों में से आठ या तो निम्न या निम्नमध्य आय वाले हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 2024 में दुनिया भर में कम से कम 24.2 करोड़ छात्रों की शिक्षा चरम मौसम के कारण बाधित हुई। पूर्व में भी विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि छात्रों पर उस तापमान का गहरा असर होता है, जिसके वे अभ्यस्त नहीं होते। तापमान में आने वाले जबरदस्त परिवर्तन सिर्फ पढाई के समय को ही नहीं प्रभावित करते बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असरकारक होते हैं। जलभराव, सड़कों की दुर्दशा व परिवहन संबंधी दिक्कतों के चलते कितने छात्र स्कूल जाने से वंचित रह जाते हैं, इस पर कोई प्रमाणिक अध्ययन नहीं किया जाता। स्कूली शिक्षा व स्वशिक्षा की गुणवत्ता में भारी अंतर होता है। बावजूद इसके मौसमी मार से शिक्षा को बचाने के लिए ऐसे तरीके प्रयोग में लाने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, जिनकी मदद से स्वअध्ययन व इंटरनेट द्वारा पढ़ाई संभव हो सके। भारत में स्थिति और भी इसलिए बिगड़ जाती है क्योंकि यहां ढेरों स्कूलों के पास ढंग का भवन तक नहीं है। बिजली कनेक्शन या पंखों की हालात किसी से छिपी नहीं है। बेशक मौसम के चरम का असर शारीरिक होने के अतिरिक्त मानसिक भी कम नहीं होता। भीषण गरमी में पढ़ाई संभव नहीं होती। बल्कि मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ध्यान केंद्रित करने, समझ व निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। चूंकि यह वैश्विक समस्या है, इसलिए बगैर देरी किए सामूहिक रूप से इससे निपटना होगा।

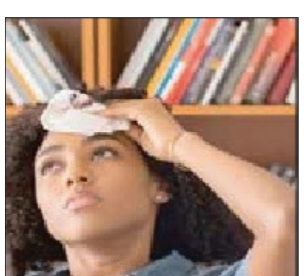

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा एक बड़ा धमाका

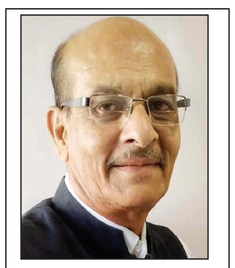

सनत जैन

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। उनके कार्यकाल को 2 साल बाकी थे। जिस आश्चर्यजनक तरीके से उनका इस्तीफा सामने आया, उसके बाद तरह-तरह की अटकलों का दौर शुरू हो गया है। धनखड़ ने अपना इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों से देने की बात कही है। राजनीतिक हल्का में यह बात किसी को पच नहीं रही है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जिस तरह से न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोला था, वह संसद को सर्वोपरि बता रहे थे। राष्ट्रपति और राज्यपाल को लेकर जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था, उसके बाद से वह लगातार सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का विरोध कर रहे थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव वाले मामले में विपक्षी सांसदों द्वारा महाभियोग का प्रस्ताव दिया गया था, उस पर उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की थी। सांसदों के हस्ताक्षर अभी तक प्रमाणित नहीं हुए और यह मामला ठंडा बस्ते में पड़ा हुआ था। इसी बीच दिल्ली हाईकोर्ट से स्थानांतरित इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार करते हुए उसमें कार्रवाई आगे बढ़ा दी थी। लोकसभा और राज्यसभा के 215 सांसदों ने यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ हस्ताक्षर किए थे। दोनों सदनों में इसे स्वीकार कर लिया गया था। धनखड़ लगातार सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोलते हुए, हर जगह कह रहे थे, संसद ही सर्वोपरि है। राष्ट्रपति ने जिन 14 मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की राय मांगी थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की खंडपीठ गठित कर इस मामले की सुनवाई करने की अधिसूचना जारी कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों की बार वरिष्ठ अधिवक्ताओं जो भी पक्ष इस बहस में शामिल होना चाहे उसके लिए अधिसूचना जारी की है। इसको लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच की लड़ाई ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है जहां पर सरकार को भारी परेशानी हो सकती है। राजनीतिक हलके में व्याप्त चर्चा के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के रिश्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से पिछले कुछ समय से तनावपूर्ण थे। राज्यसभा टीवी को लेकर भी सरकार और धनखड़ के बीच में तनाव बना हुआ था। राज्यसभा में मानसून सत्र के पहले ही दिन जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के मामले में सदन के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को, उन्होंने बोलने का मौका दिया, उसके बाद जब सदन के नेता जेपी नड्डा बोल रहे थे। नड्डा ने बोलते हुए यह कह दिया, जो वह बोल रहे हैं वही रिकॉर्ड होगा। एक तरह से नड्डा ने धनखड़ को आदेश दिया था। यह कहकर उन्होंने आसंदी के अधिकार उनके पास है, यह संदेश देने का उपक्रम किया। सदन के अंदर यह धनखड़ का एक तरह से अपमान था। यह भी कहा जा रहा है कि विपक्षी सांसदों ने इसको लेकर एतराज जताया था। इसके बाद से हलचल बढ़ी। सूत्रों के द्वारा यह भी जानकारी आ रही है कि उनका इस्तीफा दबाव बनाकर लिया गया है। इस्तीफा तैयार कराकर उनके सामने पेश किया गया था। वह हस्ताक्षर नहीं कर रहे थे, तो कोई फाइल उन्हें दिखाई गई। उसके बाद जगदीप धनखड़ ने इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए हैं। शाम को 6 बजे तक सब कुछ सामान्य था। उसके बाद राजनीतिक घटनाक्रम बड़ी तेजी के साथ चला। सारे देश को रात 9:30 बजे पता चला कि स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है। धनखड ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था, उससे सरकार की परेशानी बढ़ रही थी। सरकार और धनखड़ के बीच की दूरियां बढ़ती चली जा रही थी। उपराष्ट्रपति ने जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने का मौका दिया, वह सत्ता पक्ष को बड़ा नागवार गुजरा। सदन के अंदर गुस्से में जेपी नड्डा ने अपनी प्रतिक्रिया दे दी थी। रही सही कसर नड्डा का यह कहना कि रिकॉर्ड में वही लिखा जाएगा, जो उन्होंने कहा है। इससे धनखड़ नाराज हो गए। सरकार ने इसे धनखड़ की बगावत के रूप में देखा। शाम 6 बजे से रात 9 बजे के 3 घंटे सरकार सक्रिय हुई। दिल्ली में चर्चा है, जो इस्तीफा तैयार किया गया। वह रक्षा मंत्री के कार्यालय में तैयार हुआ था। उस पर दबाव से जगदीप धनखड़ के हस्ताक्षर कराए गए। राष्ट्रपति द्वारा स्तीफा तुरंत मंजूर कर लिया गया। उसके बाद मीडिया को सूचना दी गई है। मानसून सत्र के पहले दिन जिस तरह से धनखढ़ का इस्तीफा हुआ है, वह भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा बदलाव और बड़ा धमाका है। ग्रह नक्षत्र की दिशाएं बदल रही हैं। ज्योतिषियों द्वारा यह कहा जा रहा था। 29 अप्रैल के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, केंद्र सरकार और भाजपा की मुसीबतें बढेंगी। पिछले दो-तीन महीने से सरकार जो भी निर्णय ले रही है। सरकार का हर दांव उल्टा पड़ रहा है। बिहार में मतदाता सूची का सघन अभियान भी चुनाव आयोग और सरकार के लिए परेशानी का कारण बन गया है। सरकार और न्यायपालिका के बीच जिस तरह की जंग छिड़ी हुई है इसका समापन किस रूप में होगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। मानसून सत्र के पहले ही दिन ज्योतिषियों द्वारा की गई भविष्यवाणी का असर दिखने लगा है। आगे क्या-क्या होगा, भगवान ही मालिक है।

सावन शिवरात्रि : भस्म, डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

योगेश कुमार गोयल

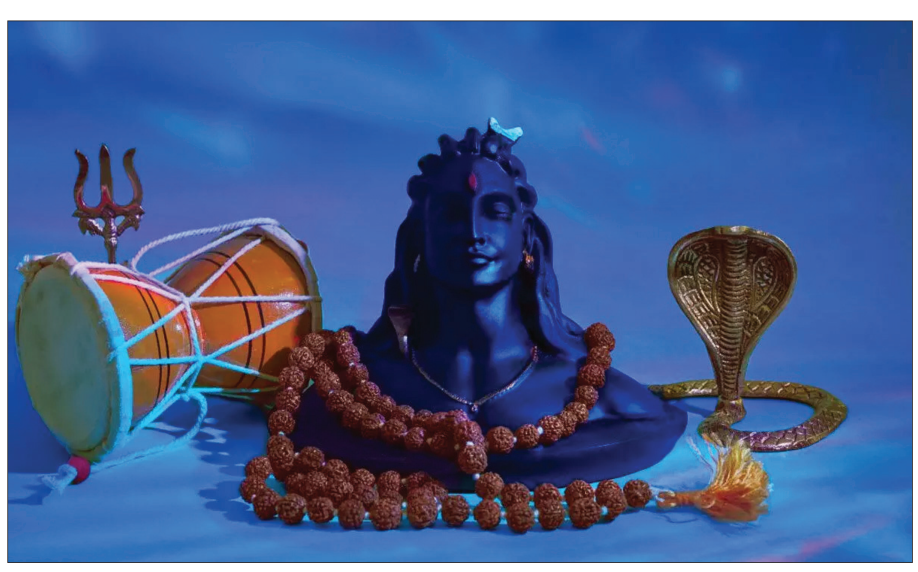

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरूआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं।

विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्न के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव ह्यचन्द्रशेखरह्न भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुंबई की हवा हुई साफ, प्रदूषण का स्तर 44 फीसदी घटा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की वायु गुणवत्ता बढ़ती आबादी, वाहनों की भीड़ और दिन-प्रतिदिन बदलते मौसम के कारण प्रदूषित होती जा रही है। इसके कारण मुंबईवासियों को कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, अब एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, यह बात सामने आई है कि मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है। दरअसल सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है। इस संबंध में जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार, मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है। देश में राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 130 शहरों में से 103 शहरों ने 2017-18 की तुलना में 2024 और 25 में अपने पीएम 10 के स्तर में सुधार किया है। इसमें मुंबई के प्रदूषण स्तर में 44 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। मुंबई के बाद इस सूची में कोलकाता शहर शामिल है। जबकि दिल्ली में 15 फीसदी और चेन्नई में 12 फीसदी प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई है। सांसद अनिल देसाई और बाबूसिंह कुशवाहा ने बढ़ते प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को लेकर मानसून संसदीय सत्र में यह मुद्दा उठाया था। उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने ये आंकड़े पेश किए। आंकड़ों के अनुसार, देश के 64 शहरों में पीएम 10 के स्तर में 20 प्रतिशत से ज़्यादा और 25 शहरों में 40 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी आई है।

19 दिनों में 3.21 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 3 जुलाई को शुरू हुई वार्षिक अमरनाथ यात्रा के 19 दिनों में 3.21 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं। मंगलवार को 3,536 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ, इसमें 1,250 यात्री बालटाल आधार शिविर के लिए और 2,286 यात्री पहलगाम आधार शिविर के लिए निकले। प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि यात्रा सुचारु और शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है। इस वर्ष यात्रा के लिए व्यापक और बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है, खासकर 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एसएसबी और स्थानीय पुलिस के अतिरिक्त, सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 8,000 से अधिक विशेष कमांडो भी तैनात किए गए हैं। छड़ी मुबारक (भगवान शिव की पवित्र छड़ी) का 10 जुलाई को पहलगाम में पूजन हुआ था। यह 4 अगस्त को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा मंदिर से गुफा मंदिर की ओर अपनी अंतिम यात्रा शुरू करेगी और 9 अगस्त को पवित्र गुफा मंदिर पहुंचेगी, जो यात्रा का आधिकारिक समापन होगा। तीर्थयात्री कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक 46 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग से या 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से पहुंचते हैं। इस वर्ष सुरक्षा कारणों से हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है।

दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति . . .

प्रथम पृष्ठ का शेष

दिल्ली सरकार राजधानी में स्वच्छ वायु, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और राजधानी में वायु प्रदूषण की बढ़ती चुनौती पर काबू पाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। ईवी नीति का यह विस्तार इसे और अधिक प्रभावशाली, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। दिल्ली सरकार का फैसला उन सभी नागरिकों, विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ मिलकर राजधानी दिल्ली के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कांवड़ियों की धार्मिक यात्रा को लेकर हिंदू आस्था पर हमला!

प्रथम पृष्ठ का शेष

यह सुनियोजित बदनामी केवल तीर्थयात्रियों पर नहीं है — यह हिंदू आध्यात्मिकता और भारत की पवित्र विरासत की जड़ों पर प्रहार है। इस पवित्र आयोजन की निंदा करने वालों की कड़ी भर्त्सना की जानी चाहिए, खासकर उन लोगों द्वारा जो सत्य, सहिष्णुता और परंपरा में विश्वास रखते हैं। भारत वह भूमि है जहां करोड़ों लोग भगवान शिव की पूजा करते हैं, जहां मंदिर मंत्रों से गूंजते हैं और जहां नदियां मां के रूप में पूजी जाती हैं। कांवड़ यात्रा इसी आध्यात्मिक पहचान का अभिन्न अंग है। जो लोग कांवड़ यात्रा को बदनाम करना चाहते हैं, उनसे हम कहते हैं — आप भक्ति की भावना को नहीं तोड़ सकते। आप श्रद्धा की विरासत को नहीं मिटा सकते। आप सनातन धर्म की सदियों पुरानी परंपराओं को कुछ झूठे आरोपों और भ्रामक सुर्खियों से नहीं झुका सकते। देश को चाहिए कि वह कांवड़ियों के संकल्प, पवित्रता और श्रद्धा का सम्मान करे — ना कि उनका अपमान। एक शोरगुल से भरी दुनिया में, ये भक्त मौन में यात्रा करते हैं — नंगे पांव, निःस्वार्थ, अडिग — और भगवान भोलेनाथ का संदेश लेकर चलते हैं। यह केवल एक यात्रा नहीं है , यह भारत की आध्यात्मिक धड़कन है।

शेष पृष्ठ 7 पर

दिल्ली सरकार की पहल पर दिल्ली में तीन दिवसीय तीज महोत्सव-2025 का आयोजन

प्रथम पृष्ठ का शेष

हमें गर्व है कि हम तीज जैसे पारंपरिक उत्सव को आधुनिक तकनीक और लोकभागीदारी के साथ एक नए रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि उत्सव में जोश भरने के लिए तीज क्विज प्रतियोगिता और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा—प्रथम पुरस्कार में ?3,000, द्वितीय में ?2,000 और तृतीय में ?1,500 रुपए विजेताओं को दिए जाएंगे।

बांग्ला भाषा और बंगाली अस्मिता को मुद्दा बनाएगी ममता बनर्जी

- लोकसभा और राज्यसभा में बांग्ला में स्पीच देंगे सांसद

- पश्चिम बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों में चुनौती

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के साथ पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एक नया चुनावी मुद्दा तैयार कर लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अगले वर्ष अप्रैल और मई माह में हो सकते हैं। जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी अभियान चला रही है। उसका विरुद्ध अब ममता बनर्जी ने शहीद दिवस की रैली के माध्यम से चुनावी अभियान का शंखनाद पश्चिम बंगाल के धर्मतल्ला से कर दिया है।

देशभर में जिस तरह बांग्ला भाषियों को बांग्लादेश का नागरिक और रोहिंग्या बताया जा रहा है। देश के अन्य राज्यों में जिस तरह से बंगालियों की एक नई पहचान भाषा के आधार पर बनाई जा रही है। उसको देखते हुए अब ममता बनर्जी ने बांग्ला अस्मिता को एक बड़ा मुद्दा बना दिया है। प्रवासी बांग्ला भाषी के नाम पर जिस तरह से बंगालियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। वह पश्चिम बंगाल के साथ-साथ असम मिजोरम एवं अन्य राज्यों के साथ-साथ बिहार, दिल्ली इत्यादि राज्यों में बांग्ला भाषियों को अपमानित करने का जो काम किया जा रहा है। उसको लेकर ममता बनर्जी ने मां- माटी-मानुष का नारा उन्होंने 2011 में दिया था। 2021 में इसी नारे के आधार पर उन्होंने भाजपा को शिकस्त दी थी। एक बार फिर बांग्ला भाषियों को आधार बनाकर ममता बनर्जी ने विधानसभा युद्ध का शंखनाद कर दिया है। इस अभियान में ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल के साथ-साथ अन्य सीमावर्ती राज्यों और हिंदी भाषी राज्यों में भी बांग्ला भाषी लोगों के बीच में समर्थन मिलने लगा है। उससे ममता बनर्जी उत्साहित हैं। संसद के दोनों सदनों में सांसद बंगाल में अपना भाषण देकर इस अभियान को और उग्र करेंगे। दिल्ली में उन्होंने एक आंदोलन खड़ा कर दिया है। दिल्ली मैं बड़ी संख्या में बांग्ला भाषी हैं। भाषा के रूप में जो अभियान भाजपा ने दिल्ली में चलाया है। उसके कारण बांग्ला बोलने वाले भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी कहकर अपमानित किया जा रहा है। इसके शिकार हिंदू और मुस्लिम दोनों ही हो रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री जिस तरह से बांग्ला भाषियों को बांग्लादेश भेजने पर आमादा हैं। उसके बाद ममता बनर्जी का यह अभियान बांग्ला भाषाओं के बीच बड़ा प्रभाव डाल रहा है। पश्चिम बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों में भाजपा को इसका नुकसान हो सकता है।

सांसद राघव चड्ढा की अपील, सभी नागरिकों को हर साल मुफ्त स्वास्थ्य जांच का कानूनी अधिकार मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भारत के सभी नागरिकों को हर साल मुफ्त स्वास्थ्य जांच का कानूनी अधिकार देने की मांग की है। आप सांसद कहना है कि कोविड-19 महामारी के बाद हार्ट अटैक और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले बढ़े हैं, इसके बाद अब यदि समय पर बीमारियों का पता लगने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सांसद चड्ढा ने अपील की कि प्रत्येक नागरिक को सालाना स्वास्थ्य जांच का कानूनी अधिकार मिलना चाहिए। सांसद का तर्क है कि कोविड के बाद दिल की बीमारियां और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ी हैं, और समय पर निदान से लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि कई विकसित देश अपने नागरिकों को मुफ्त सालाना स्वास्थ्य जांच की सुविधा देते हैं, जिसका खर्च सरकार वहन करती है। आप सांसद चड्ढा ने जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवाएं केवल अमीरों के लिए नहीं होनी चाहिए; सभी को नियमित जांच की सुविधा मिलनी चाहिए, चाहे वे गरीब हों या अमीर। बात दें कि चड्ढा की यह टिप्पणी तब आई है जब हाल ही में कई युवा और स्वस्थ दिखने वाले लोगों में भी अचानक दिल का दौरा, स्ट्रोक और अन्य गंभीर बीमारियां देखी गई हैं। भारत में हर साल होने वाली 70 प्रतिशत से अधिक मौतें दिल से जुड़ी बीमारी, कैंसर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और फेफड़ों की बीमारी जैसी गैर-संचारी बीमारियों के कारण होती हैं। लेकिन नियमित जांच से इन बीमारियों को काफी हद तक रोका जा सकता है। मोदी सरकार ने इस साल की शुरुआत में एक राष्ट्रव्यापी एनसीडी जांच अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य 30 साल और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों की डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों के लिए जांच करना था। यह अभियान आयुष्मान आरोग्य मंदिर और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर चलाया गया और इसने अपने 89.7 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा किया है।

हज यात्रा को लेकर नई गाइडलाइन... कैंसर, टीबी, लीवर सिरोसिस, हृदय और किडनी रोगी ना करें आवेदन

-सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने केंद्र और हज समिति से अपील

जमशेदपुर (एजेंसी)। हज यात्रा 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होते ही शहर के जायरीनों में उत्साह दिख रहा है, लेकिन स्वास्थ्य से जुड़ी नई शर्तों ने कई परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर वे लोग जो लंबे समय से कैंसर, टीबी या गुर्दे की गंभीर बीमारी से परेशान हैं और उम्र के अंतिम पड़ाव पर हज जाना चाहते हैं। अब वे इस बार हजयात्रा से वंचित रह सकते हैं। केंद्रीय हज समिति की ओर से जारी दिशा-निर्देश के अनुसार, इस बार हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए कुछ नई स्वास्थ्य शर्तें लागू की गई हैं। जिन लोगों को कैंसर, टीबी, लीवर सिरोसिस, हृदय रोग, किडनी (डायलिसिस पर रहने वाले) अथवा अन्य गंभीर बीमारियां हैं, वे हज यात्रा के लिए पात्र नहीं है।

इन शर्तों के मुताबिक, केवल वे जायरीन ही आवेदन करे, जो पूरी तरह स्वस्थ हों और लंबी यात्रा और मौसम की प्रतिकूलता झेल सकें। शहर के कई वरिष्ठ नागरिक जो वर्षों से हज की तैयारी में लगे थे, अब इस पाबंदी से भावुक हो उठे हैं। 68 वर्षीय मो. इमरान ने बताया कि वे कैंसर के इलाज से उबर चुके हैं और अब अपने जीवन के अंतिम वर्षों में हज जाना चाहते हैं। लेकिन नए नियमों के कारण उनका सपना अधूरा रह सकता है। इसी तरह जाकिरनगर की महिला ने कहा कि उनके पति को डायलिसिस पर है, इसके बाद अब हज जाने का सपना टूटता दिख रहा है। बात दें कि इस बार हज आवेदन के साथ मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र भी अनिवार्य किया गया है। सभी आवेदकों को प्रमाणित डॉक्टर से अपनी शारीरिक स्थिति की जांच करानी होगी। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि आवेदक किसी गंभीर रोग से ग्रसित न हो। इसके बिना पासपोर्ट सत्यापन और आगे की प्रक्रिया पूरी नहीं की जाएगी।

अमेरिका ने भारत को सौंपे खतरनाक अपाचे हेलीकॉप्टर, पाक सीमा के पास होगी तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की रक्षा क्षमताओं को और मजबूती मिली है। दरअसल अमेरिका से बोइंग एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का पहला जत्था बुधवार को भारत को सौंप दिया है। इन अत्याधुनिक युद्धक हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में तैनात किया जाएगा, जो भारतीय सेना की सामरिक शक्ति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस उपलब्धि को रक्षा क्षेत्र में एक 'मील का पत्थर' माना जा रहा है, क्योंकि ये हेलीकॉप्टर सेना को युद्धक्षेत्र में अभूतपूर्व ताकत और सटीकता प्रदान करते है।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि 'बोइंग' ने भारतीय सेना को तीन अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर सौंपे। कंपनी ने भारतीय सेना को छह हेलीकॉप्टर की सप्लाई के कॉन्ट्रैक्ट के तहत एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टर सौंपे। एएच-64 अपाचे दुनिया के सबसे एडवांस बहुउद्देशीय लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से एक है और इन्हें अमेरिकी सेना उड़ाती है। सेना ने पोस्ट में कहा, ''ये अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भारतीय सेना की परिचालन क्षमताओं को काफी मजबूत करेगा। बोइंग ने 2020 में वायुसेना को 22 ई-मॉडल अपाचे की आपूर्ति पूरी की थी और भारतीय सेना के लिए छह एएच-64ई की आपूर्ति के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे। भारतीय सेना के अपाचे की आपूर्ति 2024 में शुरू होने वाली थी

बात दें कि बोइंग एएच-64ई अपाचे को दुनिया के सबसे उन्नत हमलावर हेलीकॉप्टर माना जाता है। ये हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। हेलीकॉप्टर में हेलफायर मिसाइलें, रॉकेट और 30 मिमी ऑटोमैटिक तोप शामिल हैं, जो दुश्मन के ठिकानों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम हैं। इतना ही नहीं रात में और प्रतिकूल मौसम में भी ऑपरेशन की क्षमता, जिससे यह हर स्थिति में प्रभावी है। अपाचे की डिजाइन तेज और फुर्तीला बनाती है, जो युद्धक्षेत्र में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए आदर्श है।

इन हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में तैनात करने का निर्णय सामरिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है। जोधपुर, पश्चिमी सीमा के करीब होने के कारण, एक रणनीतिक स्थान है। यह क्षेत्र भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट है, जहां सेना को तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है। अपाचे हेलीकॉप्टरों की तैनाती से इस क्षेत्र में सेना की ऑपरेशनल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इन अत्याधुनिक हेलीकॉप्टरों को यूक्रेन की एंटोनोव एयरलाइंस के विशाल एंटोनोव एन-124 रुसलान द्वारा एरिजोना से सीधे भारत के हिंडन एयर बेस पर लाया गया। इस विमान पर बी ब्रेव लाइक बुचा लिखा हुआ था, जो यूक्रेन के बुचा शहर के साहस और प्रतिरोध का प्रतीक है। एंटोनोव एन-124 दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य परिवहन विमान है, जो भारी और विशाल कार्गो को लंबी दूरी तक ले जाने में सक्षम है।

कावंड यात्रा मार्ग पर ढाबा-रेस्तरां पर क्यूआर कोड की अनिवार्यता जारी रहेगी, योगी सरकार को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कावंड यात्रा मार्ग पर ढाबा-रेस्तरां पर क्यूआर कोड की अनिवार्यता जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर रोक लगाने से इंकार किया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और एनके सिंह की बेंच ने मंगलवार को मामले पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में योगी सरकार के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि क्यूआर कोड का नियम धार्मिक आधार पर भेदभाव और मुस्लिम समुदाय के आर्थिक बहिष्कार की कोशिश है। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि फिलहाल क्यूआर कोड की अनिवार्यता वाले आदेश पर रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी संबंधित होटल मालिक अपने लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रदर्शित करें। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदरेश ने टिप्पणी की कि यह व्यक्तिगत पसंद का मामला है कि लोग कहां खाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग हैं जो मांसाहारी भोजन परोसने वाली जगहों पर नहीं खाते हैं, इसलिए यह जानने के लिए कोई संकेत होना चाहिए कि क्या परोसा जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक भावनाएं आहत न हों, लेकिन साथ ही किसी की आजीविका भी प्रभावित न हो और बीच का रास्ता निकालना होगा। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने पिछले साल के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया, जिसमें राज्य सरकार के इस तरह के फैसले पर रोक लगाई गई थी। उन्होंने तर्क दिया कि इस नए आदेश से पहले सरकार को अदालत से अनुमति लेनी चाहिए थी। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने क्यूआर कोड के अन्य विवादित मुद्दों पर विचार नहीं किया है और केवल लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रदर्शित करने के आदेश को ही पारित किया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जानकारी देकर अधिवक्ता बरुण सिन्हा ने कहा, क्यूआर कोड के मामले में न्यायालय ने मंगलवार को कोई आदेश पारित करने से इंकार किया है। कोर्ट ने सिर्फ मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर अंतरिम आवेदन पर अपना फैसला सुनाया। आदेश है कि उन्हें लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिखाना होगा।

बिहार विधानसभा में विपक्ष का हंगामा, काले कपड़े पहनकर पहुंची राबड़ी देवी

सत्तापक्ष का तंज....विपक्ष पर शनिचर ग्रह चल रहा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया, जिसके चलते सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी शामिल थीं, काले कपड़े पहनकर सदन में आए थे और उन्होंने एसआईआर (एसआईआर) और अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर नीतिश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी विपक्षी सदस्य, जिसमें राबड़ी देवी भी शामिल थीं, ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि बिहार में एसआईआर नहीं बल्कि वोटबंदी का अभियान चल रहा है।

दरअसल विपक्ष बिहार में एसआईआर और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सदन में बहस की मांग कर रहा था। उनकी मांग पूरी न होने पर उन्होंने प्लेकार्ड लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामे के चलते विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। विधान परिषद की कार्यवाही भी शोर-शराबे के कारण स्थगित करनी पड़ी। वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायकों ने विपक्ष के काले कपड़े पहनने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि विपक्ष आने वाले समय में जनता द्वारा कालिख पोतने का रिहर्सल कर रहा है, और उनकी मंशा सदन को न चलने देने की है। वहीं डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया कि विपक्ष काले कपड़े में अपने काले कारनामे छिपाना चाहता है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने व्यंग्य किया कि विपक्ष पर शनिचर ग्रह चल रहा है, इसलिए वे काले कपड़े पहन रहे हैं, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं होगा।

सरकार की तैयारी: वाहन में बच्चे हैं और नियम तोड़ा तो दो गुना लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। यातायात के नियमों को ठेंगा दिखाने वालों पर सरकार शिकंजा कसने जा रही है। इसके लिए सड़क परिवहन मंत्रालय एक नया नियम लाने जा रहा है, जिसके लिए प्रस्ताव रखा गया है। यह नियम उन लोगों के लिए है जो बच्चों के साथ गाड़ी चलाते हैं। अगर ऐसे लोग ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं, तो उन पर औरों से ज्यादा जुर्माना लगेगा। सरकार ड्राइवरों के लिए एक मेरिट और डिमेरिट (पॉजिटिव और नेगेटिव) पॉइंट सिस्टम भी शुरू करेगी। मतलब ट्रैफिक नियमों का पालन करने वालों को इनाम और अनदेखी करने वालों को सजा मिलेगी।

इस प्रस्ताव पर एक रोड सेफ्टी एक्सपर्ट का कहना है कि आज भी ट्रैफिक पुलिस सिर्फ कुछ ही अपराधों के लिए चालान काटती है, जैसे कि तेज गति, शराब पीकर गाड़ी चलाना, लाल बत्ती जंप करना, फोन का इस्तेमाल करना और सीट बेल्ट या हेलमेट न पहनना। जबकि मोटर व्हीकल एक्टमें 100 से ज्यादा अपराध शामिल हैं। नए नियम के तहत मेरिट और डिमेरिट पॉइंट सिस्टम में सरकार एक सीमा तय करेगी। अगर किसी ड्राइवर के नेगेटिव पॉइंट उस सीमा से ज्यादा हो जाते हैं, तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द भी हो सकता है। इसका मतलब है कि अगर आप बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं, तो आपका लाइसेंस रद्द हो सकता है। यह एक गंभीर सजा है। प्रस्तावित बदलावों में यह भी शामिल है कि अगर किसी ड्राइवर लाइसेंस शख्स ने ट्रैफिक नियम तोड़े हैं, तो उसे लाइसेंस रिन्यू कराने से पहले ड्राइविंग टेस्ट देना होगा। यह नियम उन लोगों पर लागू होगा जिनके लाइसेंस की अवधि खत्म होने वाली है। इसका मतलब है कि अगर आपने पहले गलती की है, तो आपको दोबारा साबित करना होगा कि आप सुरक्षित गाड़ी चला सकते हैं।

मंत्रालय, मोटर वाहन अधिनियम में बदलाव करने की सोच रहा है, इसका मकसद सड़कों को सुरक्षित बनाना है। सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि लोग बच्चों के साथ गाड़ी चलाते समय नियमों का ध्यान नहीं रखते। स्कूल बसें भी अक्सर नियम तोड़ती हैं। जुर्माना बढ़ने से लोग डरेंगे और नियमों का पालन करेंगे। इससे सड़क दुर्घटनाएं कम होंगी। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ नियम बनाने से कुछ नहीं होगा। अगर नियमों को ठीक से लागू नहीं किया गया, तो यह भ्रष्टाचार का एक और तरीका बन सकता है। मंत्रालय ने इंश्योरेंस प्रीमियम को भी ड्राइवरों के व्यवहार से जोड़ने का प्रस्ताव रखा है। इसका मतलब है, जो ड्राइवर अच्छे से गाड़ी चलाएंगे, उन्हें इंश्योरेंस प्रीमियम में छूट मिल सकती है। यह एक अच्छा प्रोत्साहन है, जो लोग सुरक्षित गाड़ी चलाते हैं, उन्हें इसका फायदा मिलेगा। इन सभी बदलावों का मकसद यही है कि लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सड़कें सुरक्षित रहें। सरकार चाहती है कि लोग अपनी जिम्मेदारी समझें और दूसरों की जान की परवाह करें। सड़क सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। हालांकी कुछ एक्सपर्ट ने सवाल खड़ा किया है कि नए प्रस्ताव के तहत कैमरे कैसे पहचानेंगे कि कार की पिछली सीट पर कोई नाबालिग बैठा है या नहीं? और क्या पुलिस वाले गाड़ियों को

रोककर अंदर बैठे लोगों की उम्र चेक करेंगे? कानून बनाते समय हम पूरे भारत के बारे में नहीं सोचते, बल्कि सिर्फ दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बड़े शहरों के बारे में सोचते हैं। इसका मतलब है कि नियम बनाना आसान है, लेकिन उन्हें लागू करना मुश्किल है।

प्रेग्नेंसी में सुपरफूड की तरह काम करता है शरीफा

शिशु का होता है तेज दिमाग

हर कोई चाहता है कि उसका बच्चा तेज दिमाग के साथ स्वस्थ रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ खास चीजों खाई जाएं। शरीफा ऐसा ही फल है जो आपके शिशु का मानिसिक और शारीरिक विकास बेहतर करता है। शरीफा विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स बढ़ाते हैं इम्युनगर्भ में पल रहे शिशु के लिए अमृत समान होता है। शरीफा पोषक तत्वों का खजाना होता है। खासतौर से अगर इसे प्रेग्नेंसी में खाया जाए तो मां ही नहीं गर्भ में पल रहे शिशु के भी सारे पोषण की जरूर पूरी होती है। हालांकि शरीफा कई गभींर रोगों में भी बहुत फायदेमंद होता है। हाई और लो हाई बीपी, डायबिटीज, हृदय रोग के जोखिमों से बचाने के साथ ये इम्युन सिस्टम को भी मजबूत बनाता है, इससे शरीर को रोगों से लड़ने कि अपार शक्ति मिलती है।

विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर होने के कारण ये एलर्जी और कैंसर के जोखिम से भी बचाता है। ये शरीर को मुक्त कणों या फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता हैं। इसमें बहुत अच्छी मात्रा में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है। शरीफा में विटामिन ए भी होता है जो आंखों के लिए बहुत अच्छा होता है। इतना ही नहीं अपच-गैस आदि में भी इसका सेवन लाभप्रद होता है। इसे किसी भी रूप में खाया जा सकता है। आप चाहें इसका स्मूदी बनाएं या शेक पीएं या साबुत खाएं।

प्रेग्नेंसी में लाभदायक

प्रेग्नेंसी में शरीफा को रोज की डाइट का हिस्सा बना लें। कम से कम तीन शरीफा रोज खाएं। ऐसा करके न केवल आप अपने बच्चे का तेजी से विकास करेंगी बल्कि इससे शिशु का मस्तिष्क और प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावी ढंग से विकसित होगा। इसे रोज खाने गर्भपात के जोखिम भी कम होते हैं और नार्मल डिलेवरी के दौरान पीड़ा भी कम होती है। ये अंदर से शरीर को मजबूत बनाता है।

हार्ट अटैक के खतरे करता है कम

शरीफे में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा बहुत होती है और ये हार्ट अटैक के जोखिमों को रोकने में बहुत मददगार होते हैं। रोज यदि इसका सेवन किया जाए तो इससे मांसपेशियों मजबूत होती हैं और दर्द में भी आराम मिलता है। विटामिन बी 6 होमोसिस्टीन संग्रह को रोकता है, जिससे हृदय रोग जैसा जोखिम कम होतें हैं।

इम्युन होता है मजबूत

रोज तीन शरीफा जरूर खाना चाहिए। इसे खाने से इम्युन जनित रोग होने की संभावना नहीं रहती है, वहीं बीमारियों से रिकवर होने में बहुत मदद मिलती है। इसे खाने से इम्युन सिस्टम बहुत मजबूत होता है जिससे शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है।

सुस्ती और थकान को करता है दूर

शरीफा खाने से न सिर्फ थकान, सुस्ती और कमजोरी दूर होती है मांसपेशियों में होने वाले दर्द से भी ये आराम दिलाता है।

डायबिटीज और ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है

यह टाइप -2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने के साथ शरीफा हाई और लो बीपी में भी फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में होता है जिससे ये दो बीमारियां कंट्रोल में रहती है।

शरीफा को रोज सुबह या दोपहर में खाना ज्यादा श्रेयस्कर होता है। कोशिश करे कि एक साथ दो शरीफा जरूर खाएं।

घनी पलकें ही नहीं दमकती, त्वचा के लिए भी फायदेमंद है एलोवेरा जेल

अगर आप अपनी लंबी घनी पलकों के साथ दमकती त्वचा का सपना देखती हैं तो एलोवेरा बिना आपकी जेब ढीली किए आपका ये सपना पूरा कर सकता है। महिलाओं की ऐसी ही सेहत और खूबसूरती से जुड़ी हर छोटी बड़ी परेशानी को ध्यान में रखते हुए वीमेन हेल्थ और केयर पर फोकस करने वाली वेलनेस साइट हेल्थ शॉट्स पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक जानते हैं आखिर कैसे एलोवेरा का उपयोग करके आप घर पर पा सकते हैं पार्लर जैसा निखार।

त्वचा का बचाव

एलोवेरा प्राकृतिक रूप से विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। एलोवेरा का नियमित इस्तेमाल त्वचा में कसावट लाने के साथ त्वचा की रंगत भी निखारता है।

कैसे करें इस्तेमाल: चेहरे को धोने के बाद रोजाना एलोवेरा रस को त्वचा पर दो बार लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

लंबी पलकों और भौंहों के लिए एलोवेरा

लंबी पलके और घनी भौंहों की चाहत अगर आप भी रखते हैं तो आपका ये सपना एलोवेरा पूरा कर सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल: पलकों को घना बनाने के लिए एलोवेरा जेल को रूई या मस्करा लगाने वाली साफ छड़ी का उपयोग करते हुए पलकों और भौंहों पर लगाएं। 15 मिनट बाद इस जेल को भौंहों और पलकों से छुड़ाने के लिए ऐलोवेरा जेल में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिलाकर इस मिश्रण को अपनी पलकों पर लगाकर एक रूई की मदद से धीरे से पोंछ लें।

त्वचा के लिए बेहतरीन मास्क

त्वचा में कसाव लाने के लिए एलोवेरा एक बेहतरीन मास्क है। इस मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा चम्मच बेसन दो चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगा लें। अब 30 मिनट बाद चेहरे को धो लें।

मुहांसों से निजात पाने के लिए एलोवेरा जेल

अगर आप भी अक्सर मुहांसों की समस्या से परेशान रहते हैं तो अब उन्हें अलविदा कहने का समय आ गया है। मुहांसों से निजात पाने के लिए सबसे पहले 40 मिली मिनरल वाटर, तीन चम्मच एलोवेरा जेल और दो बूंद टी ट्री ऑयल लें। अब इन सभी चीजों को एक छोटी सी स्प्रे बोतल में डालकर अच्छे से हिलाते हुए मिला लें। अब चेहरे पर जिस जगह मुहांसे हैं उस जगह पर इसे स्प्रे करके इसे सूखने दें। ऐसा करते समय अपनी आंखों को बचाकर रखें।

रेसिपी

मटर कुलचा

सामग्री

■ 2 कप सूखी मटर ■ बारीक कटी 2 हरी मिर्च ■ 1 कप बारीक कटा प्याज ■ 1 कप बारीक कटा टमाटर ■ एक नींबू का रस ■ 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर ■ 2 चम्मच चाट मसाला ■ 3 चुटकी मीठा सोडा पाउडर ■ 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर ■ स्वादानुसार नमक ■ आधा कप बारीक कटा हरा धनिया

विधि

मटर को 6 से 7 घंटे पानी में भिगो दें। अब इसे प्रेशर कूकर में पानी डालकर मीठा सोडा पाउडर, हल्दी पाउडर और थोड़ा नमक मिलाकर उबाल लें। कूकर में 3-4 सीटी आने के बाद गैस धीमी कर दें और फिर 2 से 3 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का प्रेशर खत्म होने पर ही उसका ढक्कन खोलें और मटर को एक बड़ी चम्मच से अच्छी तरह चलाकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, टमाटर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर मटर में नींबू का रस मिलाकर 5 मिनट और मध्यम आंच में गैस पर रखकर पकाएं। गैस बंद कर दें, चटपटे मटर तैयार हैं, कुलचे के साथ इसे सर्व करें।

रेसिपी

मॉलिगेटॉनी सूप

सामग्री

■ 2 टीस्पून कुकिंग ऑयल ■ 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ ■ ½ कप लाल मसूर की दाल ■ ¼ कप चावल ■ 2 टुकड़ों में कटी गाजर ■ 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स ■ 2 बारीक कटे टमाटर ■ 1 बारीक कटा सेब ■ ½ कप बारीक कटा प्याज ■ 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट ■ गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

विधि

2 टीस्पून कुकिंग ऑयल, 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ, ½ कप लाल मसूर की दाल, द कप चावल, 2 टुकड़ों में कटी गाजर, 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स, 2 बारीक कटे टमाटर, 1 बारीक कटा सेब, ½ कप बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट, गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 5019

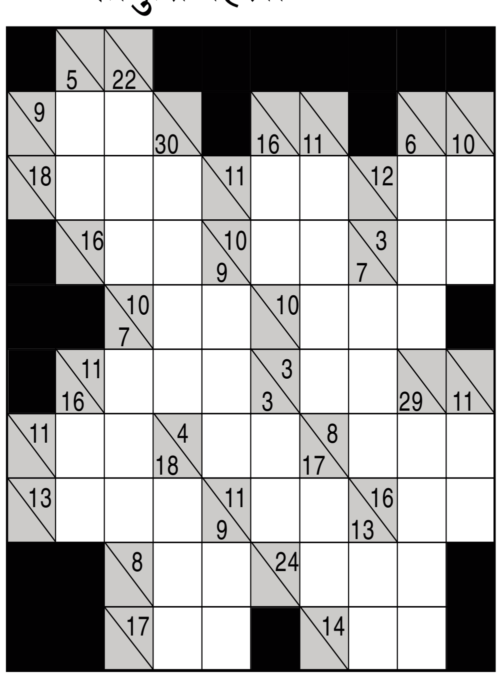

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

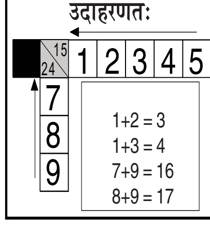

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -5018 का हल

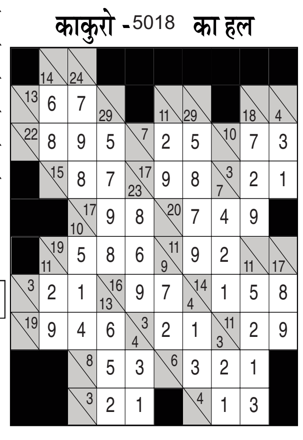

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

फिल्म वर्ग पहेली- 5019

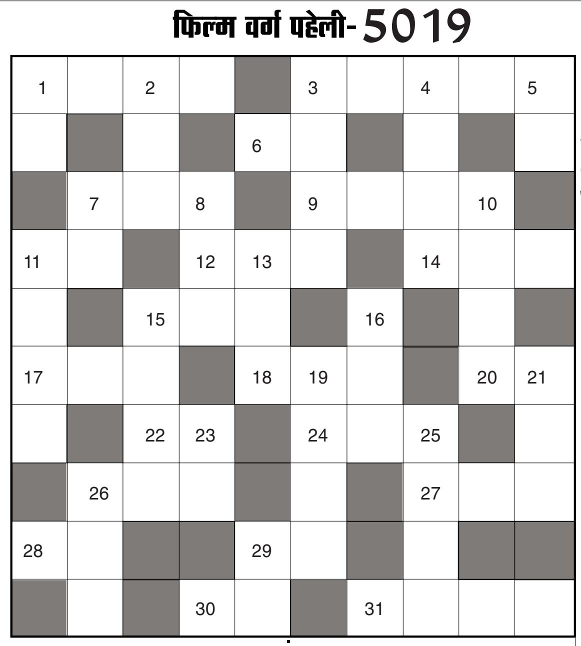

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5018

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	स		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	रा	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

सूडोकु -5019

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5018 । हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 5019

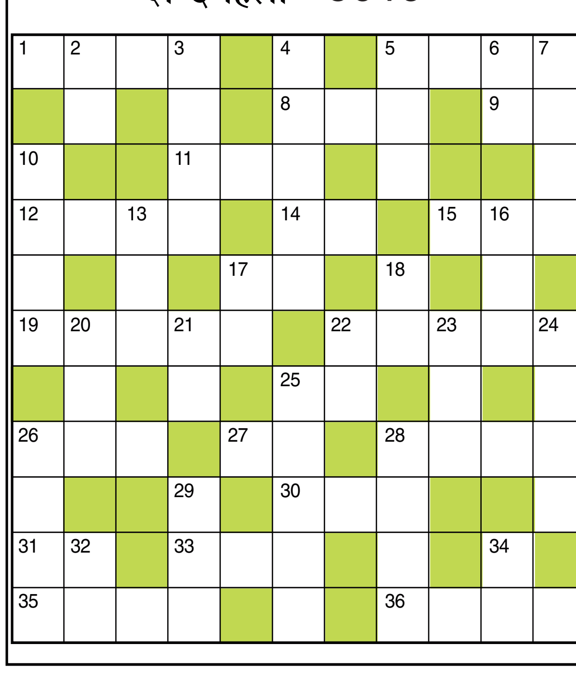

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -5018 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	व	ता	र	

धूमधाम से निकली भगवान महाकाल की सवारी, दो स्वरूपों में भक्तों को दिए दर्शन

एजेंसी

उज्जैन। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में श्रावण के दूसरे भगवान महाकाल की दूसरी सवारी धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान बाबा महाकाल ने दो स्वरूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। अवंतिकानाथ श्री चंद्रमौलेश्वर के रूप में चांदी की पालकी में तथा हाथी पर श्री मनमहेश के रूप में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले और अपनी प्रजा का हाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भगवान महाकाल की श्रावण माह की दूसरी सवारी में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सवारी निकलने के पूर्व सभा मंडप में पालकी का पूजन-अर्चन किया। सर्वप्रथम भगवान महाकाल का षोडशोपचार से पूजन-अर्चन कर आरती की गई। इसके बाद शाम चार बजे बाबा महाकाल पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर के रूप में तथा हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में विराजित होकर अपने भक्तों को दर्शन देने और अपनी प्रजा का कुशल-मंगल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में सवार श्री चन्द्रमौलेश्वर भगवान को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दिया गया।

गैंगस्टर चंदन मिश्रा के हत्यारों को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग, मुठभेड़ में एक गिरफ्तार

पटना। गैंगस्टर चंदन मिश्रा के हत्यारों को दबोचने गई पुलिस और पटना स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम पर मंगलवार तड़के भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो अपराधियों के पैर-हाथ में गोली लगी है। एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया। भोजपुर पुलिस की विज्ञप्ति के अनुसार, अपराधियों ने पुलिस को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दो अपराधी बलवन्त कुमार सिंह और रविरंजन सिंह को हाथ और पैर में गोली लगी है। एक अपराधी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उन्होंने गुनाह कबूल कर लिया। घायल अपराधियों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भोजपुर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह मुठभेड़ चंदन मिश्रा हत्याकांड से जुड़े संगठित गिरोह की तलाश के दौरान हुई है। कुछ आरोपित फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है। इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ वामपंथी नेता वी.एस. अच्युतानंदन का निधन

तिरुवनंतपुरम। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ वामपंथी नेता वी.एस. अच्युतानंदन का निधन हो गया। वे 102 वर्ष के थे। आज दोपहर 3.20 बजे तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। अच्युतानंदन को बीते 23 जून को घर पर दिल का दौरा पड़ने के बाद तिरुवनंतपुरम के एसयूटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब से वे गहन चिकित्सा इकाई में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। पूर्व सीएम अच्युतानंदन के निधन की सूचना के बाद मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और सीपीएम के राज्य सचिव एमवी गोविंदन परिवार से मिलने अस्पताल पहुंचे हैं। राजनीतिक नेताओं का एक बड़ा तांता अस्पताल में श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ रहा है। राजनीतिक करियरः वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्षरत एवं राज्य की राजनीति में एक मजबूत उपस्थिति रखने वाले अच्युतानंदन 2019 में एक मामूली स्ट्रोक के बाद सार्वजनिक जीवन से दूर हो गए थे। जनवरी 2021 में उन्होंने प्रशासनिक सुधार समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और तब से तिरुवनंतपुरम में अपने बेटे-बेटी के साथ बारी-बारी से रह रहे थे। 1964 में अविभाजित पार्टी के विभाजन के बाद सीपीएम के संस्थापक नेता, अच्युतानंदन के लोकलुभावन रुख और अडिग छवि ने उन्हें सभी दलों का सम्मान दिलाया। वे 2001 से 2006 तक विपक्ष के नेता रहे, जब उन्होंने ए.के. एंटनी के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार पर हमले का नेतृत्व किया था। 2006 में, उन्होंने सीपीएम के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे को जीत दिलाई और 2011 तक मुख्यमंत्री रहे।

2006 के मुंबई धमाकों में आरोपितों को बरी किए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगीः मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि सरकार 2006 के मुंबई विस्फोट मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा सभी 12 लोगों को बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। उन्होंने कहा, बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला बेहद चौंकाने वाला है। दरअसल 11 जुलाई, 2006 को शाम के व्यस्त समय में मुंबई की लोकल ट्रेनों में कई शक्तिशाली विस्फोट हुए थे। प्रथम श्रेणी के डिब्बों में 11 मिनट के अंतराल पर हुए सात विस्फोटों में 209 लोग मारे गए थे। इस घटना में 800 से ज्यादा घायल हुए थे। बिहार के कमाल अंसारी, मुंबई के मोहम्मद फैसल अताउर रहमान शेख, ठाणे के एहतेशाम कुतुबुद्दीन सिद्दीकी, सिकंदराबाद के नवीद हुसैन खान और महाराष्ट्र के जलगाँव के आसिफ खान को बम लगाने का दोषी पाया गया और उन्हें निचली कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी।

चीन सीमा पर दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा तैयार, अक्टूबर तक चालू होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन से लगी सीमा के पास दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा लगभग तैयार हो गया है और अक्टूबर तक चालू हो जाएगा। अब वास्तविक नियंत्रण रेखा से 50 किलोमीटर दूर न्योमा एयरफील्ड को अपग्रेड करके तैयार किये गए इस हवाई अड्डे से मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई विमान उड़ान भर सकेंगे। न्योमा हवाई अड्डा से भारत चीनी सेना के झिंजियांग सैन्य क्षेत्र और पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में बेस कादरी का मुकाबला करने में सक्षम होगा। दरअसल, लेह और थोइस के अलावा लद्दाख में लड़ाकू विमानों के लिए एक वैकल्पिक ऑपरेटिंग बेस की जरूरत महसूस की गई, क्योंकि मौसम की स्थिति ने इन दोनों अड्डों की परिचालन क्षमता को प्रभावित किया था। इसके लिए भारतीय वायु सेना ने लद्दाख में स्थित दौलत बेग

ओल्डी (डीबीओ), न्योमा और फुकचे का अध्ययन किया, ताकि यह समझा जा सके कि इनमें से किसका इस्तेमाल लड़ाकू अभियानों के लिए किया जा सकता है। फिलहाल 16,600 फीट की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई युद्ध क्षेत्र होने के बावजूद बेग ओल्डी (डीबीओ) इसलिए बेहतर नहीं माना गया, क्योंकि यह चीनियों की नजर के भीतर है। दूसरी तरफ, फुकचे में रनवे का विस्तार करने और अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण की क्षमता सीमित थी, इसलिए पलड़ा न्योमा के पक्ष में झुक गया। न्योमा का पक्ष उसके मौसम ने भी मजबूत किया, जो पूरे वर्ष में अधिकतर चालू रहता है। हालांकि, यहां चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य के चलते पर्यावरणीय मंजूरी से संबंधित एक समस्या सामने आई, क्योंकि यह किआंग या तिब्बती जंगली गधे और दुर्लभ काली गर्दन वाले क्रेन का घर है। इसके बाद भारतीय वायुसेना ने पर्यावरण मंजूरी हासिल करने के लिए विस्तार योजनाओं पर फिर से काम किया, जो कुछ शर्तों के साथ पूरी होने पर न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के अपग्रेड होने का रास्ता साफ हो गया। भारत ने चीनी बुनियादी ढांचे की विकास गतिविधियों के जवाब के रूप में पूर्वी लद्दाख सीमा के पास 18 सितंबर, 2009 को शिलान्यास किये गए न्योमा एयरफील्ड को अपग्रेड करने का फैसला लिया था।

बदरी-केदार धाम में तीर्थयात्रियों का निरंतर आगमन, 25 लाख से अधिक ने किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून। बदरी-केदार धाम में बरसात के बावजूद तीर्थयात्रियों का आगमन निरंतर जारी है और अब तक 25 लाख 60 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दोनों धामों में दर्शन किए हैं। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि सावन माह में केदारनाथ धाम में यात्रियों की संख्या पिछले सप्ताह की तुलना में बढ़ गई है और धामों में बड़ी संख्या में कांवड़िए जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। बीते सप्ताह जहां प्रतिदिन दो? से ढाई हजार श्रद्धालु केदारनाथ धाम दर्शन को पहुंच रहे थे, वहीं बीते शुक्रवार 18 जुलाई को 6,432 और 19 जुलाई शनिवार को 9,315 व 20 जुलाई रविवार को 12,534 श्रद्धालुओं ने भगवान केदारनाथ के दर्शन? किए। कुल 13,91,348 तीर्थयात्रियों ने रविवार 20 जुलाई देर शाम तक दर्शन किए। बदरीनाथ धाम में भी तीर्थयात्रियों की संख्या डेढ़ हजार प्रतिदिन से कहीं अधिक बढ गई है। शनिवार 19 जुलाई को 1766 और रविवार को 7943 तीर्थयात्रियों ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए और 20 जुलाई रविवार देर शाम तक कुल 11,69197 तीर्थयात्रियों ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए हैं। इस तरह रविवार शाम तक बद्रीनाथ और केदारनाथ दोनों धामों में 25,60,545 से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किया। द्विवेदी ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं और बदरीनाथ धाम व केदारनाथ धाम में बड़ी संख्या में यात्री पहुंच रहे हैं।

शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को ईडी 22 जुलाई को विशेष कोर्ट में पेश करेगी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हुए बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। ईडी ने उन्हें 18 जुलाई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया और 22 जुलाई, 2025 तक के लिए अदालत से रिमांड ले लिया है। जारी प्रेस नोट में ईडी ने कहा है कि चैतन्य बघेल को इस घोटाले से 16.70 करोड़ रुपये की आपराधिक आय प्राप्त हुई थी, जिसे उन्होंने अपनी रियल एस्टेट कंपनियों के जरिए वैध दिखाने की कोशिश की। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को मंगलवार यानी 22 जुलाई को विशेष कोर्ट में ईडी पेश करेगी। जांच एजेंसी का दावा है कि इस राशि का इस्तेमाल उन्होंने अपने प्रोजेक्ट्स के निर्माण में नकद भुगतान और बैंकिंग प्रविष्टियों के जरिए किया। ईडी की जांच में यह भी बताया है कि चैतन्य ने कथित रूप से त्रिलोक सिंह ढिल्लों के साथ मिलकर 'विट्ठलपुरम प्रोजेक्ट'

में फ्लैट की फर्जी खरीद के जरिए 5 करोड़ की नकद राशि का गलत तरीके से लेनदेन किया। बैंक ट्रांजैक्शन ट्रेल से पता चलता है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लों के खाते में इस घोटाले से जुड़े धन की आवक हुई थी। ईडी ने चैतन्य बघेल पर घोटाले से संबंधित 1000 करोड़ से अधिक की आपराधिक आय को संभालने और उसे प्रदेश कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष को सौंपने में अहम भूमिका निभाने का भी आरोप लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस धनराशि का उपयोग राजनीतिक और व्यावसायिक निवेश में किया गया था। ईडी ने इस मामले में पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के अधिकारी अरुण पति त्रिपाठी, कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लों, विधायक कवासी लखमा और कारोबारी अनवर ढेबर की अब तक गिरफ्तारियां की हैं।

श्रीहरिकोटा से उपग्रह 'निसार' का प्रक्षेपण 30 जुलाई को होगा : इसरो

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नासा का संयुक्त मिशन 'निसार' उपग्रह 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से शाम 5 बजकर 40 मिनट पर लॉन्च होगा। 1.5 बिलियन डॉलर का यह मिशन पृथ्वी की सतह की निगरानी में मददगार होगा। निसार उपग्रह हर 12 दिन में पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में मदद करेगा। इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट करके जानकारी दी कि नासा के साथ संयुक्त उपग्रह निसार का प्रक्षेपण करने के लिए तैयार हैं। 30 जुलाई, 2025 को भारतीय समयानुसार श्रीहरिकोटा से पहले संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निसार का प्रक्षेपण किया जाएगा। निसार हर 12 दिनों में पूरे पृथ्वी को स्कैन करेगा और उच्च-रिज़ॉल्यूशन, सभी मौसमों, दिन-रात के आंकड़े प्रदान करेगा। यह पृथ्वी की सतह में सूक्ष्म परिवर्तनों का भी पता लगा सकता है। जैसे ज़मीन का विरूपण, बर्फ की चादर में बदलाव और वनस्पति की गतिशीलता। यह मिशन समुद्री बर्फ की निगरानी, जहाज़ों का पता लगाने, तूफ़ान पर नज़र रखने, मिट्टी की नमी में बदलाव, सतही जल मानचित्रण और आपदा प्रतिक्रिया सहित कई महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में सहायक होगा। इसरो ने कहा कि नासा, जेपीएल के बीच एक दशक से भी ज़्यादा के सहयोग में एक मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है कि निसार उपग्रह दुनिया में अपनी तरह का पहला उपग्रह है जो प्रत्येक 12 दिनों पर समूची पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा। यह एक सेंटीमीटर स्तर तक की सटीक फोटो खींचने व प्रसारित करने में सक्षम है। इसमें नासा की तरफ से तैयार एल-बैंड और इसरो की ओर से विकसित एस-बैंड रडार लगाया गया है, जिन्हें विश्व में सबसे उन्नत माना जा रहा है।

रियल-टाइम निगरानी में करेगा मददः यह तकनीक प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन और बाढ़ की रियल-टाइम निगरानी में मदद करेगा। इसलिए भी इसे भारत के लिए खास तौर पर उपयोगी माना जा रहा है। यह मिशन न केवल प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी और प्रबंधन में सहायक होगा बल्कि कृषि, जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की नमी का सटीक अनुमान लागने के लिए भी डाटा भेजेगा।

राष्ट्रीय शक्ति, कूटनीति और समुद्री सुरक्षा का अहम स्तंभ बनी भारतीय नौसेना : वाइस एडमिरल देशमुख

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय नौसेना अब केवल एक सैन्य बल नहीं बल्कि राष्ट्रीय शक्ति के प्रदर्शन, कूटनीतिक प्रयासों और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक निर्णायक साधन बन चुकी है। यह बात भारतीय नौसेना के चीफ ऑफ मटेरियल वाइस एडमिरल किरण देशमुख ने कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लि. (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आठवें और अंतिम पनडुब्बी रोधी जलपोत 'अजय' के जलावतरण समारोह में कही। वाइस एडमिरल देशमुख ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, संसाधनों पर नियंत्रण और समुद्री सुरक्षा से जुड़े बढ़ते खतरों के बीच भारतीय नौसेना की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने बताया कि हिंद महासागर क्षेत्र में 80 प्रतिशत वैश्विक व्यापार होता है और इस

स्थिति में भारत को समुद्री सुरक्षा के लिए विश्वसनीय साझेदार और मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियानों में अग्रिम पंक्ति के जवाबदाता की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ाते हुए देश के विभिन्न शिपयार्ड में नौसेना के लिए विविध भूमिकाओं वाले जहाजों का बड़े पैमाने पर निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने जीआरएसई की सराहना करते हुए कहा कि इस शिपयार्ड ने अब तक भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के लिए 110 से अधिक युद्धपोतों का निर्माण किया है, जो किसी भी भारतीय शिपयार्ड के लिए सर्वाधिक है। देशमुख ने यह भी कहा कि भारत उन गिने-चुने देशों में शामिल है जो आधुनिक युद्धपोतों के साथ-साथ परंपरागत और परमाणु पनडुब्बियां एवं विमानवाहक पोत भी स्वदेश में बना रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि यह 'अजय' तीसरी पीढ़ी का युद्धपोत है। पहला 'अजय' युद्धपोत छह दशक पहले सितंबर 1961 में जीआरएसई द्वारा ही निर्मित किया गया था।जीआरएसई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कमोडोर (सेवानिवृत्त) पी.आर. हरि ने बताया कि नए 'अजय' को तटीय इलाकों में प्रभावी संचालन के लिए कम ड्राफ्ट के साथ डिजाइन किया गया है। यह जहाज सतही लक्ष्यों पर हमला करने, समुद्री खदानें बिछाने और पनडुब्बी रोधी निगरानी अभियान चलाने में सक्षम है। इसके साथ ही यह हल्के टॉरपीडो, एएसडब्ल्यू रॉकेट जैसे अत्याधुनिक हथियारों से लैस है तथा विमानों के साथ समन्वित अभियान भी चला सकता है। इस जलपोत के जलावतरण के साथ ही भारतीय नौसेना के तटीय सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूती मिली है।

सीपीआई ने तेजस्वी यादव को सौंपी 24 सीटों की लिस्ट

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर चर्चा चल रही है। इस बीच लेफ्ट पार्टी सीपीआई ने आईएनडीआई गठबंधन की कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष तेजस्वी यादव को सोमवार 24 सीटों की लिस्ट सौंपी। सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में 6 सीटों पर हमने चुनाव लड़ा था। मगर पार्टी उससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार थी। सीपीआई के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने कहा कि माले को पिछले चुनाव में 19 सीटें दी गई थीं, तो भाकपा को भी 20 सीटें मिलनी चाहिए थीं। सीपीआई ने कहा कि उनकी इस बार 24 सीटों पर तैयारी है। इसकी सूची तेजस्वी को सौंप दी गई है। उल्लेखनीय है कि बिहार में आगामी अक्टूबर और नवंबर के महीने में विधानसभा चुनाव संभावित है।

सीपीआई के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने कहा कि माले को पिछले चुनाव में 19 सीटें दी गई थीं, तो भाकपा को भी 20 सीटें मिलनी चाहिए थीं।

महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, तीनों लेफ्ट पार्टियां-सीपीआई, सीपीएम एवं सीपीआई-माले और वीआईपी यानी कुल 6 दल मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। पशुपति पारस की रालोजपा के भी महागठबंधन में आने पर बात चल रही है।

जीआरएसई ने भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अजय' का जलावतरण किया

एजेंसी

कोलकाता। समुद्र में भारतीय नौसेना लगातार अपनी ताकतों में इजाफा कर रही है। इसी बीच कोलकाता स्थित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने भारतीय नौसेना के लिए तैयार की गई आठ पनडुब्बी रोधी जलपोतों की श्रृंखला का अंतिम पोत 'अजय' सफलतापूर्वक जलावतरण किया। यह कार्यक्रम जीआरएसई के कोलकाता यार्ड में आयोजित हुआ।

इस जलपोत का जलावतरण नौसेना के चीफ ऑफ मटेरियल वाइस एडमिरल किरण देशमुख की पत्नी प्रिया देशमुख के हाथों हुआ, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। जीआरएसई के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि 'अजय' समेत सभी आठ पनडुब्बी

रोधी युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए विशेष रूप से डिजाइन और निर्मित किए गए हैं। इन जहाजों की लंबाई 77.6 मीटर और चौड़ाई 10.5 मीटर है। इनका डिजाइन इस प्रकार किया गया है कि ये कम गहराई वाले जलक्षेत्रों में भी प्रभावी संचालन कर सकें। इनकी प्रमुख विशेषताओं में सतही लक्ष्यों के विरुद्ध कार्रवाई, खदान बिछाने की क्षमता और तटीय क्षेत्रों में गश्त शामिल है। ये युद्धपोत हल्के टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट और अत्याधुनिक हथियारों से लैस हैं। साथ ही ये विमान के साथ समन्वित पनडुब्बी रोधी अभियान चलाने में भी सक्षम हैं। अधिकारी ने बताया कि यह पोत तटीय जलक्षेत्रों में पनडुब्बी रोधी निगरानी के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से कम तीव्रता वाले अभियानों के लिए भी उपयुक्त है। इस लॉन्चिंग के साथ ही जीआरएसई द्वारा निर्मित आठ पनडुब्बी रोधी जलपोतों की यह श्रृंखला पूरी हो गई है, जो भारतीय नौसेना की तटीय रक्षा क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से एक की मौत, नौ घायल

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने मार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ, जिसमें 10 लोग घायल हो गए और एक यात्री की मौत हो गई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि वह स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा शहर में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक बुकिंग कार्यालय और एक ऊपरी लोहे का ढांचा ढह गया। यह घटना सुबह करीब 8.30 बजे बाणगंगा के पास हुई। भूस्खलन के कारण तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और अन्य को मामूली चोटें

आई । माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने संवाददाताओं को बताया कि सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि बचाव और मलबा हटाने का व्यापक अभियान जारी है। बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए एक अर्थमूवर भी भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए लोगों में चेन्नई निवासी उप्पन (70), उनकी पत्नी राधा (66) और हरियाणा निवासी राजिंदर भल्ला (70) को नारायण अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि उत्तर प्रदेश निवासी लीला रायकवार (56) का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटरा में इलाज चल रहा है। घायलों में चेन्नई निवासी उप्पन (उम्र 70) की मौत हो गई है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि वह स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा श्राइन बोर्ड को घायल श्रद्धालुओं को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सेवा और सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के सुरेश कुमार (66) और दो स्थानीय लोगों निखिल ठाकुर (26) और विक्की शर्मा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

योगी सरकार कांवड़ यात्रा का प्रबंधन करने में नाकाम : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। भाजपा ने कांवड़ यात्रा को लेकर समाजवादी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता कांवड़ियों का वेश धारण कर कांवड़ यात्रा को बदनाम करने के लिए अराजकता फैला रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा-एनडीए सरकार ने अब तक 20 बजट पारित किए हैं। अगर उन्होंने कांवड़ यात्रा के लिए एक कॉरिडोर के लिए पर्याप्त बजट पारित किया होता तो बार-बार होने वाले व्यवधान, हंगामे और लोगों पर हमलों की जो खबरें आ रही हैं, उनसे बचा जा सकता था। भाजपा अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए दूसरी पार्टियों पर आरोप लगा रही है। यूपी सरकार कांवड़ यात्रा का प्रबंधन करने में नाकाम साबित हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि जो सपा को दंगाई कह रहे हैं, वो खुद इस तरह के कारनामों में लिप्त पाए जाते हैं। जो इस तरह की बात कह रहे हैं, उनका इतिहास दंगा-फसाद कराने का रहा है। इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं, इसका जवाब सीएम योगी आदित्यनाथ ही दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि हम उनके बारे में क्या कह सकते हैं? हमें नहीं पता कि वे क्या कर रहे हैं। अगर आप पता लगा पाएं, तो अच्छी बात है। हमें नहीं पता कि सरकार क्या करने की योजना बना रही है। अखिलेश यादव ने आगे कहा, सभी सांसद चाहते हैं कि प्रधानमंत्री सदन में मौजूद रहें। विपक्ष की बात सुनी जानी चाहिए और उसके बाद सरकार जो चाहे, जवाब दे सकती है।

केंद्र सरकार राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित- गजेन्द्र सिंह शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली । केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज लोक सभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुये बताया कि राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कार्यशालाओं/सेमिनारों का आयोजन करता है। उन्होने बताया कि पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भी इसका प्रचार भी किया जाता है। उन्होने बताया कि केंद्र सरकार होम स्टेस को बढ़ावा देने के लिए कोलेटरल फ्री लोन सहित अनेक कदम उठा रही है। शेखावत ने बताया कि निधि+ पोर्टल के अनुसार राजस्थान में पंजीकृत होमस्टे की संख्या 72 है। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि केंद्र सरकार ने जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दी है। और इसके अतिरिक्त 1000 होमस्टे विकसित करने का लक्ष्य है। इस योजना के अंतर्गत राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ग्रामीण क्लस्टर में 5-6 गाँवों का समूह बनाकर प्रत्येक गाव में 5 से 10 होमस्टे दिशानिर्देशों के अनुसार बना सकते है। इसके लिए प्रत्येक राज्य को 5 करोड़ रूपये की सहायता स्वीकृत करने का प्रावधान है। पर्यटन मंत्रालय ने ÷सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण÷ (सीबीएसपी) योजना लागू की है, जो पर्यटन सेवा प्रदाताओं और होमस्टे मालिकों सहित पर्यटन के क्षेत्र में काम करने वालों को प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इस योजना का लक्ष्य देश में विशाल पर्यटन क्षमता का पूरा लाभ उठाने, स्थानीय लोगों को पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान करने के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर पैदा करना है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा चिन्हित तीर्थ स्थलों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में तीर्थयात्रा पुनरुद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) शुरू किया गया था। इस योजना के अंतर्गत पुष्कर/अजमेर के एकीकृत विकास के लिए 32.64 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन के अंतर्गत देश भर में विभिन्न विषयगत सर्किटों के अंतर्गत कुल 76 परियोजनाओं और स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत 52 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस योजना के अंतर्गत राजस्थान में वर्ष 2024-25 में सीकर के श्री खाटू श्याम मंदिर के लिए 87.87 करोड़, बीकानेर के करणी माता मंदिर के लिए 22.57 करोड़, भीलवाडा के मलासेरी डूंगरी के लिए 48.73 करोड़ रूपये स्वीकृत की राशि स्वीकृत की है।

भारतीय टीम ओल्ड ट्रेफर्ड में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी रहेगी। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी।

सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस मैच में रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आ रही। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाज़ी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में दबाव के बीच में विकेट लिए थे। भारतीय टीम इस मैच में लीड्स के संयोजन को एक बार फिर आजमा सकती है, जिसमें उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें बल्लेबाज करुण नायर और साई सुदर्शन को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और कवर के तौर पर शामिल नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को भी अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है।

आकाश की तरह ही कंबोज भी तेज गेंदबाजी करते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां के हालातों को जानते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे, इसलिए अगर टीम को वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन और अन्य बल्लेबाजों को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इस मैच में बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। आर्चर ने चार साल बाद वापसी करते हुए यशस्वी को दो बार आउट किया। इसके अलावा इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को ये सिलसिला बनाये रखना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जो टीम के लिए राहत की बात है।

इस मैच में अगर करुण नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह बड़ी पारी खेलने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। वहीं इस सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन कर लगातार चार अर्धशतक लगाने वाले जडेजा के ऊपर इस मैच में भी बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। उन्हें इस मैच में गेंदबाजी में भी विकेट लेने होंगे। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अंतिम बार साल 2014 में खेला था। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम इंग्लैंड इस मैच में अपनी बढ़त बनाये रखना चाहेगा। मेजबान टीम ने अपनी टीम में केवल एक बदलाव के तौर पर स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को शामिल करना है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच जुलाई 2017 में खेला था। यहां पिछले दिनों से हो रही बारिश के कारण पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है। मेजबान टीम की बल्लेबाज जो रुट , हैरी ब्रुक और बेन डेकेट पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान आर्चर के अलावा ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (उप-कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया

–पीसीबी को होगा भारी नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)। इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धड़कने बढ़ी हुई हैं। इसका कारण है कि एशिया कप के रद्द होने या स्थगित होने प उसे मोट नुकसान होगा।

पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से होने वाली आय से उसे काफी फायदा होता है। इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को आईसीसी वितरण से मिलता है, कई सालों से एशिया कप उनकी वित्तीय योजनाओं का एक प्रमुख आधार बना हुआ है।

पीसीबी के सीईओ सुमैर अहमद ने सिंगापुर में आईसीसी की सालाना बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने ढाका की इस बैठक के लिए अन्य देशों से सहयोग मांगा था पर बीसीसीआई ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था। बीसीसीआई के इस रुख का समर्थन श्रीलंका और अफगानिस्तान ने भी कर दिया है। ऐसे में अगर यह बैठक नहीं हो पाती है या इसे अमान्य घोषित कर दिया जाता है, तो इससे 10 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप शायद ही हो पाये। जिसका सीधा नुकसान पीसीबी को होगा।

करुण नायर 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए कर्नाटक लौटने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर मौजूद करुण नायर, कर्नाटक लौटने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन सीजन खेलने के बाद से वे कर्नाटक से बाहर हैं। पिछले दो सीजन से नायर विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (हृह्रष्ट) मिल गया, जिससे उन्हें अपनी मूल राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति मिल गई।

नायर की वापसी ऐसे समय में हो रही है जब घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत उनकी लोकप्रियता में काफी वृद्धि हुई है। पिछले सीजन में विदर्भ के रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में उनकी अहम भूमिका रही थी, जिसकी बदौलत आठ साल के अंतराल के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में वापसी मिली। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए जिसमें चार शतक शामिल थे, जिसमें केरल के खिलाफ फाइनल में मैच जिताऊ शतक भी शामिल था। नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। 50 ओवर के टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने विदर्भ की कप्तानी की और टीम को उपविजेता बनाया।

उन्होंने आठ पारियों में 779 रन बनाकर स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसमें लगातार 5 शतक शामिल थे और 124.01 की शानदार बल्लेबाजी औसत के साथ बल्लेबाजी की। अपने शानदार प्रदर्शन के दौरान उन्होंने बिना आउट हुए सर्वाधिक रन (542) बनाने का नया लिस्ट ए रिकॉर्ड बनाकर अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ ली।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति 10 स्थान के सुधार के साथ 23वें पायदान पर

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है।

दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन का योगदान दिया। सोफिया डंकले ने पहले वनडे में 92 गेंदों पर 83 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें 24 स्थानों का फायदा हुआ। वह बल्लेबाजों की सूची में 52वें पायदान पहुंच गईं।

मंधाना पहले दो मैचों में 28 और 42 के स्कोर के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं और उन्होंने अपनी 727 की रेटिंग भी बरकरार रखी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 और सात के स्कोर के बाद पांच स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर आ गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज सोफी एक्लेस्टोन अपनी स्थिति और मजबूत करने में सफल रही। मौजूदा श्रृंखला में चार विकेट चटकाने वाली इस अनुभवी खिलाड़ी की रेटिंग 747 से बढ़कर 776 हो गयी है। वह दूसरे वनडे में तीन विकेट चटकाकर प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी थी।

गेंदबाजों की रैंकिंग में उनके बाद ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर (724) और मेगन शुट्ट (696) दूसरे और तीसरे पायदान पर है।। दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। इंग्लैंड की चार्ली डीन और भारत की स्नेह राणा जैसी स्पिनरों भी श्रृंखला में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए हैं। डीन करियर की सर्वश्रेष्ठ 625 रेटिंग के साथ दो स्थान चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि राणा 12 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गई हैं। राणा ने भी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 515 रेटिंग हासिल की है। डीन हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी सुधार कर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं तो वहीं एक्लेस्टोन तीन स्थान के

सुधार के साथ 18वें पायदान पर पहुंच गयी है।

इंजीनियर और लॉयड के सम्मान में ओल्ड ट्रैफर्ड में बने स्टैंड

मैनचेस्टर। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच यहां बुधवार से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी रहे क्लाइव लॉयड के सम्मान में इनके नाम से स्टैंड रहेंगे। इंजीनियर और लॉयर्ड की पूर्व काउंटी टीम लंकाशर ने इन दोनों के नाम पर स्टैंड रखने का फैसला किया है। इंजीनियर ने लगभग एक दशक तक लंकाशर की ओर से जबकि लॉयर्ड ने लगभग दो दशक तक क्लब से खेलते हुए अपनी ओर से अहम योगदान दिया। गौरतलब है कि साल 1968 से 1976 के बीच 87 वर्षीय इंजीनियर ने 175 मैचों में लंकाशर की ओर से 5942 रन बनाए, 429 कैच लिए और 35 स्टंपिंग की। वहीं दूसरी ओर दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम के कप्तान लॉयड ने 1970 के दशक की एक क्लब की ओर से खेलते हुए उसे आगे बढ़ाया। मुंबई में जन्मे इंजीनियर ने लंकाशर के लिए जब पदार्पण किया तो क्लब ने 15 साल से अधिक समय तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था पर उनके शामिल होने के बाद उसने 1970 से 1975 के बीच चार बार जिलेट कप जीता था। गौरतलब है कि इंजीनियर ने अपना अधिकतर क्रिकेट ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला पर वहां उनके नाम पर कोई स्टैंड नहीं है। इंजीनियर ने कुछ साल पहले कहा था, 'वह अविश्वसनीय समय था और ओल्ड ट्रैफर्ड एक शानदार जगह थी। लोग हमें खेलते देखने के लिए मीलों दूर से आते थे। इंजीनियर को अपने सुनहरे दिनों में प्रशंसकों से मिले पत्र भी याद हैं।

अनुभवी खिलाड़ी होने की अपनी जिम्मेदारी निभा रहे जडेजा

मुम्बई। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने अपने करियर में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उनके नाम कई उपलब्धियां भी हैं पर इसके बाद भी उन्हें वह दर्जा नहीं मिला जिसके वे अधिकारी रहे हैं। इंग्लैंड दौर पर वह सबसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी है। ऐसे में उन्होंने अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभाई है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों के दौर में खेलने के बाद भी उन्होंने अपनी एक अलग जगह बनायी थी। वहीं इनके संन्यास लेने के बाद वह टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इंग्लैंड के इस दौरे में हालांकि उनकी गेंदबाजी सफल नहीं रही पर बल्लेबाजी से उन्होंने वह कमी पूरी कर दी। पिछले दिनों जब कप्तानी को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब कप्तानी का समय अब चला गया। उन्होंने बर्मिंघम में 89 और 69 रन की अर्धशतकीय पारियों से टीम की जीत अहम योगदान दिया तो वहीं अगले टेस्ट में दो और अर्धशतक जड़े। लॉर्ड्स में वह अकेले ही टीम को लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में लगे रहे। उनका 61 रन का नाबाद स्कोर भारत को जीत के करीब ले गया। वह अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं और गेंदबाजी भी उनकी अच्छी रही है हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला। जडेजा टीम के युवा खिलाड़ियों को सलाह देते दिखे हैं। इसी कारण कप्तान शुभमन गिल ने जडेजा को टीम का सबसे समर्पित खिलाड़ी करार दिया। शुभमन ने कहा, ''वह भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में उनके पास जो अनुभव और कौशल हैं, वह बहुत दुर्लभ है। उन्होंने जिस तरह की एकाग्रता दिखाई वह भी आसाधारण रही है।''

सरफराज खान के वजन कम करने पर केविन पीटरसन ने पृथ्वी शॉ को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरफराज खान इन दिनों काफी चर्चा में है, वजह है उनका वजन। दरअसल, टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने दो महीने के अंदर 17 किलो वजन कम किया है। जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वहीं केविन पीटरसन ने सरफराज खान की फोटो पृथ्वी शॉ को दिखाने की बात कही है।

दरअसल, सरफराज खान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के बाद से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हो गए हैं। सरफराज को ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज में मौका नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने टीम से बाहर रहकर जमकर पसीना बहाया है। सरफराज ने स्टोरी शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने 17 किलो वजन कम किया है। इसके बाद उनकी फिटनेस की चर्चा हर तरफ हो रही है।

इसी दौरान इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केविन पीटरसन ने सरफराज की इस फोटो को पृथ्वी शॉ को दिखाने के लिए कहा है। बता दें कि, पृथ्वी को खराब फिटनेस के कारण मुंबई की टीम ने ड्रॉप किया था। शॉ का वजन काफी बढ़ गया है।

पीटरसन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, शानदार एफर्ट, यंग मैन ! बहुत-बहुत बधाई और मुझे भरोसा है कि ये मैदान पर बेहतर और ज्यादा लगातार प्रदर्शन की ओर से जाएगा। मुझे बहुत अच्छा लगा कि आपने अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय कीं। कोई प्लीज ये पृथ्वी शॉ को भी दिखा दे। ये मुमकिन है, मजबूत शरीर, मजबूत दिमाग।

दिल्ली सरकार का तोहफा, ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं के नकद पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल योजना को मंजूरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसले लिए गए। सूद ने कहा, 'आज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें दिल्ली के विकास के साथ छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए। ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को पहले तीन करोड़ रुपए, दो करोड़ रुपए और एक करोड़ रुपए दिए जाते थे लेकिन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अब ओलंपिक तथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को 7 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 3 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।' सूद ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार में स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को ग्रुप ए की नौकरियां दी जाएंगी, जबकि कांस्य पदक विजेताओं को ग्रुप बी की नौकरियां दी जाएंगी। सूद ने यह भी घोषणा की कि मुख्यमंत्री डिजिटल योजना के तहत युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'अच्छे अंकों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 1,200 मेधावी छात्रों को लैपटॉप दिए जाएंगे। इससे वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को लाभ होगा।'

बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में तोड़ सकते हैं अकरम के दो विश्व रिकार्ड

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह बुधवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। अब तक उन्होंने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने पहले और तीसरे टेस्ट में पांच–पांच विकेट लिए थे जबकि दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे। वहीं अब मैनचेस्टर में बुमराह के पास इतिहास रचने का अवसर होगा। वह इस मैच में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम के दो बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में एशियाई गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अकरम के नाम है। अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैचों में 53 विकेट लिए हैं जबकि बुमराह ने 49 विकेट लिए हैं। ऐसे में उन्हें अकरम के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 5 विकेट ही चाहिये। इंग्लैंड में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के साथ–साथ बुमराह इस मैच में पूर्व पाक तेज गेंदबाज का एक और रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बुमराह अगर मैनचेस्टर में 5 विकेट हॉल ले लेते हैं तो वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी बुमराह और अकरम के नाम 11–11 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड है। अकरम ने 32 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी जबकि बुमराह ने अब तक 33 मैचों में 11 बार पांच विकेट लिए हैं। अब वह एक बार और पांच विकेट लेते ही अकरम को पीछे छोड़ देंगे। भारतीय टीम इस समय सीरीज में अभी 1–2 से पीछे चल रही है। ऐस में बुमराह इस मैच में जीत दिलाकर टीम को बराबरी पर लाना चाहेंगे।

पठान की चौथे टेस्ट से पहले बुमराह को सलाह, अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो

मैनचेस्टर (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को संदेश स्पष्ट है कि या तो टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दो या फिर कार्यभार प्रबंधन के तहत चुनिंदा मुकाबलों में खेलने की जगह ठीक से आराम करो। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की पूर्व संध्या पर पठान ने बुमराह के असाधारण गेंदबाजी कौशल की प्रशंसा की लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर 'अतिरिक्त प्रयास' करने का भी आग्रह किया।

पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनका कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि मेरा मानना है कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है।' उन्होंने कहा, 'जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करते हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं।'

बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'जब बात किसी देश या टीम की आती है, जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।' पूर्व निर्धारित योजना के तहत बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं लेकिन भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और दो मैच और खेलने बाकी हैं।

पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किए हैं। उन्होंने ओवर फेंके हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।' पठान ने कहा, 'अगर बुमराह भारत के लिए नियमित रूप से मैच जीतते रहे तो वह लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहेंगे। जब टीम को आपकी जरूरत हो तो आपको अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बेन स्टोक्स ने ऐसा किया और जोफ्रा आर्चर ने चार साल बाद ऐसा किया।'

बुमराह ने श्रृंखला के पहले और तीसरे टेस्ट में हिस्सा लिया और लीड्स तथा लॉर्ड्स दोनों ही मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। पहले मैच की पहली पारी में बुमराह ने 5 विकेट चटकाए लेकिन इंग्लैंड के 371 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के दौरान उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में बुमराह ने एक बार फिर पहली पारी में पांच विकेट चटकाए और फिर दूसरी पारी में दो विकेट लेकर मैच का अंत 112 रन पर सात

विकेट के साथ किया। कुछ दिन पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर ने भी बुमराह के इस बड़े दौरे के सभी मैचों में नहीं खेलने पर नाराजगी जाहिर की थी।

पूर्व पाक क्रिकेटर बट ने कहा, तो विश्वकप और ओलंपिक में भी हमसे न खेले भारतीय टीम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज सलमान बट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स मुकाबले में नहीं खेलने की आलोचना करते हुए कहा है कि अब उन्हें विश्वकप और ओलंपिक में भी ऐसा ही करना चाहिये। बट ने कहा कि इस प्रकार से वे क्या संदेश देना चाहते हैं। अगर ऐसा ही करना है तो उन्हें हमारे से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में नहीं खेलना चाहिये। यहां तक की ओलंपिक में भी नहीं। साथ ही कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये फैसला चार से पांच खिलाड़ियों के दबाव में किया है। इससे अन्य लोगों पर भी दबाव पड़ा और वे मैच से हट गये। इससे पहले पाक के ही पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी सहित कई खिलाड़ियों ने भी ऐसी ही बातें कहीं थीं। इससे पता चलता है कि भारतीय खिलाड़ियों के नहीं खेलने के कारण लीग रद्द होने से पाक खिलाड़ी कितने बैचेन हैं। सलमान ने

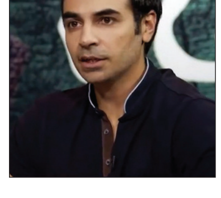

जिस प्रकार किसी रिटायर्ड प्लेयर्स की लीग में खेलने की तुलना आईसीसी इवेंट से की है। उससे उनकी और भी फजीयत होना तय है। क्योंकि आईसीसी इवेंट या ओलंपिक से किसी लीग की तुलना नहीं हो सकती है। लीग में खेलना देश का प्रतिनिधित्व करना है पर उस लीग में किया गया प्रदर्शन न तो आईसीसी के आंकड़ों में आता है और न ही उसका कहीं कोई महत्व है। जहां तक मैच रद्द होने की बात है। आयोजकों ने इसके लिए भारतीय खिलाड़ियों को दोषी नहीं मानते हुए कहा है कि खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद उन्हें ये रद्द करना पड़ा था।

फिल्म की री-रिलीज पर भड़के डायरेक्टर आनंद एल राय

बॉलीवुड की मच टॉक अबाउट रोमांटिक ड्रामा फिल्म रांझणा एक बार फिर सुर्खियों में है। लेकिन इस बार वजह न तो इसकी कहानी है और न ही इसका संगीत, बल्कि इस फिल्म का दोबारा रिलीज होना और उसमें किया गया एक बड़ा बदलाव है। जी हां फिल्म को एक बार फिर से रिलीज किया जा रहा है लेकिन इसे को-प्रोड्यूस करने वाले फिल्ममेकर आनंद एल राय ही इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं।

एआई की मदद से हुआ बदलाव

2013 में आई इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी। कुंदन और जोया की कहानी की भले ही हैप्पी एंडिंग ना हुई हो, लेकिन इसी दुखद अंत ने फिल्म को यादगार बना दिया था। अब 12 साल बाद निर्माता कंपनी एरोस ने इस फिल्म को फिर से सिनेमाघरों में उतारने का फैसला लिया है। लेकिन इस बार दर्शकों को एक नया क्लाइमेक्स देखने को मिलेगा, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार किया गया है।

फिल्म के डायरेक्टर ने जताई नाराजगी

ये घोषणा जैसे ही सामने आई, फिल्म के निर्देशक आनंद एल राय ने नाराजगी जताई और इसे फिल्म के मूल स्वरूप के साथ हत्या जैसा बर्ताव बताया। उनका कहना है कि उन्हें इस बदलाव की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली।

कुंदन का अंत ही फिल्म की आत्मा था आनंद एल राय ने द इंडियन एक्सप्रेस के साथ इंटरव्यू में कहा, फिल्म का क्लाइमेक्स ही उसकी पहचान है। कुंदन का बलिदान और उसका दर्द ही दर्शकों को झकझोरता है। अगर उसे बदल दिया जाए, तो पूरी फिल्म का भाव ही बदल जाता है। उन्होंने ये भी सवाल उठाया कि क्या सिर्फ हेप्पी एंडिंद ही दर्शकों को पसंद आती है? त्रासदी भी तो एक भाव है, जो लंबे समय तक असर छोड़ता है। आनंद एल राय ने साफ शब्दों में कहा कि वो अब इस एआई से बदले गए वर्जन से खुद को अलग करना चाहते हैं। उन्होंने प्रोडक्शन कंपनी एरोस इंटरनेशनल से अनुरोध किया है कि उनका नाम इस वर्जन से हटाया जाए, क्योंकि ये उनके मूल विचार और संवेदना के खिलाफ है।

बताया जा रहा है कि एरोस इंटरनेशनल ने फिल्म के इस नए वर्जन के राइट्स तमिलनाडु के एक डिस्ट्रीब्यूटर अपस्विंग एंटरटेनमेंट को बेच दिए हैं। आनंद एल राय का कहना है कि ये फैसला पूरी तरह से व्यापारिक मुनाफे को देखते हुए किया गया है, जिसमें भावनाओं की कोई अहमियत नहीं रखी गई। बता दें इस फिल्म को थिएटर्स में 1 अगस्त को रि-रिलीज किया जाएगा।

कौन हैं सैयारा फेम अनीत पड्डा?

काजोल के साथ भी कर चुकी हैं काम

फिल्म सैयारा के साथ इंडस्ट्री में दो नए चेहरों ने कदम रखा है- अहान पांडे और अनीत पड्डा। दोनों का डेब्यू इस वक्त काफी सुर्खियां बटोर रहा है। ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि आखिर ये दोनों हैं कौन? अहान पांडे तो अनन्या पांडे के कजन हैं यानी चंकी पांडे के भतीजे। लेकिन अनीत पड्डा के बारे में अगर आप अब तक नहीं जान पाए हैं, तो चलिए आपको बताते हैं।

कौन हैं अनीत पड्डा?

अनीत पड्डा का जन्म 14 अक्टूबर 2002 को पंजाब में हुआ था। वो एक छोटे शहर से आती हैं। अमृतसर के स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद अनीत ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस में डिग्री हासिल की। हालांकि, उनका जुनून हमेशा अभिनय की तरफ ही था और उन्होंने मॉडलिंग के जरिए अपने करियर की शुरुआत की।

सैयारा से मेन लीड के तौर पर डेब्यू

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा अनीत पड्डा की बॉलीवुड में पहली बड़ी फिल्म है, जिसमें वो मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस को अब तक पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसे यशराज फिल्म्स के बैनर तले शूट किया गया है। फिल्म की रिलीज से पहले ही अनीत और अहान की जोड़ी को लेकर बहुत उत्सुकता थी और अब जब फिल्म रिलीज हो गई है तो देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर सफल रहती है या नहीं।

अनीत पड्डा का फिल्मी करियर

अनीत ने 2022 में काजोल और विशाल जेठवा के साथ फिल्म सलाम वेंकी में अपनी शुरुआत की थी, जहां उन्होंने नंदिनी का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में भी काम किया, जहां उनका किरदार रूही आहूजा था। इन दोनों ही प्रोजेक्ट्स में अनीत का रोल तो ज्यादा नहीं था लेकिन उन्होंने अपना प्रभाव जरूर छोड़ दिया था। सैयारा के चर्चाओं में आने से पहले तक अनीत के इंस्टाग्राम पर करीब 37 हजार फॉलोअर्स थे। लेकिन अब जब फिल्म रिलीज हो गई है और दोनों ही कलाकारों को दर्शकों का प्यार भी मिल रहा है तो उनके वर्तमान में करीब 2.5 लाख फॉलोअर्स हैं। अनीत अक्सर अपने शूट और फिल्मों से जुड़े पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उनके कई बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज भी अब तक सोशल मीडिया पर पसंद किए जा चुके हैं।

गाना भी गाती हैं अनीत पड्डा

अनीत पड्डा की रुचि सिर्फ अभिनय तक ही सीमित नहीं है। उन्हें संगीत का भी काफी शौक है और वो कई बार गाते हुए भी नजर आई हैं। इसके अलावा, अनीत ने कई प्रमुख ब्रांड्स के साथ विज्ञापनों में भी काम किया है।

पापा जैकी श्रॉफ के और करीब ले जाएगा छोरियां चली गांव शो

कृष्णा श्रॉफ जल्द ही एक रिएलिटी शो छोरियां चली गांव से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि यह शो उन्हें उनके पिता और अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ के उन अनुभवों के करीब लाएगा, जिन्हें उन्होंने गांव में भी जिया है। बातचीत में कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उनके पिता जैकी श्रॉफ उनके रिएलिटी शो छोरियां चली गांव में हिस्सा लेने को लेकर सबसे ज्यादा खुश हैं।

जब कृष्णा से पूछा गया कि उस पर उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी थी, तो उन्होंने कहा, वो तो सबसे ज्यादा एक्साइटेड हैं। उन्हें सादगी से भरा जीवन बहुत पसंद है। इसलिए जब उन्हें पता चला कि मैं ऐसे रिएलिटी शो में जा रही हूं, जिसमें गांव की जिंदगी दिखेगी, तो वे बहुत खुश हुए। मुझे लगता है कि इस शो के बाद मैं उनके जीवन के उस नजरिए को और अच्छी तरह समझ पाऊंगी। कृष्णा श्रॉफ ने बताया, मेरा भाई टाइगर श्रॉफ बार-बार मुझसे पूछते हैं, क्या तुम वाकई ये करना चाहती हो? क्योंकि वह जानते हैं कि मैं किस तरह की लाइफस्टाइल जीती हूं। लेकिन मेरा मानना है कि मैं अपने भाई को इस शो से चौंका दूंगी। शो में मेरा परफॉर्मेंस देखने के बाद उन्हें मुझ पर गर्व महसूस होगा।

कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उन्हें छोरियां चली गांव शो करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि इसमें बहुत कुछ सीखने का मौका है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं इस अनुभव को पूरी तरह अपनाने जा रही हूं। यहां मैं ऐसी जरूरी बातें और जिंदगी के हुनर सीखूंगी, जिनका इस्तेमाल मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकूं। उन्होंने आगे कहा है कि उन्हें गांव के लोगों से ही नहीं, बल्कि शो की बाकी लड़कियों से भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। ये सभी महिलाएं मजबूत और आत्मनिर्भर हैं, और उनकी जिंदगी से सीखने के लिए बहुत कुछ है। कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि इस शो में सबसे मुश्किल काम उनके लिए खाना बनाना होगा। उन्होंने कहा, खाना बनाना मेरे लिए एकदम नया है, मैंने कभी ऐसा किया नहीं है। जब शहर की लड़कियां ऐसे काम करने की कोशिश करेंगी जो उन्होंने कभी नहीं किए, यही चीज शो को मजेदार बनाएगी। मैं चाहती हूं कि लोग इसे देखकर हंसे और साथ ही कुछ सीखें भी। मुझे भरोसा है कि इस शो से सभी को कुछ न कुछ सीखने को जरूर मिलेगा। नया रियलिटी शो छोरियां चली गांव जी टीवी पर जल्द ही आने वाला है। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी जीकर अलग तरह का अनुभव करेंगी। इस शो को रोडीज फेम रणविजय सिंघा होस्ट करेंगे।

सोनाक्षी को मिली करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग

निकिता रॉय का निर्देशन एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे और सोनाक्षी सिन्हा के भाई कुश एस सिन्हा ने किया है। यह बतौर निर्देशक कुश की पहली निर्देशित फिल्म है। 18 जुलाई को फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय और कुश एस सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म निकिता रॉय का पहले दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है। पहले दिन आज शुक्रवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 23 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन के हिसाब से लग रहा है कि यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास रास नहीं आई। पहले दिन 23 लाख रुपए की कमाई करने के साथ ही 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है। इससे भी कम ओपनिंग 'डबल एक्स एल' को मिली थी, जिसने अपने पहले दिन सिर्फ 15 लाख रुपए की ही कमाई की थी।

गाने पुराने नहीं होते बल्कि दिल में बस जाते हैं

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक गाने पर डांस करती नजर आईं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तड़पाओगे तड़पा लो गाने पर डांस कर रही हैं। वीडियो में रुपाली ने लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन देते हुए वह डांस करती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, गाने पुराने नहीं होते, बल्कि दिल में बस जाते हैं। फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। रुपाली के फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें हार्ट, फायर, और स्माइली इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें, यह गाना कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिसको फॉलो करते हुए अभिनेत्री सपना चौधरी और भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने भी वीडियो बनाई थी और लाखों व्यूज पाए थे। तड़पोगे तड़पा लो गाना साल 1957 में रिलीज हुई फिल्म बरखा का है। इस गाने को स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने गाया है। वहीं गाने के बोल राजिंदर कृष्ण के हैं। यह तमिल फिल्म थाई पिरांधल वाझी पिराक्कुम का रीमेक थी। गाने का संगीत काफी मधुर है, जिसे चित्रगुप्त ने तैयार किया था। गाने की तरह फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था। इसमें नंदा, जगदीप, शुभा खोटे, आनंद कुमार, डेविड अब्राहम, अचला सचदेव, लीला चिटनिस और मोहन चोटी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के निर्देशक आर. कृष्णन और एस. पंजू थे। वहीं इसे एवीएम प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले रिलीज किया गया था।

आज दर्शक टीवी, सिनेमा और ओटीटी पर बंट गए हैं

शब्बीर आहलूवालिया आजकल अपने नए शो को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया कि सेट पर उनकी और आशी सिंह की केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। वे एक अच्छे रिश्ते के लिए सकारात्मक सोच को ज़रूरी मानते हैं। शब्बीर पुराने शोज के रीमेक में भी काम करना चाहते हैं। कसौटी जिंदगी की और कुमकुम भाग्य में अपनी ऐक्टिंग से घर-घर में पॉप्युलर होने वाले शब्बीर आहलूवालिया इन दिनों अपने शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' को लेकर चर्चा में है।

आपके नए शो में दर्शकों को कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। सेट पर आपकी और कलाकार आशी सिंह (लीड ऐक्ट्रेस) की कैमिस्ट्री कैसी रहती है?

शब्बीर ने कहा, वहां हमारी केमिस्ट्री कमाल की होती है। हम हंसते-खेलते काम करते हैं। जब शूट शुरू होता है, तब हम युग और कैरी बनकर थोड़ा बहुत झगड़ लेते हैं लेकिन उसके बाद वापस मस्ती शुरू हो जाती है। मुझे लगता है कि अगर आपकी ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री अच्छी है तो वह ऑन स्क्रीन दिखती है और ज्यादा दिक्कत नहीं होती। क्योंकि आप एक ही ट्यून के साथ चल रहे हो कि स्क्रीन का यह मुद्दा है और ऐसे निकलकर आना चाहिए। कई बार हम डिस्कस भी नहीं करते और वह निकलकर आ जाता है। सेट की दोस्ती स्क्रीन पर बहुत मदद करती है।

आप क्या मानते हैं कि एक अच्छे रिलेशनशिप में क्या जरूरी है?

मैं यह मानता हूं कि एक अच्छे रिलेशनशिप के लिए एक पॉजिटिव माइंडसेट बहुत जरूरी है। जब आप एक रिलेशनशिप में नेगेटिव माइंडसेट के साथ जाओगे तो फिर सत्यानाश है। मेरा यह मानना है कि जोड़ी कैसी भी बन सकती है, चाहे वह एक जैसी सोच रखने वाली हो या फिर अलग रखने वाली। कपल के बीच में दोस्ती होना बहुत जरूरी है क्योंकि प्यार में ऊपर-नीचे होता रहता है, लेकिन दोस्ती है जो दोनों के बीच मायने रखती है, खास तौर पर आज के समय में। लेकिन एक-दूसरे से ज्यादा उम्मीदें नहीं होनी चाहिए। जब आप ज्यादा की उम्मीद करने लगते हो तो फिर चीज़ें अच्छी नहीं होती हैं। क्योंकि आप कुछ उम्मीद करते हो, वह आपको मिलता नहीं है। तो बहुत जरूरी है कि आप अपनी ज़िंदगी जिएं और अपने पार्टनर को उनकी ज़िंदगी उनके तरीके से जीने दें। यही तो लाइफ़ है।

स्क्रीन पर नए प्रयोग करने में डर होता है कि दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन आपको कॉन्फिडेंस था कि यह प्रयोग काम करेगा। तो क्या आपके दो दशक लंबे करियर की वजह से आपमें यह कॉन्फिडेंस आया?

मेरे ख्याल से अनुभव भी जरूरी है, साथ ही युवाओं का उत्साह भी जरूरी है। अनुभव प्रोजेक्ट चुनने में मदद करते हैं लेकिन नई पीढ़ी जैसे आशी हैं, वह उमंग ज़िंदा रखते हैं। जब अनुभव और उत्साह मिल जाते हैं तो प्रोडक्ट अच्छा ही निकलता है।

क्या आपको लगता है कि ओटीटी नया टीवी बनने की ओर है?

शब्बीर बोले, मेरे ख्याल से यह 8-10 साल से चल रहा है कि ओटीटी से टीवी पर प्रभाव पड़ेगा। न सिर्फ ओटीटी, बल्कि लोग अपना समय अलग-अलग जगह पर दे रहे हैं चाहे वह यूट्यूब हो या फिर रील्स में। मुझे लगता है कि सभी को धक्का लगा है क्योंकि आपकी व्यूअरशिप बंट चुकी है। मुझे नहीं लगता कि एक माध्यम दूसरे की जगह लेगा। यह निर्भर करता है कि आप किस तरह का कॉन्टेंट बना रहे हैं और उसे कैसे प्रस्तुत कर रहे हैं।

आप इतने लंबे समय से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो आप किसी ऐसे शो का हिस्सा बनना चाहते हैं जो पुराने शो का रीमेक हो या पार्ट 2 हो?

जी, मुझे लगता है कि सर्कस दोबारा बने, लेकिन वह सर्कस बैकग्राउंड में न हो कर अलग सेटिंग में बने तो आज के समय में अच्छा करेगा। एक और शो ज़बान संभाल के भी अच्छा था। उस शो में आप पूरे हिंदुस्तान को एक ही क्लास में देख सकते हो। उससे बढ़िया क्या हो सकता है।

आप इस शो में एक एडवोकेट के रोल में हैं। तो क्या तैयारियां करनी पड़ीं?

शब्बीर अहलूवालिया ने कहा, एडवोकेट किस तरह चलता है और बात करता है, हम उसपर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। लॉ की डिग्री हासिल करने में तो चार साल लग जाते हैं, तो हम दो-तीन महीने की तैयारियों में क्या ही कर लेंगे? उसकी जगह हम सीन की जरूरत के हिसाब से एक केस को स्टडी कर लेते हैं। हम कोशिश करते हैं कि यह सब नैचुरल और रियलिस्टिक रहे। जो लोग यह शो देखेंगे, वे जानेंगे कि हम लोग इस शो को रियल दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

मौजूदा दौर में हर कोई गुस्से के मर्ज से परेशान है। कभी बॉस की फटकार से मूड खराब, तो कभी जूनियर्स के काम खराब करने पर गुस्सा और कभी प्रेमिका या पत्नी से लड़ाई। दिन भर में हम हर पल एसी स्थितियों का सामना करते हैं,जो हमारे गुस्से को भड़काने में घी का काम करती हैं।

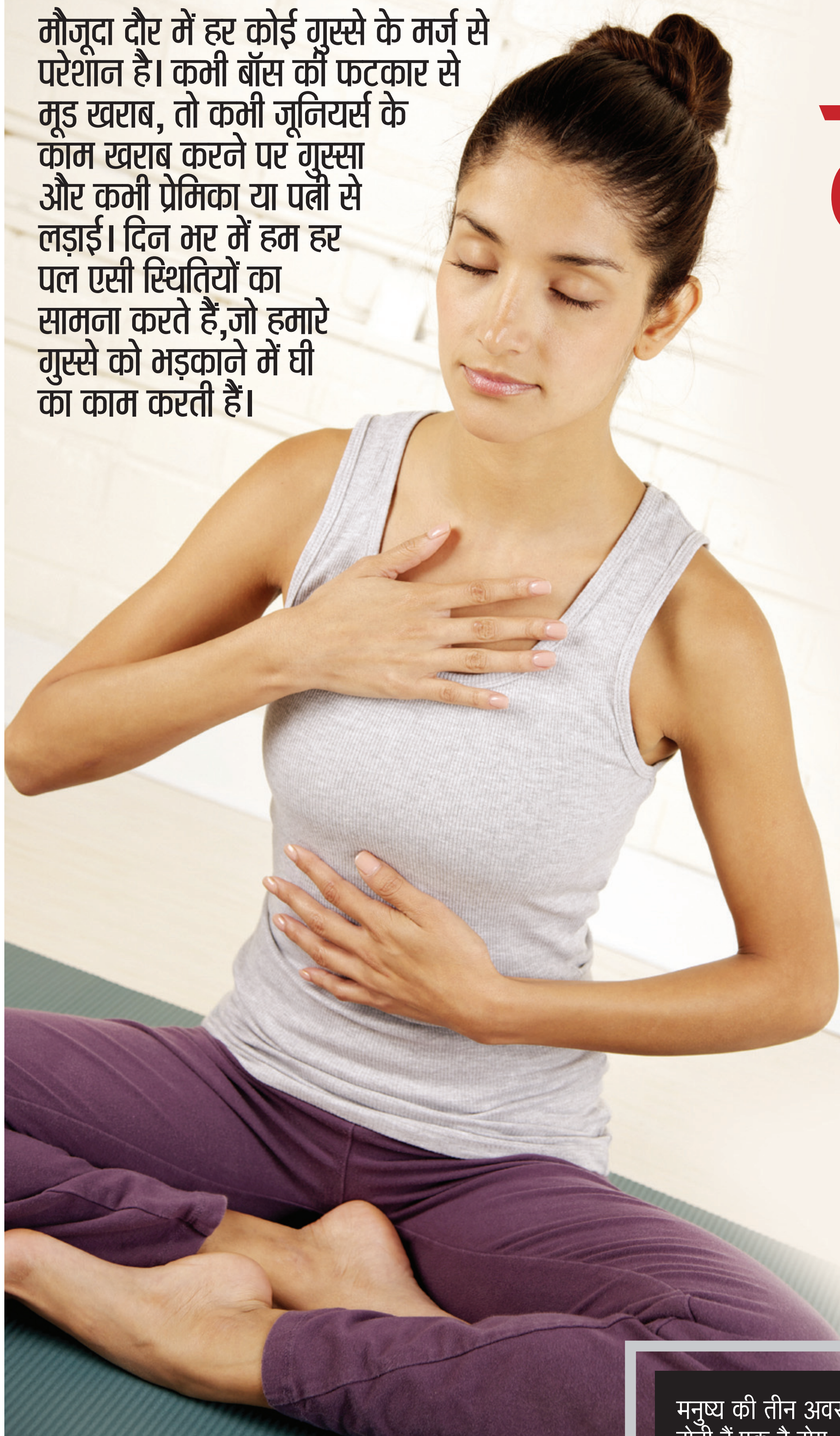

गुस्से को करें योग से छूमंतर

पावर ऑफ योगा

श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत् में कहा है कि गुस्से से इंसान का विवेक खत्म हो जाता है। वह अच्छे-बुरे में फर्क नहीं कर पाता। दरअसल गुस्सा एक तरह का नकारात्मक सम्मोहन है,जिससे बुद्धि का नाश होता है और अंततः यह इंसान को दिशाहीन कर देता है।

नकारात्मक संवेग

इस धरती पर गुस्सा सबसे खतरनाक नकारात्मक संवेग है। वेदों के मुताबिक केवल यही वह संवेग है, जिस पर यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया जाए या इंसान की मनःस्थिति को जल्द न बदला जाए,तो यह उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है,क्योंकि गुस्से से प्राण शक्ति और पुण्य नष्ट हो जाते हैं। गुस्स में व्यक्ति विवेकहीन होकर कई गलत काम कर बैठता है,उसके अच्छे कर्मो का क्षय होता है।

गुस्से से ह्रदय रोग

विस्तृत शोधों के बाद चिकित्सा विज्ञान भी इस नतीजे पर पहुंचा है कि गुस्से से ह्रदय रोग और अकाल मौतहोने तक की आशंका बढ़ जाती है। इसकी वजह यह है कि क्रोध से हमारे शरीर में तनाव पैदा करने वाले हॉर्मोस बढ़ते हैं,जिससे खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के साथ ही और खतरनाक परिवर्तन भी हो सकते हैं। नतीजतन ह्रदय का पोषण करने वाली धमनियां ब्लॉक हो सकती हैं। क्रोधी व्यक्ति का स्वास्थ्य और हेल्थ हैबिट्स दोनों ही गड़बड़ होते हैं।

फायदेमंद है योग

स्ट्रेस हॉर्मोन के बढ़ने से दूसरी असाध्य बीमारियां भी हो सकती हैं। खुशकिस्मती से हमारे यहां योग में क्रोध को शांत करने और उसका उपचार करने के कई तरीके हैं। यहां एक आसन का विवरण दिया जा रहा है,जो हमारे दिमाग के उस हिस्से पर सीधा सकारात्मक असर डालता है,जो क्रोध पैदा करने के लिए उत्तरदायी है। इस आसन के और भी बहुत से शारीरिक और मानसिक फायदे हैं।

तकनीक

घुटनों को सीधा रखते हुए बिल्कुल सीधे खड़े हों। सीधे झुकते हुए एड़ी के पीछे पांवों के पास धरती पर अपनी हथेलियां टिकाएं। यदि आपकी हथेलियां धरती को नहीं छू पाती हैं तो घुटनों तक झुकें या घुटनों को सीधा रखें। अब सिर को ऊंचा करने की कोशिश करें और पीठ को खींचे। इसी स्थिति में रहते हुए सामान्य ढंग से सांस लें। पांच सैकंड या इससे कम समय के लिए इसी मुद्रा में रहें और फिर सांस खींचते हुए तड़ासन की स्थिति में आएं। इस तरह दो-तीन बार इसे दोहराएं।

आसन के फायदे

यह आसन उनके लिए वरदान है,जिनका स्वभाव क्रोधी है या जो जल्द गुस्से में आ जाते हैं। यह ब्रेन सेल्स का तनाव दूर करते हैं,खासकर एमिगडाला का। इससे बहुत शान्ति मिलती है। यह लीवर, स्प्लीन और किडनी को भी स्वस्थ रखता है। इससे ब्लडप्रेशर और ह्रदय रोग से बचाव होता है।

सर्वांगासन

इस आसन के जरिए आप अत्यधिक गुस्से को तो नियंत्रण में कर ही सकते हैं। साथ ही सिरदर्द,एनिमिया और अपच जैसी बीमारियों को दूर कर शरीर में नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। अपने हाथ और पैर सीधे कर के जमीन पर लेट जाएं और गहरी सांस लेते हुए अपने दोनों पैरों को सीधे ऊपर की ओर उठाएं।

अपने हिप्स को ऊपर उठाते हुए पैरों को सीधा करे और बाद में सिर की ओर 45 डिग्री का कोण बनाने की कोशिश करें। सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों से पीठ को सहारा दें। इस स्थिति में अंगूठे शरीर के अगले हिस्से और बाकी उंगलियां पीठ पर होनी चाहिए। पैरों को ऊपर की ओर उठाएं। अपनी पीठ को बिल्कुल सीधा कर लें और अपनी ठोढ़ी को बिल्कुल गले के पास लगाएं। धीरे-धीरे सांस लें। इस प्रक्रिया को कई बार दोहराते रहें। आसन के वक्त मन को पूरी तरह शांत रखें। जरूरत से ज्यादा आसन करने से बचें।

अवचेतन का संदेश सुनें देह से करें दोस्ती

मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं,एक है रोग, दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वैलनेस। यह जो वैलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है, वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता है,वह एक इकाई है।

तनाव भरे समय में ऐसा इंसान मिलना मुश्किल है जिसे कोई न कोई शारीरिक तकलीफ या कोई मानसिक उलझन न हो। लोगों को अक्सर यह महसूस होता है कि वैसे तो उन्हें अपने स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ नहीं दिखाई देती,लेकिन कुछ ऐसा भी है जो दुरूस्त नहीं लगता। कुछ बेचैनी सी,कुछ असंतुलन सा। मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं- एक है रोग,दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वैलनेस। यह जो वैलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है,वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता है,वह एक इकाई है। लगभग आधी से अधिक शारीरिक व्याधियां मानसिक तनाव के कारण होती हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हमें बौद्धिक समझ प्रदान करने वाले हमारे सचेत मन,यानी कॉशन्स माइंड की पतली सी परत हमारे समूचे अस्तित्व का सिर्फ दसवां हिस्सा होती है। जैसे किसी फल का छिलका होता है वैसे ही सचेत मन अवचेतन मन का एक छिलका भर होता है।

इसी छिलके को हम शिक्षित करते हैं, सभ्य, सुसंस्कृत बनाते हैं, नीति, धर्म इत्यादि सिखाते हैं लेकिन इस चेतन परत के मुकाबले मस्तिष्क की अवचेतन परतें अधिक महत्वपूर्ण हैं। अगर हमारा नाता अपने ही अवचेतन से टूट गया तो हमारा जीवन स्वस्थ और संतुलित नहीं रह पाता। जब भी आदमी किसी रोग से ग्रसित होता है तो उसकी जड़ें उसके गहन अवचेतन मन में होती हैं। कोई दबाया हुआ क्रोध या दुख या भय अंदर पड़ा-पड़ा नासूर बन जाता है और फिर वह कैंसर या अन्य किसी रोग के रूप में प्रगट होता है। वो रसायन शरीर के अंगों में प्रवेश कर उन अंगों को कमजोर बनाता है और धीरे-धीरे रोग उनमें घर बना लेता है।

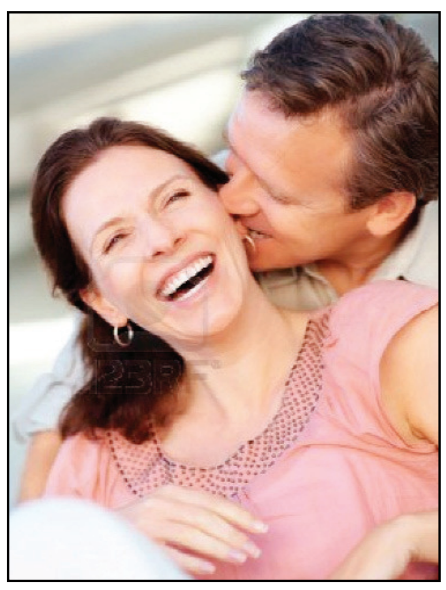

बॉडी-माइंड बैलेंसिंग

अवचेतन की इसी शक्ति को ध्यान में रख कर ओशो ने एक प्राचीन तिब्बती ध्यान पद्धति को पुनर्जीवित किया है। उसे नाम दिया है बॉडी-माइंड बैलेंसिंग,देह और मन का संतुलन। यह एक ऐसी निर्देशित ध्यान पद्धति है जिसके जरिए लोग अपने देह और मन का एक इकाई की तरह उपयोग करना सीखते हैं और स्वास्थ्य को अनुभव कर पाते हैं। ओशो ने कहा है कि एक बार आप शरीर से संवाद करना शुरू करते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। क्योंकि शरीर पर जबर्दस्ती नहीं की जा सकती, उसे प्रेम से फुसलाया जा सकता है।

अवचेतन का संदेश सुनिए

टीवी और इलेक्ट्रानिक उपकरणों के कोहराम ने हमारी सुनने की नैसर्गिक क्षमताओं को कुंद कर दिया है और हम शरीर के मूक संदेशों को सुनना भूल ही गए हैं। यही कारण है कि अब देह आपका ध्यान खींचने के लिए और कठोर भाषा अपनाती है। आपको परेशान करने की कोशिश करती है। उसका संदेश बीमारियों के जरिए शरीर में नजर आने लगता है। जैसे सिरदर्द,बीच-बीच में टूटने वाली नींद,दुर्घटनाओं का आघात यानी ट्रॉमा,लाइलाज मर्ज,खासतौर से पीठ और पेट के रोग। सम्मोहन का नजरिया है कि कोई भी पीड़ा हो,वह एक संदेश है अवचेतन का। आपका अवचेतन आपसे कुछ कहना चाहता है,भागदौड़ छोड़कर जरा रूक जाएं और ध्यान दें। उसकी आवाज सुनें। उसे महसूस करें। यह ध्यान पद्धति सिखाती है कि देह की आवाज फिर कैसे सुननी शुरू की जाए और कैसे एक बार फिर पुरानी पीड़ाओं से छुटकारा पाया जाए।

शरीर से दोस्ती करें

बॉडी माइंड बैलेंसिंग को किसी भी असंतुलन को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भले ही वह वजन बढ़ने की समस्या हो,हाजमे की दिक्कतें हों (खासतौर से कब्ज की समस्या),तरह-तरह के दर्द हों,तनाव या बेचैनी हो। यहां तक कि इसके जरिए बुरी आदतों से छुटकारा पाया जा सकता है।

सही आदत नो बीमारी

आज चार वर्ष के बच्चे को भी चश्मा पहने देख सकते हैं और अस्सी साल के वृद्ध को भी... दोनों को कोई अंतर नहीं है दस साल के बच्चे को भी शुगर की बीमारी है तो 30 साल के युवा को भी। एसे में यदि कहा जाए कि अत्याधुनिक लाइफ स्टाइल ही हमारी ज्यादा और नई बीमारियों का कारण है, तो गलत नहीं होगा। इसके लिए कुछ हद तक तो हमारा लाइफस्टाइल जिम्मेदार है तो कुछ हमारी अपनी आदतें भी जिम्मेदार हैं। जिन्हें अगर हम सुधार लें तो कई बीमारियों से बच सकते हैं।

बड़े-बुजुर्ग कह गए हैं, जैसा अन्न, वैसा मन। यह सौ फीसदी सही है। चूंकि नया लाइफस्टाइल अपनाने के चक्कर में सबसे पहले हम बदलते हैं डाइट। आजकल लोग दो मिनट में तैयार होने वाले फूड को प्रिफर करते हैं ताकि समय बचे जिसे वे और कहीं यूटिलाइज कर सकें। लेकिन अगर आपके पास स्वास्थ्य ही नहीं है तो फिर धन किस काम का। कहा भी गया है, पहला सुख निरोगी काया। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आप ताउम्र स्वस्थ रहें और किसी भी तरह की कोई बीमारी आपको न लगे तो सबसे पहले आप अपनी डाइट में सुधार करें और अपनी डाइट में हेल्दी और न्यूट्रीशियस खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

तनाव न बाबा न...

यह तो हम सब मानेंगे ही कि आजकल की हमारी जैसी जीवनशैली है उसमें आराम के पल कम और तनाव के पल ज्यादा मिलते हैं। जिसका सीधा सा असर हमारे शरीर पर पड़ता। जिस कारण कम उम्र में ही लोग ब्लड शुगर, हाईब्लड प्रेशर और न जाने कौन-कौन सी बीमारियों के घेरे में आ जाते हैं। इसलिए बीमारियों को कहना है गुडबाय तो पहले टेंशन को कहना होगा गुडबाय और स्माइल और खुशी को करना होगा वैलकम।

व्यायाम है जरूरी

स्वस्थ रहने के लिए अन्य जो बातें महत्वपूर्ण हैं उसमें सबसे पहली बात है कि सिगरेट और शराब का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा नियमित रूप से चाहें आप किसी भी उम्र के क्यों न हों व्यायाम या योग करें। इससे एक तो आपकी अतिरिक्त चर्बी और कैलोरी कम होती है दूसरे आपका शरीर अंदर से स्वस्थ महसूस करता है। इसलिए हर रोज कम से कम आधा घंटा व्यायाम तो जरूर ही करें।

बच्चों को बोतल न दें

नन्हा शिशु रोता है,तो काम में व्यस्त मां उसके मुंह में शहद की निप्पल,टीथर या दूध की बोतल मुंह में लगा देती है। बहुत कम पेरेन्ट्स को पता है कि ये पैसीफायर,टीथर और निप्पल शिशु की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं,क्योंकि इनमें खतरनाक और विषैले तत्व पाए गए हैं जैसे- लैड, कैडमियम, क्रोमियम आदि।

हानिकारक हैं विषैले तत्त्व

सीईआरएस ने पैसीफायर्स,टीथर्स एवं निप्पल्स के नमूनों का परीक्षण किया। सभी में लैड,क्रोमियम और कैडमियम पाए गए। नवजात शिशुओं के खिलौनों में ?से विषैले तत्व की मौजूदगी स्वीकार्य नहीं,क्योंकि बच्चे इन्हें चूसते,चबाते रहते हैं और लार निगलते रहते हैं। ये पैसीफायर या टीथर शिशुओं के लिए बैक्टीरियल या फंगल इंफेक्शन का सबब बन सकते हैं। लैड की थोड़ी-सी मात्रा भी खतरनाक हो सकती है। कैडमियम एक नेफ्रोटॉक्सिन है,जो किडनी को क्षतिग्रस्त कर सकता है। इसके शरीर में जाने से पेट दर्द,जी मिचलाना और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। क्रोमियम इरीटेशन या दमा के दौर का सबब बन सकता है।

बदलें मापदंड

बीआईएस को भी अपने मापदंड बदलने चाहिए और विशेष रूप से नवजात शिशुओं के लिए बनाए गए खिलौनों जैसे टीथर,पैसीफायर एवं निप्पल्स के लिए अलग स्टैंडर्ड तय करने चाहिए।

क्या है समाधान

शिशु को एक बड़ा गाजर,खीरा या मूली उनकी ऊपरी सतह को साफ करके,साफ पानी से धोकर दे दिया जाए। शिशु को दूध पिलाने के लिए बोतल का इस्तेमाल न करना बेहतर होगा। ये आसानी से गंदे और बैक्टीरिया युक्त हो जाते हैं।